सुविचार
जितना हम पाते हैं, क्या वह उससे कम नहीं है, जितना हम खो देते हैं।
-निर्मल वर्मा

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Janhvi Kapoor Calls Rani... 12

Ranchi • Sunday, 18 January 2026 • Year : 05 • Issue : 06 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SARAFA

सोना	:	13,380
चांदी	:	310.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

जैक बोर्ड की 10वीं परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी

RANCHI : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 को लेकर बड़ी अपडेट जारी की है। जैक ने माध्यमिक परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया है, जिसे काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। हालांकि, छात्र स्वयं प्रवेश पत्र डाउनलोड नहीं कर सकेंगे। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की जिम्मेदारी केवल संबंधित स्कूलों या कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को दी गई है। जैक की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि सभी विद्यार्थी अपने-अपने स्कूल से ही एडमिट कार्ड प्राप्त करें। बता दें कि जैक 10वीं बोर्ड की लिखित परीक्षा 3 फरवरी 2026 से 17 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएंगी।

झारखंड में थमी शीतलहर लोगों को ठंड से राहत

RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में शनिवार को शीतलहर का असर नहीं देखा गया। शीतलहर के थमने के साथ ही धूप की तपिश ने लोगों को राहत दी है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी। हालांकि विभाग ने यह भी बताया कि राज्य में अभी उत्तर-पश्चिम से उत्तर दिशा की ओर ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिसके कारण ठंड में धीरे-धीरे कमी आएगी। शनिवार को रांची में दिन के समय धूप में गर्मी महसूस की गई, जबकि दोपहर बाद हल्की ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिसका असर शाम के समय हल्की कनकनी के रूप में महसूस हुआ।

पंजाब के बठिंडा में भीषण सड़क हादसा, 5 की मौत

CHANDIGARH : पंजाब के बठिंडा में शनिवार को भीषण सड़क हादसे में एक महिला पुलिस कर्मी सहित पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबह घने कोहरे के कारण हुआ। बठिंडा के पुलिस अधीक्षक शहर नरिंदर सिंह ने बताया कि जेब में मिले आधार कार्ड और अन्य आईडी कार्ड से मृतकों की पहचान गुजरात के बनासकांठा निवासी अर्जुन, सतीश, जनक, भारत और अमिता बान के रूप में हुई है। सभी गुजरात से घूमने के लिए शिमला गए थे।

नौकरशाही

डॉ. ब्रजेश मिश्र

नौकरशाही वाले मोहल्ले में महत्वाकांक्षा सिर चढ़कर बोलती है। तलाश मौके की रहती है, जैसे ही मिले, लपक लो। ऐसी मान्यता भी है कि सत्ता के शीर्ष से जुड़ाव रखने पर ही आगे का मार्ग प्रशस्त होता है। फिर सोच चाहे अगली पंक्ति में शामिल होने की हो या फिर शासन व्यवस्था में पांव जमाने की। आखिर क्या चल रहा है अंदरखाने, जानें द फोटोन न्यूज के एक्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

महोदय का 'स्टेटस'

फोटो : सोशल मीडिया

मॉर्निंग वॉक पर निकला था। चक्कर पूरा कर गुरु के घर की राह पकड़ ली। दरवाजे पर सरकारी गाड़ी नजर आई। ड्राइवर सफाई में जुटा था। आमना-सामना हुआ, सो पूछ लिया- साहब, अभी निकले तो नहीं। ड्राइवर ने सिर हिला दिया। मन निश्चिंत हुआ कि गुरु फिर पकड़ में आ गए। अनुमान के अनुसार, गुरु अपने कमरे में नाश्ते की टेबल पर बैठे मिल गए। सामने पराठा, सब्जी और चाय रखी थी। गुरु इन व्यंजनों का आनंद ले रहे थे। आगंतुक को आते देख सीधे साथ बैठने का इशारा कर दिया। दो मिनट में घर के सेवादार ने आगे तिलकुट और पानी का गिलास रख दिया। गुरु बोले, मकर संक्रांति के दिन आए हो। शुरूआत तिलकुट से करो, फिर नाश्ता भी लग रहा है। गुरु का यही अपनापन बार-बार खींच लाता है। नाश्ते की टेबल पर सामान्य बातचीत शुरू हुई। धीरे-धीरे बातचीत गंभीर चर्चा में परिणत हो गई। गुरु बोले- गिरने की भी हद होती है। महोदय तो गिरावट की मिसाल बने जा रहे हैं। गुरु की व्यक्तिगत कुंठा जगजाहिर थी। बावजूद, वह जिस ओर इशारा कर रहे थे, उसे किसी लिहाज से दरकिनार नहीं किया जा सकता था। गुरु अगर शुरू हो जाएं तो फिर कहां रुकने वाले। बोले- इस एक आदमी ने नौकरशाही की नींव हिला रखी है। कहा- देश की संवैधानिक व्यवस्था के तीन अंग हैं- न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका। इन तीनों का आपसी समन्वय ही लोकतंत्र का आधार स्तंभ है। तीनों के बीच अगर जरूरत से ज्यादा नजदीकी बन जाए, तो संतुलन बिगड़ जाता है। वनांचल में मचे बवाल की असली वजह भी यही है। पहले भी कुछ लोग सत्ता के करीब होकर स्वयंभू होने का भ्रम पाल बैठे थे। आज उनकी कहानियों के चर्चे आम हैं। अखबारों के पन्ने गुलजार हैं। महोदय भी इसी राह पर हैं। सुना है, जयंती पर दिल खोलकर दादा को याद कर रहे थे। दिल यादों से इतना भर गया कि बात वाट्सएप के स्टेटस तक पहुंच गई। पुराने दिनों को याद कर गुलदस्ते के साथ वाली तस्वीर मोबाइल पर 'टांग' दी। यह कोई पहला वाकया नहीं है, जब मंजूषा से प्रेम का प्राकट्य हुआ हो। आखिर अपने लिए मौके की तलाश तो सभी को रहती है। महोदय सबसे चार कदम आगे हैं। महोदय की प्रतिभा किसी से छिपी नहीं है। पहले देश के 'टॉप ब्रेन' कही जानेवाली जमात में जगह बनाई। फिर देश की राजधानी से रेल पकड़कर वनांचल पहुंचे। बाबा की नगरी में माथा टेका। फिर बिना देर किए विपक्षी खेमे के धाकड़ सूरमा से भिड़ गए। फिलहाल वनांचल के केंद्र में रहकर मौके-बेमौके माहौल बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे। सत्ता को साधने में कई बार सेवादार तक बन गए, लेकिन मजाल है कि आंखों में कोई... आई हो। अब तो लोग यहां तक कह रहे हैं कि महोदय, माननीय के हकदार हो गए हैं। गुरु ने नाश्ता खत्म कर लिया था। लिहाजा, दोनों ने बारी-बारी से हाथ धोए और फिर मिलने का वादा कर विदा हुए। बाहर एक 'जंत्री' भजन करता दिखा... रामचंद्र कांत का भजन करें...।

सोमा मुंडा हत्याकांड के खिलाफ आदिवासी संगठनों ने किया झारखंड बंद

खूंटी-रांची और चाईबासा समेत कई जगह सड़कों पर उतरे लोग

कई इलाकों में टायर जलाकर की नारेबाजी, हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी की उठाई आवाज

- खूंटी जिला से गुजरने वाले मुख्य मार्गों पर प्रभावित हुआ आवागन कम चले वाहन
- कई जगहों पर लंबी दूरी की गाड़ियों की लग गईं कतारें
- कुछ स्थानों पर सामान्य रही स्थिति, कहीं-कहीं दिखा व्यापक असर
- रांची में अल्बर्ट एक्का चौक, करमटोली चौक, पिठौरिया सहित कई प्रमुख इलाकों में प्रभावित रहा जनजीवन

PHOTON NEWS RANCHI : आदिवासी नेता-सह-पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या के खिलाफ शनिवार को आदिवासी संगठनों के झारखंड बंद का मिला- जुला असर दिखा। यह असर कहीं अधिक तो कहीं कम दिखा। खूंटी में इसका व्यापक असर ज्यादा देखा गया। सुबह से ही बंद समर्थक सड़कों पर उतर गए। कई जगह सड़कों पर टायर जलाकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि सोमा मुंडा के हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी हो और पीड़ित परिवार को न्याय मिले। खूंटी जिला से गुजरने वाले मुख्य मार्गों पर आवागन प्रभावित हुआ। कई जगह लंबी दूरी की गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। शहर के सभी प्रतिष्ठान और दुकानें बंद रहे। एनएच पर हुटार चौक के पास लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया। जिला के सभी चौक चौराहों पर प्रदर्शनकारी घूम घूमकर बंद करा रहे थे। इस क्षेत्र के पेट्रोल पंप भी बंद रहे। झारखंड बंद को देखते हुए पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड में रहा। बंद के कारण सार्वजनिक परिवहन प्रभावित हुआ, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पेज 04 भी देखें।

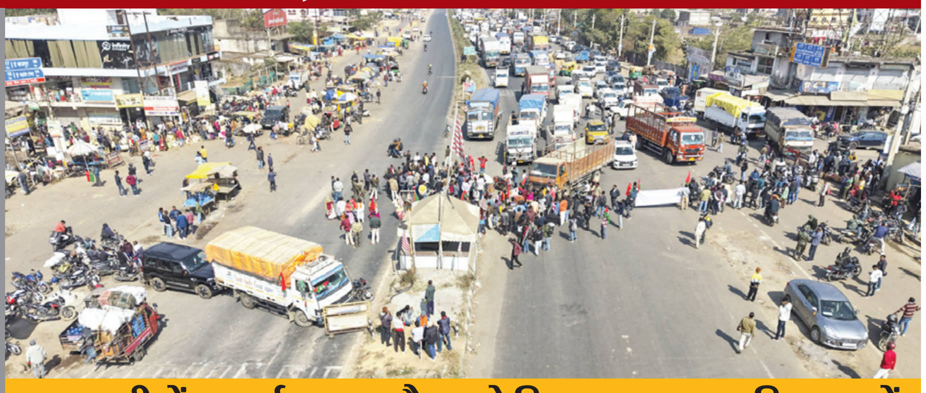

राजधानी में अल्बर्ट एक्का चौक को किया जाम, आठ हिरासत में

राजधानी रांची में भी स्पष्ट रूप से देखने को मिला। राजधानी के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। पुलिस ने बंद के दौरान बबलु मुंडा सहित आठ लोगों को हिरासत में लिया है। शहर के अल्बर्ट एक्का चौक, करमटोली चौक, पिठौरिया सहित कई प्रमुख इलाकों में जनजीवन प्रभावित रहा। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा के नेतृत्व में विभिन्न आदिवासी संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। रांची के अल्बर्ट एक्का चौक और आसपास के इलाकों में अधिकतर दुकानें बंद रहीं। जो दुकानें खुली थीं, उन्हें भी प्रदर्शनकारियों ने बंद करा दिया। प्रदर्शनकारियों ने अल्बर्ट एक्का चौक के पास रस्सी लगाकर सड़क अवरुद्ध कर दी, जिससे मेन रोड से आने वाले वाहनों को प्लाजा रोड की ओर डायवर्ट करना पड़ा।

मां काली की धरती को मां कामाख्या से जोड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन : पीएम

- प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन रेलवे स्टेशन से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को दिखाई हरी झंडी
- मोदी ने विभिन्न रेलवे और सड़क परियोजनाओं का भी किया लोकार्पण
- कहा- बंगाल के युवाओं को मिलेंगे नए अवसर, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मिलेगी मजबूती

AGENCY MALDA : शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पश्चिम बंगाल में रेलवे के विकास को नई गति और नए आयाम मिले हैं। एक तरफ जहां हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग में शुरू हुई देश की यह पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मां काली की धरती को मां कामाख्या की भूमि को जोड़ रही है। पश्चिम बंगाल को चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से देश के उत्तरी, दक्षिणी एवं पश्चिमी हिस्सों से नई कनेक्टिविटी मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन रेलवे स्टेशन से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सहित विभिन्न रेलवे एवं सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण के बाद समारोह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से बंगाल के युवाओं को नए अवसर मिलेंगे और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। यह ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की ताकत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पूरे देश में इस आधुनिक स्लीपर ट्रेन का विस्तार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने बंगाल, असम और पूरे देश को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसी तरह से बंगाल को चार और आधुनिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिलीं हैं। न्यू जलपाईगुड़ी, नागरकोई अमृत भारत एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी से तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, अलीपुर द्वार बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस, अलीपुर द्वार मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस, इससे बंगाल और खासतौर पर उत्तर बंगाल की दक्षिण और पश्चिम भारत से कनेक्टिविटी और सशक्त होगी।

भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठियों पर होगा एक्शन

मोदी ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल के सामने एक बड़ी चुनौती घुसपैठ की है। बंगाल के कई इलाकों में आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। टीएमसी घुसपैठियों को वोटर बना रही। गरीबों का हक छीना जा रहा है। भाजपा सरकार बनते ही घुसैपठियों पर एक्शन लिया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि टीएमसी वालों को आपकी तकलीफ की कोई चिंता नहीं है। यहां आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दी गई है। ऐसी पत्थर दिल सरकार की बंगाल से विदाई जरूरी है।

बिहार में प्रवासी मजदूर पर हमले के बाद भड़का आक्रोश

मुर्शिदाबाद में फिर हाईवे जाम कर प्रदर्शनकारियों ने तोड़ा रेलवे गेट

> एक दिन पहले झारखंड में प्रवासी मजदूर की मौत को लेकर बेलडांगा में हुआ था हिंसक प्रदर्शन

KOLKATA @ PTI : शनिवार को दूसरे दिन पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हालात तनावपूर्ण रहे। प्रदर्शनकारियों ने एनएच-12 और रेलवे ट्रैक को फिर से जाम कर दिया है। स्थिति नियंत्रित करने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। यह विरोध बिहार में एक प्रवासी मजदूर पर हमले के बाद भड़का। इससे एक दिन पहले झारखंड में प्रवासी मजदूर की मौत को लेकर बेलडांगा में हिंसक प्रदर्शन हुआ था, जिससे सड़क और रेल रूट घंटों ठप रहा था। एडिशनल एसपी ने बताया कि अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को शांति बनाए रखने की अपील की थी। शनिवार को सुबह प्रदर्शनकारियों ने बेलडांगा स्टेशन के पास रेल गेट में तोड़फोड़ की और रेलवे सिग्नल को नुकसान पहुंचाया। इसके चलते कृष्णनगर और लालगोला के बीच ट्रेन बंद कर दी गईं।

हर माह 80 से 90 लाख रुपये की विद्युत खपत के बावजूद भुगतान कुछ नहीं

जेबीवीएनएल का एचईसी पर ₹280 करोड़ बकाया

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) पर बकाया का बोझ बढ़ता जा रहा है। इसमें बड़े बकाएदारों की भूमिका ज्यादा है। सबसे बड़ा बकाएदार हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी) है, जो हर महीने 80 से 90 लाख रुपये की बिजली खपत करने के बावजूद बिजली बिल के एवज में एक रुपये का भी भुगतान नहीं कर रहा है। स्थिति यह है कि एचईसी पर जेबीवीएनएल का बकाया 280 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। अगर यही रफ्तार रही तो यह राशि जल्द ही 350 करोड़ रुपये के पार चली जाएगी। इस गंभीर मुद्दे पर रांची एरिया बोर्ड की बैठक में गहरी चिंता जताई गई। बैठक में एरिया बोर्ड के महाप्रबंधक मनमोहन कुमार ने बताया कि इतनी बड़ी राशि को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह सीधे तौर पर बिजली वितरण व्यवस्था को कमजोर कर रही है।

रांची एरिया बोर्ड की ओर से कनेक्शन काटने का दिया गया निर्देश

डीवीसी का लगभग 300 करोड़ रुपये बकाया

डीवीसी का लगभग 300 करोड़ रुपये बकाया है। बैठक में रांची एरिया बोर्ड के सभी कार्यपालक अभियंता शामिल हुए। सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि अब रिलेशन मेंटेन करने के बजाय बकायेदारों की पहचान कर सख्त कार्रवाई करें और जरूरत पड़े तो बिजली कनेक्शन काटें। बताया गया कि पिछले चार महीनों से सरकार की ओर से 200 यूनिट फ्री बिजली के एवज में जेबीवीएनएल को भुगतान नहीं मिल रहा है, जिसके कारण एनटीपीसी और डीवीसी को भुगतान अटक गया है।

रिंग रोड के अंदर 90 हजार कंज्यूमर

जीएम मनमोहन कुमार ने कहा कि जैसे निगम की जिम्मेदारी लगातार बिजली देने की है, वैसे ही उपभोक्ताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे समय पर बिल दें। उन्होंने कहा कि रांची रिंग रोड के अंदर हाई वोल्टेज कंज्यूमर की संख्या 90 हजार है, जिससे वसूली के लिए 21 से 23 जनवरी तक योजना बनाकर वसूली किया जाएगा।

हेल्थ सेफ्टी कारगर इलाज के नए तरीके को किया जा रहा डेवलप

टीबी की चिकित्सा के लिए जल्द शुरू होगा क्लिनिकल ट्रायल

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने व्यापक स्तर पर तैयार किया है प्लान

हाई डोज दवा थेरेपी के माध्यम से कम समय में पूर्ण रूप से स्वस्थ हो सकेंगे मरीज

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : यक्ष्मा या तपेदिक यानी ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारी है। इसके इलाज की प्रक्रिया लंबी होती है। मरीज को स्वास्थ्य के प्रति अधिक संवेदनशील रहना भी जरूरी होता है। सरकारी स्तर पर मरीज को इलाज की सुविधा दी जाती है और साथ ही उनके स्वास्थ्य की देखरेख के लिए आर्थिक मदद की भी व्यवस्था की जाती है। टीबी मुक्त भारत के अभियान को आगे बढ़ाते हुए हाल ही में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बड़ी पहल की है। मरीजों के इलाज के लिए कम समय में बेहतर तरीके के इस्तेमाल का बड़ा प्लान बनाया गया है। इसके तहत जल्द इलाज को तेज करने और अधिक प्रभावी बनाने के लिए क्लिनिकल ट्रायल की प्रक्रिया शुरू करने की जानकारी दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, दवा संवेदनशील फेफड़ों की तपेदिक के इलाज में नई प्रक्रिया पुरानी प्रक्रिया से अधिक कारगर साबित हो सकती है। आईसीएमआर की ओर से यह महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है कि इस मल्टी-सेंट्रिक ट्रायल के लिए देश के 14 मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों को चुना गया है।

- आईसीएमआर ने देश के 14 मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का किया है चयन
- रिफैम्पिसिन के हाई डोज आधारित 4 और 6 महीने के इलाज की परखी जाएगी क्वालिटी

देश के संपूर्ण टीबी प्रबंधन में संभावित रूप से क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है यह अध्ययन

लेवोफ्लाक्सासिन के उपयोग का भी मूल्यांकन

ट्रायल में रिफैम्पिसिन के हाई डोज आधारित 4 और 6 महीने की नई इलाज 'रेजिमेन' की तुलना की जाएगी, जिनमें लेवोफ्लाक्सासिन के उपयोग का भी मूल्यांकन किया जाएगा। इस मूल्यांकन की प्रक्रिया के बाद तय किया जाएगा की नई प्रणाली को कैसे आगे बढ़ाया जाए।

दो महीने में जमा कराने होंगे दस्तावेज

आईसीएमआर की टीम की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह अध्ययन भारत के टीबी प्रबंधन में संभावित रूप से क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। हाई डोज रेजिमेन सुरक्षित और ज्यादा प्रभावी साबित होती है, तो टीबी के इलाज की अवधि कम की जा सकती है और दवा पालन में सुधार होगा। दस्तावेज के अनुसार, चयनित संस्थानों को 1 अपनी भागीदारी की औपचारिक पुष्टि करने के साथ दो महीने में सभी आवश्यक दस्तावेज जमा कराने होंगे। परिषद ने साफ किया है कि अंतिम स्वीकृति और फंड जारी होने से पहले कोई भी संस्थान खर्च या गतिविधि शुरू नहीं करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि टीबी अब भी भारत का सबसे बड़ा संक्रामक रोग है। इलाज का वर्तमान 6 महीने का कोर्स दवा छोड़ने, साइड इफेक्ट्स और निगरानी में कठिनाइयों के कारण कई बार अधूरा रह जाता है। आईसीएमआर का यह नया अध्ययन इस चक्र को तोड़ने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

बांग्लादेश में कर्मचारी को बचा रहे हिंदू कारोबारी को उतार दिया मौत के घाट

NEW DELHI : शनिवार को बांग्लादेश के गाजीपुर जिले में एक हिंदू कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वह अपनी मिठाई की दुकान में काम करने वाले एक नाबालिग कर्मचारी को बचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष उर्फ काली के रूप में हुई है। वह बैशाखी स्वीटमीट एंड होटल का मालिक था। यह दुकान नगरपालिका इलाके के पास बरनगर रोड पर स्थित है। बांग्लादेश में बीते एक महीने में अब तक 9 हिंदुओं की हत्याएं हो चुकी हैं। पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 11 बजे मसूम मिया (28) दुकान में आया। किसी मामूली बात को लेकर उसका दुकान में काम करने वाले 17 साल के कर्मचारी अनंत दास से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई।

दूषित जल के कारण पीड़ित मरीजों से मिले राहुल, बोले-

इंदौर में पानी पीकर मर रहे लोग यह नए मॉडल की स्मार्ट सिटी

INDORE @ PTI : शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इंदौर पहुंचे। सबसे पहले वह बॉम्बे हॉस्पिटल गए,जहां उन्होंने दूषित पानी से पीड़ित मरीजों और परिजन से मुलाकात की। राहुल ने कहा ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है। परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। उन्होंने कहा, सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। किसी को ये राजनीति लगे तो लगे, लेकिन लोगों को साफ पानी मिलना चाहिए। इस दौरान राहुल भागीरथपुरा भी गए और दूषित पानी से जान गंवाने वाली गीता बाई और जीवनलाल के परिवार से मिले। दोनों परिवारों को उन्होंने चेक दिया। इसके बाद राहुल गांधी संस्कार गार्डन पहुंचे। यहां उन्होंने दूसरे प्रभावितों से मुलाकात की। सभी को राहुल ने एक लाख और सिंघार ने 50-50 हजार रुपये के चेक दिए।

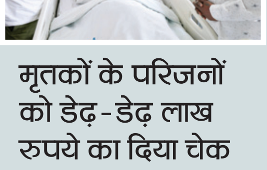

मृतकों के परिजनों को डेढ़-डेढ़ लाख रुपये का दिया चेक

पुष्कर : अंतर्मन की यात्रा

घुमक्कड़ की पाती

दिल्ली से बाहर निकलते ही सड़कें खुलने लगीं और मेरे भीतर भी कुछ खुलता गया। जैसे मन अपनी ही परतें धीरे- धीरे छोड़कर हल्का हो रहा हो। धुंध पीछे छूटती गई और सामने हरियाणा के खेत फैलते गए। धूप बिल्कुल कच्ची थी, लेकिन उसमें एक भरोसा था। अजमेर के पास पहुंचा तो अरावली का पहला उभार दिखाई दिया। छोटा, शांत और स्वागत करता हुआ। मानो उसने अपने पत्थर के होंठों से कहा हो- अब से तुम अपने नहीं, मेरी गति में चलोगे। अजमेर से पुष्कर का घुमावदार रास्ता किसी पुराने गीत में छिपे हुए मद्धिम सुर जैसा है। धीमा, लेकिन आत्मा को खींचता हुआ। जैसे ही पहाड़ों ने मुझे अपने बीच लिया, हवा की बोली बदल गई।

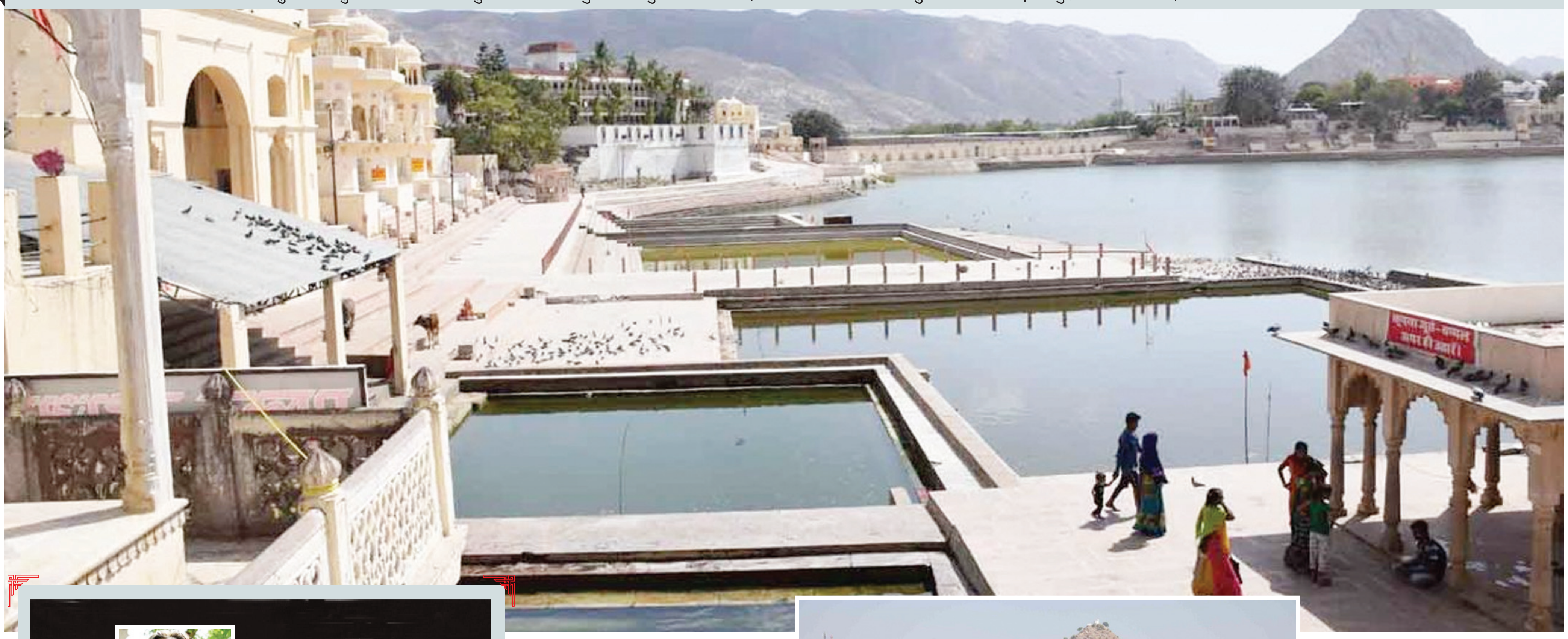

दिल्ली की उस ठंडी सुबह में जब सड़कों पर धुंध किसी भूली हुई कविता की पहली पंक्ति की तरह तैर रही थी, मुझे लगा कि शहर ने मेरी धड़कनों पर अपनी गति थोप दी है। भीतर कहीं एक बेचैनी जागी- कुछ दूर जाना है, कहीं और, किसी ऐसी जगह जहां हवा का रंग अलग हो, जहां समय वापस सांस लेने लगे। उसी बेचैनी में पुष्कर का नाम उभरा, जैसे कोई पुराना दोस्त अचानक दरवाजे पर दस्तक देकर कह दे- चलो, थोड़ी देर बाहर बैठते हैं। दिल्ली से बाहर निकलते ही सड़कें खुलने लगीं और मेरे भीतर भी कुछ खुलता गया। जैसे मन अपनी ही परतें धीरे- धीरे छोड़कर हल्का हो रहा हो। धुंध पीछे छूटती गई और सामने हरियाणा के खेत फैलते गए। धूप बिल्कुल कच्ची थी, लेकिन उसमें एक भरोसा था। अजमेर के पास पहुंचा तो अरावली का पहला उभार दिखाई दिया। छोटा, शांत और स्वागत करता हुआ। मानो उसने अपने पत्थर के होंठों से कहा हो- अब से तुम अपने नहीं, मेरी गति में चलोगे। अजमेर से पुष्कर का घुमावदार रास्ता किसी पुराने गीत में छिपे हुए मद्धिम सुर जैसा है। धीमा, लेकिन आत्मा को खींचता हुआ। जैसे ही पहाड़ों ने मुझे अपने बीच लिया, हवा की बोली बदल गई। उसमें एक पवित्रता थी, जो बिना कहे भीतर तक उतर जाती है। और जब पुष्कर का पहला दृश्य सामने आया- छोटे घर, संकरी गलियां और झील की झलक, मुझे लगा कि मैं किसी ऐसी जगह आया हूं, जहां मन को लगे हुए पुराने धब्बे धीरे-धीरे धुलने वाले हैं।

पुष्कर में मेरे पहले दिन की शुरूआत झील के किनारे बैठने से हुई, जो हमेशा- हमेशा के लिए मेरी स्मृति का हिस्सा बनकर रह गई। पुष्कर की गलियों में चलते हुए सबसे पहले जो चीज भीतर तक घुसती है, वह उसकी गंध है- दूध की भाप, चंदन की नरम लकीरें, धूपबत्ती की राख और थोड़ी-सी मिट्टी। यह मिश्रण किसी और शहर में नहीं मिलता। यह जगह अपने सबसे पहले स्पर्श में ही बता देती है कि वह केवल एक धार्मिक नगर नहीं, एक आत्मीय स्थान है। झील पर पहुंचा तो लगा, कोई बहुत पुरानी चुप्पी मेरे सामने बैठी है। पानी इतना शांत था कि मुझे डर लगा, कहीं उसे देखकर मेरे भीतर का कोलाहल न शर्मिंदा हो जाए। सीढ़ियों पर चलते हुए हर कदम मुझे हल्का करता गया। ऊपर उड़ते कबूतरों की परतें किसी क्षणभंगुर पवित्रता की तरह थीं। शाम की आरती के समय दीपक जब एक साथ जले तो झील का चेहरा बदल गया। सोने जैसा, फिर तांबे जैसा, फिर बिल्कुल आकाशी। उस बदलते रंग में किसी ने मेरा हाथ थामा और कहा, यही तो यात्रा है- जब बाहर का दृश्य धीरे-धीरे भीतर उतरना शुरू करे। मैं देर तक पानी को देखता रहा। उस पानी की चमक में मुझे अपनी ही कोई पुरानी स्मृति तैरती दिखी, कुछ ऐसा जिसे मैं नाम नहीं दे सका, पर महसूस कर लिया।

दूसरे दिन ब्रह्मा मंदिर, गलियां और वह ऊंचाई, जहां से शहर एक चित्र बन जाता है। अगली सुबह ब्रह्मा मंदिर की ओर चलता हुआ मैं यह समझ रहा था कि पुष्कर लोगों को भागने नहीं देता। वह उन्हें धीमा होने पर मजबूर करता है। सुबह की धूप में दुकानें खुल रही थीं, कहीं जलते तवे की आवाज, कहीं घंटियों का धीमा कंपन। यह सब मिलकर एक ऐसी लय बनाते हैं, जिसे केवल चलकर ही समझा जा सकता है। मंदिर की सीढ़ियां चढ़ते हुए लगा कि मैं किसी भूले हुए अध्याय में प्रवेश कर रहा हूं। अंदर की शांति केवल जगह की नहीं, बल्कि समय की शांति थी। वह शांति, जिसमें अनगिनत यात्रियों की थकानें घुलती रही हों। मंदिर से निकलकर मैंने गलियों का रास्ता पकड़ा। पुष्कर की गलियां मन की उलझनों जैसी हैं। तंग, घुमावदार, लेकिन अचानक एक खुली जगह पर जाकर उजाला देती हुईं। दुकानों में रखी रंगीन पगड़ियां, चांदी के आभूषण, बंधेज के दुपट्टेङ्क सब किसी रंगोत्सव की तरह फैले हुए थे। यहां का बाजार लोगों को नहीं बेचता, उनके भीतर छिपे रंगों को पहचानता है। दोपहर को मैं सावित्री माता मंदिर की चढ़ाई पर था। हर मोड़ पर पुष्कर का आकार नया हो जाता था। झील केंद्र में, उसके चारों ओर फैले सफेद घाट, दूर नर्म अरावली की ऊंचाइयां। ऊपर पहुंचकर शहर एक ऐसा चित्र बन गया था, जिसे देखकर मन अचानक शांत हो जाए। हवा अलग थी- नीली, ठंडी, और पूरी तरह सच्ची। सूर्यास्त में पहाड़ों पर उतरती धूप ने पूरे नगर को किसी प्राचीन कथा जैसा रूप दे दिया। उस क्षण मुझे लगा कि यहीं कहीं यात्रा अपने अर्थ को पा लेती है।

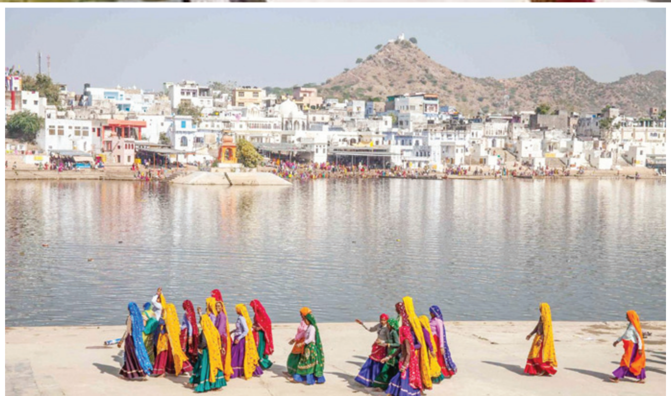

तीसरे दिन रेत के टीलों में बैठकर समझ आया कि पुष्कर एक नगर नहीं, एक भाव है। तीसरे दिन मैं रेगिस्तान की तरफ निकला। पुष्कर का यह चेहरा बहुत हल्का-सा है। जैसे शहर ने इसे छिपाकर रखा हो, ताकि केवल वही व्यक्ति इसे देख सके, जो खोजता हुआ आए। टीलों पर हवा की गति अलग थी। सूखी, तेज, लेकिन उसमें एक अनोखी मिठास थी। ऊंट की धीमी चाल ने आसपास के विशाल खालीपन को और भी अर्थपूर्ण बना दिया। रेत उंगलियों में उठाकर मैंने महसूस किया कि यह मिट्टी सदियों की यात्राओं का बोझ ढोती है। हर कण में एक कहानी है। कुछ समय की, कुछ मानवों की, कुछ हवा की। वहां बैठकर समझ आया कि पुष्कर केवल देवताओं की जगह नहीं, यह उन लोगों की भी जगह है, जो खुद से भागकर नहीं, खुद तक पहुंचने के लिए आते हैं। शाम को फिर झील के किनारे पहुंचा। तीसरे दिन का वही दृश्य अब बिल्कुल नया था। शायद इसलिए कि स्थान नहीं बदलता, देखने वाला बदल जाता है। आरती की रोशनी में पानी इस बार इतना गहरा दिखा कि लगा, जैसे वह मेरी थकान को अपने भीतर खींच रहा हो।

इस तरह से तीन दिन बाद मेरी यात्रा का समापन होने को था, पर यात्रा समाप्त नहीं हुई, बस भीतर लौट गई। जब रात गहराने लगी और झील पर केवल कुछ दीपक तैर रहे थे, मैं सीढ़ियों पर बैठा रहा। पुष्कर ने मुझे कहीं और नहीं भेजा, मुझे मेरे भीतर वापस ले आया। यहां की हवा में एक पुरानी दया है, एक धीमापन है और एक ऐसा मौन है, जो आदमी को उसकी असली आवाज लौटा देता है। दिल्ली लौटते हुए मुझे लगा कि यह यात्रा सड़कों पर तय नहीं हुई, यह तय हुई वहां, उस शांत झील के किनारे, जहां पानी ने मेरे भीतर जमी धूल को हल्का-सा हिला दिया था।

यात्रा यही है, अपने भीतर के अंधेरे कमरे में थोड़ा उजाला ले जाना। और पुष्कर... वह उजाला सौम्यता से, धीरे-धीरे, बिना मांगे दे देता है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

कविता

बेबी शॉ

डर

मुझे एक अजीब-सा
डर महसूस होता है आजकल
डर-
खोने का
बिछड़ने का
दूर जाने का
और पास आने का

सोचती हूँ,
एक दिन आएगा
और सारे डर गायब हो जाएँगे
तब मैं जब चाहूँ तुम्हें
पाऊँगी
देखूँगी
छुऊँगी...

मन में नहीं
अस्पष्ट स्वरों से नहीं
धुनयुक्त आवाज में कहूँगी-
प्रेम... प्रेम... मेरा प्रेम,
सारे युद्ध को इतिहास बनाकर रखो...

कहानी ■ पार्ट-2

बिसाही नामे पिछड़ी

कमल
रांची, झारखंड

तभी बिजला को झाड़ियों के दूसरी तरफ से नशे में डूबे रघुनु की आवाज सुनाई दी, 'एक गो औरत को मारने से उसका घर-दुआर, पूरे जमीन हमरा कब्जा में होगा रे'।

'केतना अच्छा होता, जो कोरोना में अपने पति की तरह इहो बीमार हो जाती और पति के जइसे ही मुआ जाती'- मताल बोला।

वापसी के रास्ते में न जाने कहाँ और कैसे फूलवा के पति चुड़का का पैर जख्मी हो गया था। लखीपाई पहुँचने के बाद गाँव में जो भी इलाज संभव था, किया गया। लेकिन चुड़का काका के तलवों से खून का रिसना कभी बंद नहीं हुआ। उन दिनों लॉकडाउन में पैदल अपने घरों को लौटने वालों के तलवों से खून बहना आम बात थी। चुड़का काका की हालत बिगड़ती ही चली गई थी। कुछ ही दिनों में देखते-देखते वह काकी को हमेशा के लिए अकेला छोड़कर चला गया।

'लेकिन इसमें तो थाना-पुलिस हो जाएगा'। उनके साथ बैठा एक आदमी बोला।

'तो तुमरे पास है कोई और रस्ता?' रघुनु ने उसकी ओर घूर कर देखा।

वहाँ एक सन्नाटा फैल गया, लेकिन वह सन्नाटा बस जरा-सी देर के लिए ही था।

'वैसे भी हम उसे सीधे-सीधे मारने की बात कहाँ कर रहे हैं। डायन-बिसाही बोल कर पहले उसे बदनाम कर देंगे। बिसाही नामे गहि पिछड़ी (डायन नाम का शॉल) पहना कर मारेंगे। मैंने पहले ही से कुछ लोगों को बोल रखा है कि वो डायन है। चार जगह और हल्ला करवा देंगे कि वोही डायन है, बस पहना गया उसको, बिसाही नामे गहि पिछड़ी। अईसी अकेली औरत को डायन बता कर मारना बहुत्ते आसान होता है। कहेंगे, इसी डायन के कारण बर-बिमारी होता है। सब जगा इसी से कोरोना आया था, इसने अपने पति को खा लिया। अगर इसे नहीं मारा तो पूरे गॉव में फिर कोरोना फैला कर वह सबको खा जाएगी। बिसाही का डर गाँव में किसको नहीं होता है? हम उसी डर का फैदा उठाएंगे' रघुनु ने मानों फैसला सुनाया।

'अगर कोई कमी रही, तो हमरा ई ओझा-गुनी किस दिन काम आएगा?' मताल ने अपनी बगल में बैठे आदमी के गिलास को हड़िया से भरते हुए कहा।

'हम तो तुमरा साथे हैं। बाकि जेतना में बात हुआ है, पूरा पइसा हमको एडवांस में चाहिए'। ओझा ने नशे में झूमते हुए कहा।

'तुम पइसा का फिकर एकदम्मे मत करो'।

'तब हमरा तरफ से बात पक्का समझो'। ओझा ने नशे में होने के बावजूद सावधानी से अपना प्लास्टिक वाला गिलास उठाया, ताकि हड़िया भरा गिलास छलके नहीं। मुँह से लगाकर उसने एक ही साँस में अपना गिलास खत्म कर दिया।

'ईहे ठीक है, डायन-बिसाही के नाम पर तो गाँव वाला कोई भी हमरे खिलाफ नहीं होगा'। मताल भी झूम रहा था।

वह सब देख-सुन कर बिजला को काटो तो खून नहीं। वह दबे पाँव झाड़ियों बाहर निकला और तेजी से अपना बस्ता उठा कर घर की ओर दौड़ पड़ा। बोनो पहले तो कुछ समझी नहीं, फिर उसने भी अपना बस्ता उठाया और बिजला के पीछे लपकी। थोड़ा आगे बिजला रुक कर उसकी प्रतीक्षा कर रहा था। उसका चेहरा उतरा हुआ था।

बोनो भी उसके पास जा पहुँची, 'तुम अइसे काहे भागे? तुमको का हुआ है? तुम्हारा चेहरा कईसा तो दिख रहा है'।

बिजला ने धीरे-धीरे उसे सारी बात बताई। वह सब सुन कर बोनो भी सन्न रह गई।

'अब हम का करेंगे?' बोनो करवा ने सहमी आवाज में पूछा।

'मेरी फूलो काकी को, मैं कुछ नहीं होने दूँगा'। बिजला तिग्गा की आवाज में दृढ़ता थी, 'तुम ऐसा करो, मेरा बस्ता लेकर सीधे घर चले जाओ'।

और तुम? बोनो की आवाज में आश्चर्य था। 'मैं वापस जामुनी टोला जा रहा हूँ। मास्टर जी का घर स्कूल के पास ही है। उन्होंने हमें बताया है कि भूत-प्रेत, डायन-बिसाही कुछ नहीं होता। कुछ लोग इनके नाम से अपना फायदा निकालते है। हमें हर तरह के अंधविश्वास को तोड़ना होगा। मुझे भरोसा है, पूरी बात जान कर मास्टर जी फुलवा काकी को बचाने में जरूर मेरी मदद करेंगे'।

'लेकिन अब तो कितना कुबेर हो गया है। शाम होने को है, क्या तुम समय से मास्टर जी के पास पहुँच सकोगे?' बोनो ने शंका प्रकट की।

'हाँ, मैं पहुँच जाऊँगा। अपनी फुलवा काकी को बचाने के लिए मैं कुछ भी कर सकता हूँ'- कहते हुए बिजला ने अपना बस्ता बोनो के कंधे पर टांगा और वापस जामुनी टोला की ओर दौड़ पड़ा।

बोनो करवा ने लखीपाई की ओर मुड़ने से पहले एक बार बिजला तिग्गा की ओर देखा। वह बिजली की गति से दौड़ा जा रहा था, मानों उड़ रहा हो।

इसके बाद की कहानी बहुत संक्षिप्त है। उस रात फुलवा के घर चारों की तरह घुसते मताल, रघुनु और उनके साथी फुलवा के खिलाफ कुछ कर पाते, उससे पहले ही वे सब घात लगाये बैठी, पुलिस के हत्थे जा चढ़े।

अगले दिन जमुनी टोला के स्कूल मैदान में फुटबॉल खेलता बिजला, उत्साह से अपने साथियों को मताल व रघुनु का किस्सा सुना रहा था कि कैसे उसने मास्टर जी और पुलिस की मदद से अपनी फूलो काकी की जान बचायी।

लखीपाई की फुलवा तो बच गई, लेकिन स्टाफ रुम में मास्टर जी के हाथ में थमा अखबार उन्हें, बुरगूटोली. में डायन-बिसाही के नाम पर हुई एक औरत की हत्या की खबर बता रहा था।

BRIEF NEWS

कई जगहों पर जरूरतमंदों में किया गया कंबल वितरण

RANCHI : वार्ड पार्षद प्रत्याशी अमित मुंडा ने वार्ड संख्या में 4 वार्ड के जरूरमंदों में कंबल का वितरण किया। भरम टोली अटल क्लिनिक के समीप, नायक टोली, बड़गाईं खेरवा कोचा, टैगोर हिल मोराबादी, बरियातू खजुरिया टोली, मोरहाबादी, तेतर टोली, बनिया टोली, यीशु नगर, चिरौंदी वन वृद्धावन कॉलोनी, चिरौंदी बॉम्बे आवास, बड़गाईं सहित अन्य जगहों पर बूढ़े बुजुंग जरुरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण कर चुके हैं।

नामकुम में जरूरतमंदों में बांटे गए कंबल

NAMKOM : आरबी पांडेय मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से शनिवार को नामकुम स्टेशन स्थित चार सौ लोगों में कंबल वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि में खिजरी विधायक राजेश कच्छप, कांके के विधायक सुरेश बैठा, विशिष्ट अतिथि कांग्रेस महासचिव आलोक दूबे प्रवक्ता विनय सिन्हा, लाल किशोर नाथ शाहदेव, जॉन पीटर बागे, शेखर सिंह, अखिलेश सिंह, आत्मानंद पांडेय द्वारा सभी जरूरतमंदों में कंबल का वितरण किया गया। विधायक राजेश कच्छप व सुरेश बैठा ने कहा कि फाउंडेशन के काम की सराहना की।
मौके पर रामाशंकर तिवारी, सिकंदर ठाकुर, अभिषेक भारद्वाज, बबलू मुंडा, अभिजीत मुंडा, राजेंद्र गोप, विनय सिंह, नरेन्द्र, अशोक यादव, मृत्युंजय मिश्रा,संतोष पाठक, सीता मुण्डा, प्रिया संगा, साधु मुण्डा, विनोद मंडल, सोनू दूबे,मोनू सिंह, धर्मवीर यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नाइजर से रिहा हुए झारखंडी मजदूरों से आजसू ने की मुलाकात

RANCHI : नाइजर अपहरण मामले में शनिवार को आजसू पार्टी के नेताओं का प्रतिनिधिमंडल गिरिडीह जिले के बगोदर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में गोमिया के पूर्व विधायक लंबोदर महतो, केंद्रीय महासचिव संजय मेहता, केंद्रीय महासचिव यशोदा देवी, बगोदर विधानसभा प्रभारी अनूप पांडेय, जिला परिषद सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ नेता छक्कन महतो एवं प्रताप सिंह शामिल थे। इस अवसर पर दोंदलों पंचायत के मुखिया तुलसी तलवार और सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली भी उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने दोंदलों पंचायत के राजू महतो, फलजीत महतो, चंद्रिका महतो, संजय महतो और मुंडरो पंचायत के उत्तम महतो से मुलाकात की और परिजनों का हाल-चाल जाना।

रांची में रक्षा संपदा उप-कार्यालय का उद्घाटन, राज्यपाल संतोष गंगवार बोले-

राज्य के लिए रक्षा मंत्रालय ने किया अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरदर्शी निर्णय

- झारखंड से संबंधित रक्षा भूमि का प्रबंधन होता था बिहार के दानापुर कार्यालय से
- राज्य प्रशासन और रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच समन्वय होगा अधिक मजबूत

रक्षा संपदा उप-कार्यालय का उद्घाटन करते राज्यपाल संतोष गंगवार व अन्य

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची में रक्षा सम्पदा उप-कार्यालय के नए कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने इसे झारखंड राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रांची में रक्षा संपदा उप-कार्यालय की स्थापना एक दूरदर्शी और समयानुकूल निर्णय है। इससे राज्य में रक्षा भूमि प्रबंधन को अधिक सुदृढ़, प्रभावी और समयबद्ध बनाया जा सकेगा। राज्यपाल ने कहा कि अब तक झारखंड राज्य के सभी जिलों और सैन्य स्टेशनों से संबंधित रक्षा भूमि का प्रबंधन बिहार के दानापुर स्थित कार्यालय से किया जा रहा था। व्यापक क्षेत्राधिकार और भौगोलिक दूरी के कारण कई मामलों में विलंब की स्थिति उत्पन्न होती थी। रांची में उप-कार्यालय की स्थापना से अब रक्षा भूमि से जुड़े मामलों का समाधान स्थानीय स्तर पर प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। इससे राज्य प्रशासन और रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच समन्वय भी अधिक मजबूत होगा। राज्यपाल ने कहा कि रक्षा भूमि का सुव्यवस्थित प्रबंधन न केवल प्रशासनिक दृष्टि से आवश्यक है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा विषय है। इस उप-कार्यालय के माध्यम से रक्षा परिसंपत्तियों की सुरक्षा, रख-रखाव और उपयोग में पारदर्शिता आएगी। जिसका लाभ राज्य और राष्ट्र दोनों को मिलेगा। इस अवसर पर राज्यपाल ने भारतीय सैनिकों के पराक्रम, साहस और अनुशासन की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक केवल सीमाओं की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और संकट के समय भी समर्पण भाव से नागरिकों की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं। उनका जीवन ह्यनेशन फर्स्टह्न की भावना का जीवंत उदाहरण है। राज्यपाल ने कहा कि जब देशवासी चैन की नींद सोते हैं, तब हमारे सैनिक सीमाओं पर जागकर देश की सुरक्षा में लगे रहते हैं। विषम भौगोलिक और मौसमीय परिस्थितियों में अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का त्याग कर वे राष्ट्र रक्षा के दायित्व का निर्वहन करते हैं।

भारत सदैव रहा है शांति का पक्षधर

राज्यपाल ने कहा कि भारत सदैव शांति का पक्षधर रहा है और विश्व को मानवता का संदेश देता आया है। हम बिना कारण किसी के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करते, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर शास्त्र और शस्त्र दोनों की मयार्दा निभाना भली-भांति जानते हैं। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों के माध्यम से भारतीय सेना ने आतंकवाद के अड्डों को समाप्त कर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि यह नया भारत है। यह भारत शांति चाहता है, लेकिन मानवता पर हमला होने की स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देना भी जानता है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना

गवर्नर ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सैनिकों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प के तहत रक्षा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों से देश की सैन्य शक्ति निरंतर सशक्त हो रही है। राज्यपाल ने केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा मंत्रालय भारत सरकार की पूरी टीम को बधाई दी।

डीसी ने अधिकारियों को पोलिंग बूथों को तैयार करने का दिया निर्देश

- जिला प्रशासन ने नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 को लेकर पूरी की तैयारी

PHOTON NEWS RANCHI : रांची जिला प्रशासन ने आगामी नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 की सुचारू, निष्पक्ष और समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने की। बैठक में उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची रजत कुमार, विभिन्न कोषांगों के पदाधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, अंचल अधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त ने निर्वाचन प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की और विभिन्न कोषांगों के पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के संबंध में स्पष्ट व सख्त दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जोर दिया कि चुनावी तैयारियां पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और समय-सीमा के भीतर पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। सभी मतदान केंद्रों की पहचान, उनकी संवेदनशीलता का आकलन और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अति संवेदनशील बूथों की पहचान

सुरक्षा और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील और अति संवेदनशील बूथों की पहचान और पुलिस बल की तैनाती पर विशेष ध्यान दिया गया। लॉजिस्टिक्स एवं सामग्री जैसे मतपत्र, मतदान सामग्री, डिस्पैच के अलावा मतगणना केंद्रों की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए संबंधित कोषांगों को निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों से अपील की कि वे पूर्ण निष्ठा और टीमवर्क के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। जिससे कि रांची जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सफल निर्वाचन सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन सभी हितधारकों के सहयोग से इस निर्वाचन को पूर्णत: सफल बनाने के लिए कृतसंकल्पित है।

लापता कन्हैया के परिजनों से मिले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, कहा-

झारखंड में बच्चा चोर और अपहरण गिरोह सक्रिय, पुलिस प्रशासन बना है मूक दर्शक

- रांची के एसएसपी को दिया एक हफ्ते का अल्टीमेटम

PHOTON NEWS RANCIH : सिलदीरी गांव से 55 दिनों से लापता मासूम कन्हैया कुमार के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष-सह- सांसद आदित्य साहू ने शनिवार को रांची के शंकर घाट स्थित ग्राम सिलदीरी पहुंचकर पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 22 नवंबर 2025 से लापता कन्हैया का अब तक कोई सुराग नहीं मिलना अत्यंत पीड़ादायक, दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर चिंता का विषय है। इस दौरान उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि झारखंड में बच्चा चोर और अपहरण गिरोह सक्रिय हैं, जबकि पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने दावा किया कि राज्य पहले से ही चाइल्ड ट्रैफिकिंग से प्रभावित है और हालिया मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में 413 बच्चे लापता हुए हैं, जिनका आज तक कोई पता नहीं चला। आदित्य साहू ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए मानवीय संवेदना के तहत खाद्य सामग्री, कंबल सहित अन्य आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई। इसके साथ ही कन्हैया के बड़े भाई के इलाज के लिए भाजपा कार्यकताओं की ओर से एक लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की, ताकि संकट की इस घड़ी में परिवार को कुछ सहारा मिल सके।

झारखंड में निवेश के सहारे भविष्य में पर्यटन में अनंत संभावनाओं के खुलेंगे द्वार

PHOTON NEWS RANCHI : प्रकृति, संस्कृति, आध्यात्म, इतिहास और रोमांच का अनूठा संगम झारखंड को देश-विदेश के पर्यटकों के लिए एक विशिष्ट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड अब पर्यटन के क्षेत्र में निवेश के माध्यम से नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर झारखंड दुनिया को ऐसी यात्रा का आमंत्रण देगा, जो निरंतरता, सहअस्तित्व और आत्मीय अनुभवों पर आधारित है।
पर्यटकों की बन रहा पसंद : 25 वर्ष का युवा झारखण्ड आज देशी-विदेशी पर्यटकों की पसंद बनता जा रहा है। यहां का पर्यटन किसी भव्य प्रदर्शन से नहीं, बल्कि भूमि, लोगों और परंपराओं से गहरे जुड़ाव से परिभाषित होता है। छोटानागपुर पठार की भौगोलिक बनावट, घने जंगल, खुली घाटियां और कल-कल बहती नदियां राज्य को प्राकृतिक रूप से समृद्ध बनाती हैं। हुंडरू, दशम, जोन्हा और लोध जलप्रपात पूर्वी भारत के सबसे आकर्षक पर्यटन स्थलों में गिने जाते हैं। रांची 'झरनों का शहर', नेतरहाट 'पहाड़ों की रानी' और मैक्लुस्कीगंज 'एंग्लो इंडियन का गांव' के रूप में पहचान रखता है। झारखण्ड का पर्यटन आदिवासी विरासत से गहराई से जुड़ा है। यहां के आदिवासी समुदायों की भाषाएं, पर्व-त्योहार, नृत्य, कला और रीति-रिवाज आज भी जीवंत हैं। सरहुल, करम, सोहराय, टुसू जैसे पर्व प्रकृति और समुदाय के रिश्ते को दशार्ते हैं। सोहराय और कोहबर पेंटिंग, पैतकर कला, डोकरा शिल्प और छऊ नृत्य राज्य की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हैं।

सीएम हेमंत के नेतृत्व में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर प्रस्तुत किए जाएंगे प्रस्ताव

साहसिक पर्यटन झारखंड की नई पहचान

इसके साथ ही साहसिक पर्यटन झारखण्ड की नई पहचान बन रहा है। ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, पैराग्लाइडिंग, वॉटरफॉल रैपलिंग और जंगल ट्रैकिंग जैसी गतिविधियां तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। पलामू टाइगर रिजर्व, दलमा हाथी अभयारण्य, उधवा बर्ड सैंक्चुअरी और हजारीबाग वन्य जीव अभयारण्य वाइल्डलाइफ प्रेमियों को आकर्षित कर रहे हैं। इन सभी पहलुओं के समग्र प्रभाव से झारखण्ड निवेश और पर्यटन के क्षेत्र में अनंत अवसरों के साथ एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

शिकायत निस्तारण में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त : उपायुक्त

PHOTON NEWS RANCHI : रांची जिला प्रशासन द्वारा जनता दरबार के बेहतर संचालन और शिकायतों के त्वरित निष्पादन को लेकर गंभीर पहल की जा रही है। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने समाहरणालय में हर सोमवार आयोजित होने वाले जनता दरबार की समीक्षा को लेकर जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता दरबार आम नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। इसमें प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक में विशेष रूप से भूमि से जुड़े मामलों पर फोकस किया गया। उपायुक्त ने कहा कि रांची जिले में भूमि संबंधी विवाद, दाखिल-खारिज, म्यूटेशन, सीएनटी -एसपीटी एक्ट से संबंधित प्रकरण और अन्य भूमि विवाद लंबे समय तक लंबित नहीं रहने चाहिए।

आजसू ने ईयर बैक छात्रों के लिए स्पेशल परीक्षा आयोजित कराने की उठाई आवाज

- छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने डीएसपीएमयू के कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक को सौंपा ज्ञापन

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें सत्र 2022 से 25 के बैक व अनुत्तीर्ण छात्रों के लिए पुनः स्पेशल परीक्षा आयोजित कराने की मांग की। छात्र संघ ने कहा कि यह मांग छात्रों के शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से की गई है। इस अवसर पर आजसू छात्र संघ के विश्वविद्यालय संयोजक रवि रोशन के साथ रोशन नायक, शिवम सिंह, बिट्टू वर्मा, आशीष कुमार, मानस, नितेश शर्मा, राज, योगेश सहित अन्य छात्र प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में बताया कि सत्र 2022-25 के सेमेस्टर 1 से 6 तक जिन छात्रों का किसी विषय में बैक लग गया था, उनके लिए विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में एक स्पेशल परीक्षा आयोजित की गई थी। हालांकि, कुछ छात्र अपरिहार्य कारणों से उस परीक्षा में शामिल नहीं हो सके, जबकि कुछ छात्र परीक्षा देने के बावजूद अनुत्तीर्ण रह गए। ऐसे में अब उन छात्रों के पास आगे पढ़ाई जारी रखने का कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं बचा है। छात्र संघ ने यह भी स्पष्ट किया कि सत्र 2022-25 के बाद विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति लागू हो चुकी है।

NEWS BOX

तमाड़ में झारखंड बंद का असर गिरफ्तारी की मांग तेज

PHOTON NEWS RANCHI : पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में झारखंड बंद को तमाड़ विधानसभा क्षेत्र में व्यापक समर्थन मिला। सम्पूर्ण आदिवासी समाज पांच परगना क्षेत्र (संगठन) और आदिवासी मूलवासी सोतो संगोम के आह्वान पर बुण्डू, तमाड़ और अड़की में बंद का असर दिखा। सुबह से ही संगठन के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर बंद को सफल बनाने में जुटे रहे। डोड़ेया मोड़ तमाड़ और अड़की के सेरेंगहातु चौक पर बंद समर्थकों की सक्रियता दिखी। बंद को लेकर पहले ही सूचना दी जा चुकी थी। संगठन के अध्यक्ष पंचानन सिंह मुंडा सहित कई पदाधिकारी इस दौरान मौजूद रहे। ज्ञात हो कि 7 जनवरी को खूंटी के जमुवादाग में अज्ञात अपराधियों ने सोमा मुंडा की हत्या कर दी थी। मौके पर उपाध्यक्ष सिदाम सिंह मुंडा, जादू सिंह मुंडा, सत्यवती मुंडा, मधुसुधन मुंडा, महेश मुंडा, शिशुपाल मुंडा, मेघनाथ मुंडा, सुमित्रा मुंडा, नीली नाग, भोलानाथ मुंडा, श्यामलाल सिंह मुंडा, गणेश मुंडा, बुधुवा मुंडा समेत अन्य मौजूद थे।

सालगाडीह में एक दिवसीय टुसु मेला हर्षोल्लास के साथ संपन्न

PHOTON NEWS RANCHI : तमाड़ प्रखंड क्षेत्र के सालगाडीह के समीप सिरगिटि में एक दिवसीय विराट टुसु मेला हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। परंपरागत रूप से मनाए जाने वाले इस टुसू मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी रही। मेले के दौरान विभिन्न टुसू चौड़ल टीमों ने आकर्षक नाच-गान की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाली टीमों को मेला समिति और सामाजिक कार्यकताओं ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में समादडीह को प्रथम, तिरुल्पीडी को द्वितीय और कासम बुरुडीह को तृतीय पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक प्रतिनिधि मृत्युंजय महतो ने कहा कि ऐसे मेले से आपसी भाईचारा बढ़ता है और सामाजिक एकता मजबूत होती है। उन्होंने टुसू पर्व को पंचपरगना की सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण पर जोर दिया।

आंगनबाड़ी भवन में पानी नहीं, दो साल से बंद

PHOTON NEWS RANCHI : तमाड़ प्रखंड के पुंडीदीरी गांव में आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-3 के लिए शौचालय सहित बना सरकारी भवन पानी की कमी के कारण लगभग दो वर्षों से उपयोग नहीं हो रहा है। भवन निर्माण पूरा होने के बावजूद पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। जिससे कि केंद्र को फिलहाल एक निजी भवन में संचालित किया जा रहा है। सेविका द्वारा कई बार विभाग से पानी की व्यवस्था कराने का आग्रह किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। विभागीय कर्मियों द्वारा बिना पानी की सुविधा के ही नए भवन में केंद्र संचालन का दबाव बनाया जा रहा है। केंद्र में छोटे-छोटे बच्चे आते हैं, जिनकी देखभाल और स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों ने विभाग से संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र पानी की व्यवस्था कराने की मांग की है।

एक्शन — अधिकारियों संग शहर की व्यवस्था देखने निकले नगर प्रशासक, कहा-

प्राइमरी कलेक्शन वाले कचरे का 100% करना होगा डिस्पोजल

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ने शनिवार को शहर के कई इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान डोर टू डोर कलेक्शन को लेकर सख्त निर्देश दिया। साथ ही कहा कि हर दिन प्राइमरी कलेक्शन वाली कचरे का 100 परसेंट डिस्पोजल किया जाए। जिससे कि कूड़े का अंबार नहीं लगेगा। इसके अलावा उन्होंने नागा बाबा वेजिटेबल मार्केट की भी व्यवस्था देखी। जहां पर नए आटो स्टैंड के बन जाने से ट्रैफिक स्मूथ हुआ है। इसके अलावा उन्होंने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को हर हाल में मुक्त कराने का निर्देश दिया।
रांची नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और जाम-मुक्त बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रहा है। प्रशासक ने सबसे पहले नागा बाबा खटाल और ट्रेकर स्टैंड स्थित मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने नागा बाबा खटाल स्थित एमआरएफ केंद्र में चल रहे ट्रायल रन के दौरान निर्देश दिया कि प्रतिदिन शत-प्रतिशत प्राइमरी वेस्ट का प्रोसेसिंग कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही केंद्रों में कार्यरत कर्मियों की नियमित स्वास्थ्य जांच, परिसर की साफ-सफाई, सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली और वाहनों की सुगम आवाजाही के लिए पाथ-वे निर्माण के निर्देश दिए।

12 एमआरएफ सेंटर बनाने की योजना

गीले कचरे की मात्रा बढ़ाने तथा वार्ड सुपरवाइजरों को एमआरएफ संचालन का विशेष प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया गया। नगर निगम क्षेत्र में कुल 12 एमआरएफ सेंटर बनाए जाने की योजना है, जिनमें से दो केंद्र कार्यशील हो चुके हैं। इन सेंटरों में हाईटेक मशीनों के माध्यम से कचरे का वर्गीकरण किया जाएगा। सूखा कचरा रिसाइक्लिंग एजेंसियों को भेजा जाएगा, जबकि गीला कचरा गेल इंडिया लिमिटेड के गैस प्लांट में बायोगैस या कंपोस्ट के लिए भेजा जाएगा।

निरीक्षण करते नगर निगम प्रशासक सुशांत गौरव व अन्य

ऑटो स्टैंड का निरीक्षण

नागा बाबा वेजिटेबल मार्केट और न्यू मार्केट स्थित ऑटो स्टैंड का निरीक्षण किया। अनियंत्रित ऑटो ठहराव से उत्पन्न जाम की समस्या को देखते हुए निर्धारित ऑटो स्टैंड से यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। निरीक्षण के दौरान ऑटो चालकों से संवाद कर उन्हें निर्धारित स्टैंड, यूनिफॉर्म और नियमों के पालन के निर्देश दिए गए। इसके बाद प्रशासक ने किशोरी यादव चौक से रातु रोड चौक तक क्षेत्रीय निरीक्षण कर अवैध अतिक्रमण, अवैध निर्माण और मालवाहक वाहनों की बेतरतीब पार्किंग पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

तुपुदाना में 108 कुंडीय विश्व शांति महायज्ञ की शुरुआत आज से

RANCHI : राजधानी रांची के तुपुदाना क्षेत्र स्थित रिंग रोड ओवर ब्रिज के समीप मैदान में श्री 1008 मद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान एवं 108 कुंडीय विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ 18 जनवरी रविवार को प्रातः 9 बजे से 1100 कलशों के साथ महिला श्रद्धालुओं की भव्य कलश यात्रा एवं शोभा यात्रा के साथ होगा। यह सात दिवसीय धार्मिक आयोजन 25 जनवरी तक चलेगा, जिसमें श्रद्धालुओं का विशाल जनसमूह उमड़ने की संभावना है। कार्यक्रम के यज्ञ आचार्य शशि भूषण उपाध्याय एवं आयोजक अंकित सिंह ने बताया कि कथा वाचक पूजनीय आरती पाठक (वाराणसी) प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से संध्या 6 बजे तक भागवत कथा का पाठ करेंगी।

BRIEF NEWS

नगरपालिका निर्वाचन की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा

KHUNTI : नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के सफल आयोजन को लेकर शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में सभी गठित कोषांगों के वरीय पदाधिकारी और प्रभारी एवं सहायक प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान नगरपालिका निर्वाचन कोषांग, कार्मिक कोषांग, मतपत्र और मतपेटिका कोषांग, सामग्री कोषांग, परिवहन कोषांग, विधि-व्यवस्था सह आचार संहिता कोषांग, हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, मीडिया कोषांग के सुचारु संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

चुटुपालू घाटी में टकराए ट्रेकर, पिकअप वैन और बस, बाल-बाल बचे यात्री

RAMGARH : रांची-पटना एनएच 33 पर रामगढ़ के चुटूपालू घाटी में शनिवार को एक बड़ी घटना टल गई। रांची से रामगढ़ आ रहे यात्रियों से भरा ट्रेकर (बीआर 14 पी 1499), पिकअप वैन संख्या (जेएच 14 एम 5191) और बस संख्या जेएच 09 बीटी 1686 आपस में टकरा गए। घटना के बाद रांची से रामगढ़ आने वाली मार्ग करीब तीन घंटे तक अवरुद्ध हो गई। हालांकि इस घटना में ट्रेकर और बस में सवार यात्री बाल-बाल बच गए। वही, ट्रेकर में सवार मात्र एक यात्री चितरपुर निवासी 60 वर्षीय बंधु चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें एनएचएआई के एम्बुलेंस से सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। इधर, घटना सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने सड़क से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाया।

बाबा दुखिया मंदिर झारखंड की अनमोल धरोहर : इरफान अंसारी

JAMTARA : झारखंड के जामताड़ा जिले में स्थित बाबा दुखिया मंदिर का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। मंदिर परिसर में हेरिटेज कॉटेज का निर्माण भी कराया जाएगा, जिससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर ठहराव की सुविधा के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद मिल सकेगा। यह बातें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शनिवार को कहीं। डॉ. अंसारी ने बाबा दुखिया मंदिर को राज्य की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए कहा कि यह मंदिर न केवल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि झारखंड की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है कि बाबा दुखिया मंदिर उनके विधानसभा क्षेत्र जामताड़ा में स्थित है और वे विधायक बनने से पहले भी तथा मंत्री बनने के बाद भी नियमित रूप से यहां दर्शन-पूजन करते आ रहे हैं।

पुणे के उद्योगपति को पटना बुलाकर कर दिया मर्डर, चल रहा था फरार

देश के बड़े कारोबारियों को लूटने वाला बदमाश संटू हुआ गिरफ्तार

PHOTON NEWS RAMGARH : महाराष्ट्र के कारोबारी की हत्या और देश के कई बड़े कारोबारियों से करोड़ों की साइबर ठगी करने वाले अपराधी संटू को रामगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। संटू झारखंड का चर्चित साइबर अपराधी है। उसका बड़ा आपराधिक नेटवर्क भी है। वह कारोबारियों का अपहरण कर फिरौती वसूलता था। इलाके में चर्चा है कि संटू की गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि है। रामगढ़ पुलिस ने उसे गोला इलाके से गिरफ्तार किया है। संटू के पास से पुलिस ने 6 मोबाइल, 4 लाख 50 हजार रुपये नकद और एक बाइक जब्त की है। रामगढ़ के एसपी अजय कुमार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि संटू उर्फ. सिंटू उर्फ कुंदन मूल रूप से बिहार के नालंदा जिले के परवलपुर थाना क्षेत्र के मोआ बंगपुर का रहने वाला है।

महाराष्ट्र के एक उद्योगपति की हत्या में संटू का हाथ है। एसपी ने बताया कि संटू गिरोह के सदस्यों ने महाराष्ट्र के पुणे की रतन दीप कास्टिंग कंपनी के मालिक लक्ष्मण शिंदे को पिछले साल 11 अप्रैल को बिजनेस डील करने का लालच देकर पटना बुलाया था। यहां हवाई अड्डे से ही उनका अपहरण कर लिया गया था। लक्ष्मण शिंदे को नालंदा (बिहार) जिले के हिलसा इलाके में रखा गया था। शिंदे के परिवार से 12 लाख रुपये ऑनलाइन मंगाए गए थे। इसके बाद लक्ष्मण शिंदे से उनका एटीएम का पिन कोड मांगा जा रहा था। लेकिन, लक्ष्मण शिंदे ने बदमाशों को एटीएम का पिन कोड नहीं बताया। इसके बाद गिरोह के सदस्यों ने उनकी पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और शव को जहानाबाद जिले के घोसी थाना क्षेत्र में फेंक दिया था। एसपी ने बताया कि लक्ष्मण शिंदे की हत्या के मामले में पुलिस को संटू की तलाश थी। तब से संटू फरार चल रहा था। अब उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

लक्ष्मण शिंदे की हत्या के मामले में पुलिस पहले ही उसके गिरोह के शिवराज सागी उर्फ. रंजीत पटेल, संगीता कुमारी, विकास कुमार, कुंदन कुमार, लाल बिहारी, विपत्र कुमार, सचिन रंजन, सुमित कुमार, संतोष कुमार आदि को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

12 बड़े व्यवसायियों को बना चुका था लूट का शिकार

बैंकों की वेबसाइट हैक कर लेता था संटू

एसपी अजय कुमार ने बताया कि संटू एक शातिर अपराधी है। उसने कई बैंकों की वेबसाइट भी हैक कर ली थी। जब कोई व्यक्ति वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करता था, तो वह कस्टमर केयर बनकर लोगों को फोन करता और साइबर ठगी करता था। वह लोगों के मोबाइल पर एपीके फाइल इंस्टॉल करवा कर मोबाइल का एक्सेस कर लेता था और लोगों के बैंक अकाउंट खाली कर देता था।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान संटू ने कबूला है कि उसने देश के 12 बड़े व्यापारियों को लूटा है। साल 2025 में राजकोट के कौशिक केडिया से 7 लाख रुपये, जितेश कुमार से पांच लाख रुपये, सोमनाथ पटेल से चार लाख रुपये, महाराष्ट्र के महेश भाई से पांच लाख रुपये, गुजरात के शंभाजी से आठ लाख रुपये, रितु कास्टिंग कंपनी के मालिक का अपहरण कर उनसे 10 लाख रुपये, दीपक कुमार कनोडिया से सात लाख रुपये, पुणे के रहने वाले शंभाजी से सात लाख रुपये और कौशिक भाई से 30 लाख रुपये की वसूली की है।

रिटायर्ड इंजीनियर का घर किराए पर लेकर रह रहा था बदमाश

बताया जा रहा है कि पुलिस संटू को तलाश कर रही थी। बचने के लिए वह रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र इलाके में हेरमदगा गांव में छिप गया था। यहां वह रिटायर्ड इंजीनियर कृष्ण कुमार प्रसाद के घर में किराए पर कमरा लेकर रह रहा था और यहीं से साइबर अपराध को अंजाम दे रहा था। उसके ऊपर साइबर ठगी के 12 मामले दर्ज हैं। यही नहीं, संटू ने कई स्क्रैप कारोबारियों को किडनैप कर उनसे फिरौती के तौर पर मोटी रकम वसूली है।

एक करोड़ 60 लाख की ऑनलाइन ठगी

इसके अलावा उसने साइबर अपराध के जरिए एक करोड़ 60 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी की है। साइबर ठगी से वसूली गई रकम से संटू ने एप्पल के तीन मोबाइल के अलावा रॉयल एनफील्ड की बुलेट बाइक खरीदी थी। यही नहीं, उसने अपने जीजा रतन मंडल के नाम से एक स्कॉर्पियो कार भी खरीदा था। पुलिस इन सब सामान को जब्त करने की कार्रवाई करेगी।

झारखंड बंद का खूंटी व चाईबासा में दिखा व्यापक असर

- सोमा मुंडा हत्याकांड में आरोपियों की गिरफ्तारी से संतुष्ट नहीं हैं आदिवासी संगठन, नेताओं ने कहा–पुलिस कर रही खानापूर्ति

PHOTON NEWS KHUNTI/CHAIBASA : खूंटी के पड़हा राजा सोमा मुंडा हत्याकांड को लेकर आदिवासी संगठनों ने शनिवार को झारखंड बंद का आह्वान किया था। इसके तहत राज्य भर में विरोध प्रदर्शन हुए, लेकिन सबसे ज्यादा असर खूंटी व चाईबासा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिला। खूंटी जिले भर में दुकान-बाजार बंद रहे, बसों सहित चारपहिया वाहनों के चक्के थम गए। आंदोलनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इसे लेकर इलाके के स्कूल-कॉलेज, पेट्रोल पंप आदि बंद रहे। खूंटी जिला मुख्यालय के अलावा तोरपा, मारचा, कर्रा, रनिया समेत कई इलाकों में बंद समर्थक सड़कों पर उतरे। विभिन्न स्थानों पर सड़क जाम किए जाने से मुख्य और संपर्क मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई घंटे तक वाहन जहां-तहां फंसे रहे, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

झारखंड बंद को सफल बनाने के उद्देश्य से आदिवासी संगठनों ने शुक्रवार की शाम मशाल जुलूस भी निकाला था। समाचार लिखे जाने तक जिले से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

आदिवासी मुंडा समाज, आदिवासी एकता मंच, आदिवासी स्वशासन एकता मंच और आदिवासी हो महासभा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने कहा कि पुलिस अभी तक मुख्य अपराधी को नहीं पकड़ सकी है, जबकि दिखावे के लिए निर्दोष को गिरफ्तार दिखाया जा रहा है। उनका आरोप है कि अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, लेकिन हत्याकांड के असली शूटर और साजिशकर्ता अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। गौरतलब है कि अबुआ झारखंड पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और आदिवासी नेता सोमा मुंडा की 7 जनवरी की शाम को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आदिवासी संगठनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस मामले की निष्पक्ष जांच के बजाय लीपापोती कर रही है और जनदबाव में आकर निर्दोष लोगों को गिरफ्तार कर अपनी कार्रवाई पूरी दिखाने का प्रयास कर रही है।

धर्मरक्षिणी पौरोहित्य महासंघ ने मनाया स्थापना दिवस

JAMSHEDPUR : धर्मरक्षिणी पौरोहित्य महासंघ ने शनिवार को साकची स्थित वेद अनुशीलन केंद्र में त्रयोदश स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इसमें जमशेदपुर के विभिन्न स्थानों के आचार्य-पुरोहित सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय व विशिष्ट अतिथि जैप-डीएसपी अरुणा मिश्रा के अलावा मिथिला सांस्कृतिक परिषद के सचिव धर्मेश कुमार झा, जदयू नेता मुकुल मिश्रा, समाजसेवी सौरभ विष्णु, डीडी त्रिपाठी, अप्पू तिवारी, विष्णु भगवान पाठक, मुन्ना चौबे, शिशिर कुमार झा आदि भी मंचस्थ रहे।

NEWS BOX

समस्तीपुर के न्यायिक दंडाधिकारी की पत्नी को मारी गोली, रेफर

PHOTON NEWS GODDA : बिहार के समस्तीपुर में पदस्थापित न्यायिक दंडाधिकारी संतोष कुमार साह की पत्नी वंदना साह (35) को गोली मारी गई है। बताया जाता है कि हमलावर कोई और नहीं, न्यायिक दंडाधिकारी का भाई गुड्डू साह व प्रमोद कुमार साह है। दोनों बाइक पर आए और सामने से वंदना साह को गोली मारी। वंदना शनिवार को गोड्डा कोर्ट से गवाही देकर अपने मायके हनवारा थाना क्षेत्र के परसा गांव लौट रही थी। वंदना के साथ उनका भाई बालकृष्ण साह था। वे दोनों भी बाइक पर थे। यह घटना पथरगामा के गांधीग्राम फ्लाईओवर के पास हुई। इसमें एक गोली वंदना की ठुड्डी और दूसरी पीठ में लगी है। घायल वंदना को पहले पथरगामा सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे गोड्डा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। देर शाम एक गोली निकाल ली गई, जबकि दूसरी पीठ में फंसी है। उसे बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भागलपुर रेफर कर दिया गया है। महिला के भाई ने बताया कि उनकी बहन का पति के साथ विवाद चल रहा है। वह इसी मामले में बयान देने कोर्ट गई थी। उनलोगों के साथ दो अन्य अपराधी भी थे। वंदना ने भी फायरिंग का आरोप अपने देवरों पर लगाया है।

गोपाल मैदान में 21 को होगा विराट टुसु मेला का आयोजन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड वासी एकता मंच के मुख्य संयोजक आस्तिक महतो एवं संयोजक– सह– सांसद बिद्युत बरण महतो ने बताया कि 21 जनवरी को बिष्टुपुर स्थित गोपाल (रीगल) मैदान में भव्य टुसु मेला का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को सोनारी स्थित विकास भवन (कारमेल स्कूल के पीछे) में पत्रकारों को बताया कि मेला का मुख्य आकर्षण विशाल टुसु प्रतिमा व चौड़ल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, टुसु व झुमुर गीत व नकद ईनाम होगा। सांसद ने बताया कि यह आयोजन का 21वां वर्ष है, जिसमें कोल्हान सहित रांची, तमाड़, खूंटी आदि जिलों सहित पश्चिम बंगाल व ओडिशा से भी प्रतिभागी आएंगे। गत वर्ष 350 से अधिक टुसु–चौड़ल पहुंचे थे। मेला को लेकर आयोजकों ने पोस्टर जारी किया, जिसमें मंच के सहसंयोजक बबलू महतो, सुखदेव महतो, सचिन महतो, अनन्तो प्रधान, करमु हांसदा, उमानाथ झा, चुनका मार्डी, सत्यनारायण महतो, धनंजय महतो व गोपाल महतो भी शामिल थे।

परसुडीह में गैरेज में लगा दी आग, तीन कारें जलकर राख

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : परसुडीह थाना क्षेत्र के करनडीह रोड स्थित एक गैरेज में शुक्रवार की देर रात कुछ आपराधिक तत्वों ने आग लगा दी। इस घटना में गैरेज में मरम्मत के लिए रखी तीन कारें जलकर राख हो गईं। बताते हैं कि यह गैरेज वैद्यनाथ महतो और मंगल कुजूर चलाते हैं। शुक्रवार की रात दोनों गैरेज में नहीं थे। घटना के वक्त एक स्टाफ गैरेज के अंदर सो रहा था। आग व धुएं से उसकी तबीयत बिगड़ गई है। गैरेज संचालकों का कहना है कि घटना को किसी ने प्लानिंग करके अंजाम दिया है। उनका कहना है कि इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आग लगाने वालों को पकड़ लिया जाएगा और उन्हें जेल भेजा जाएगा। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए उन बदमाशों का पता लगाया जाएगा, जिन्होंने आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवा उद्यमी के अपहरण पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने घेरा एसएसपी ऑफिस

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर के सर्किट हाउस एरिया निवासी युवा उद्यमी कैरव गांधी का 13 जनवरी को अपहरण हो गया था। इस मामले में अब तक कुछ पता नहीं चला है। इस घटना के विरोध में भाजपा ने शनिवार को एसएसपी ऑफिस का घेराव किया। इस मौके पर सांसद बिद्युत बरण महतो और जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने एसएसपी पीयूष पांडेय से मांग की, कि पुलिस कैरव गांधी को अविलंब बरामद करे और उनके अपहरणकताओं को गिरफ्तार कर जेल भेजे। इस दौरान भाजपाइयों ने जमकर नारेबाजी की। भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पोस्टर और पंपलेट लिए हुए थे। इस पर लिखा था कि झारखंड की कानून व्यवस्था लगातार गिरती जा रही है। भाजपा के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि अपहरण की इस घटना से कारोबारियों में दहशत है। पुलिस जल्द मामले का खुलासा करे और कैरव गांधी को बरामद कर उनके परिवार को सौंपे। पूर्णिमा साहू ने कहा कि पिछले साल नवंबर में उनके विधानसभा क्षेत्र के बिरसानगर से गाय चोरी हुई थी। पुलिस अब तक न गाय बरामद कर पाई, ना चोरों को पकड़ पाई। विधायक ने कहा कि सिदगोड़ा से एक बालक अपने घर से रुष्ट होकर भाग गया है। पुलिस अब तक उस बालक का पता नहीं लगा पाई है। पूर्णिमा साहू ने कहा कि पुलिस कानून व्यवस्था संभालने की जगह हेलमेट चेकिंग में लगी है। कोई बाइक सवार बिना हेलमेट के पकड़ा जाए तो पुलिस उस बाइक सवार को हेलमेट दे। उस हेलमेट का पैसा ले। जब भी वह बाइक सवार बिना हेलमेट के पकड़ा जाए।

जेएलकेएम आज रामगढ़ में करेगा रैयत विस्थापित अधिकार महासभा

RAMGARH : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) रविवार को रैयत विस्थापित अधिकार महासभा आयोजित करेगा। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के अरगड्डा स्थित श्रमिक फुटबॉल मैदान में आयोजित महासभा में जेएलकेएम पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह डूमरी विधायक टाइगर जयराम महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। नगर कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय महतो ने बताया कि उनकी पार्टी जनता के हक, अधिकार और सवालों को लेकर संघर्षरत रही है। जेएलकेएम की ओर से आयोजित सभाओं को रैयत विस्थापित अधिकार महासभा, खतियानी अधिकार महासभा और विस्थापित अधिकार महासभा जैसे नाम दिए जाते हैं, क्योंकि ये सीधे तौर पर जनता के वास्तविक मुद्दों से जुड़े होते हैं।

चाईबासा में हाथी के हमले से आक्रोशित ग्रामीणों ने फूंका वन विभाग का पुतला

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो प्रखंड के नीमडीह गांव में हाथियों के हमले से त्रस्त ग्रामीणों ने वन विभाग का पुतला दहन किया। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी कई दिनों से घरों को तोड़ रहा है। जानमाल का खतरा बना हुआ है, लेकिन वन विभाग के लोग नहीं आ रहे हैं। आदिवासी किसान मजदूर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि बहुत दुख होता है, जो सबसे बुद्धिमान और शांत जानवर हाथी आज इतना आक्रामक होता जा रहा है। इसका मूल कारण है कंपनियों के लिए जंगल-पहाड़ को गलत तरीके से खनन करना और अवैध तरीके से पेड़ों को काटना और ये सब वन विभाग की लापरवाही के कारण हो रहा है। आज अगर 22 लोगों की जान गई है, तो वन विभाग ही दोषी है। समय रहते गंभीरता से विभाग काम करता, तो इतने लोगों की जान नहीं जाती। वन विभाग हमेशा से जंगल में बसे आदिवासियों को छोटे-छोटे मामलों में परेशान करता है, लेकिन आज चुप्पी साधे हुए है। यदि पागल हाथी को जल्द नहीं पकड़ा गया, तो जिले में चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा। ओडिशा में मृतक परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा दिया जाता है, जबकि झारखंड सरकार मात्र 4 लाख रुपये देती है। हमारी पार्टी मांग करती है कि मृतक परिवार को 1 करोड़ और घर बनाने के लिए 10 लाख रुपये दिया जाए।

जीवन अनमोल सड़क सुरक्षा की बैठक में डीसी ने कहा- कार्रवाई के डर से नहीं, हिफाजत के लिए करें यातायात नियमों का पालन

दिसंबर में हुई थीं 34 दुर्घटनाएं, बगैर हेलमेट वाले 16 की मौत

PHOTON NEWS JSR : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में शनिवार को यातायात एवं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय, सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से अनुपालन के साथ-साथ हिट एंड रन मामलों में मुआवजा भुगतान एवं अन्य संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

समीक्षा के क्रम में यह बात सामने आई कि पूर्व से चिह्नित ब्लैकस्पॉट में दिसंबर-2025 में कोई सड़क दुर्घटना नहीं हुई, लेकिन गत माह की सड़क दुर्घटनाओं में ज्यादातार मौतें चालकों की लापरवाही से हुईं। दिसंबर में हुई 34 सड़क दुर्घटनाओं में 20 लोगों की मृत्यु हुई, जिनमें 16 लोगों की मौत बाइक चलाने के दौरान हेलमेट का प्रयोग नहीं करने के कारण हुआ। वहीं कुछ मौतों में गलत दिशा में वाहन चलाने, वाहनों की तेज गति तथा ड्रिंक एंड ड्राइव भी कारण बने। उपायुक्त द्वारा सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत चलाए जा रहे जागरूकता अभियान को और व्यापक स्तर पर ले जाने पर बल दिया गया। विशेषकर स्कूल-कॉलेज के बच्चों के बीच जागरूकता लाने तथा ट्रैफिक पुलिस को सघन जांच के निर्देश दिए। एमवीआई को ग्रामीण क्षेत्र के थाना क्षेत्रों में भी निरंतर यातायात नियमों के अनुपालन के लिए वाहन जांच अभियान चलाए जाने का निर्देश दिया गया। उत्पाद विभाग के पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि अनुज्ञप्ति प्रदत्त शराब दुकानों के आसपास होटल-ढाबों, सार्वजनिक स्थलों एवं गैरलाइसेंसी स्थलों में शराब का सेवन और बिक्री नहीं हो, इस पर निरंतर निगरानी बनाए रखेंगे। उपायुक्त द्वारा हिट एंड रन के लंबित मामलों में इंश्योरेंस कंपनी के पास लंबित मामलों की पुनर्समीक्षा कर प्रभावित परिवारों को मुआवजा भुगतान में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

351 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड, 23 लाख रुपये वसूला गया जुर्माना

दिसंबर में सड़क सुरक्षा नियमों की अवहेलना पर 351 वाहन चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किया गया। वाहन जांच अभियान में हेलमेट, सीटबेल्ट का प्रयोग नहीं करने तथा यातायात नियमों के उल्लंघन से संबंधित अन्य मामलों में 23 लाख 81 हजार 500 रुपये जुर्माना वसूला गया। 2689 नए ड्राइविंग लाइसेंस बनाए गए, जिनमें 2264 पुरुष एवं 425 महिलाएं शामिल हैं।

ये भी रहे उपस्थित

बैठक में एसडीएम धालभूम अर्नव मिश्रा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर राहुलजी आनंदजी, एडीसी संतोष गर्ग, डीटीओ धनंजय, एसडीओ घाटशिला सुनील चंद्र, डीएसपी ट्रैफिक नीरज, डीएसपी हेडक्वार्टर भोला प्रसाद व अन्य डीएसपी, एमवीआई सूरज हेंब्रम समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी और ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधि शामिल थे।

डीएम लाइब्रेरी के लिए पुस्तक दान अभियान की हुई शुरुआत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले में पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देने एवं नवनिर्मित डीएम लाइब्रेरी को समृद्ध बनाने के लिए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने शनिवार को पुस्तक दान अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर उपायुक्त एवं उपनगर आयुक्त, जेएनएसी ने कुल 25 पुस्तकें दान कीं। उपायुक्त ने कहा कि पुस्तकें केवल ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि समाज के बौद्धिक विकास की आधारशिला होती हैं। डीएम लाइब्रेरी को ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए नागरिकों की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। पुस्तक दान अभियान के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है कि सभी पुस्तक दाताओं के नाम डीएम लाइब्रेरी परिसर में स्थापित सम्मान पट्टिका पर अंकित किए जाएंगे। विशेष दाताओं के सम्मान में पुस्तकालय के चयनित कक्षों एवं पुस्तकों की अलमारियों का नामकरण भी किया जाएगा। दस या उससे अधिक पुस्तकें दान करने वाले व्यक्ति को एक वर्ष की निःशुल्क लाइब्रेरी सदस्यता, जबकि सौ या उससे अधिक पुस्तकें दान करने वाले व्यक्तियों को आजीवन निःशुल्क लाइब्रेरी सदस्यता प्रदान की जाएगी।

हिंदू समाज की संगठित शक्ति से होगी अखंडता की रक्षा : दत्तात्रेय होसबाले

DARBHANGA : बिहार में दरभंगा जिले के तारडीह प्रखंड अंतर्गत लगमा गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एकदिवसीय विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक समरसता और हिंदू समाज की एकता पर विशेष जोर दिया। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब-जब हिंदू समाज में विभाजन की दरार उत्पन्न हुई है, तब-तब विदेशी आक्रांताओं ने देश पर शासन किया है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की एकता ही भारत को सशक्त बनाती रही है और यही देश की सबसे बड़ी ताकत रही है। जब समाज संगठित रहा, तब राष्ट्र ने उन्नति की और जब समाज में बंटवारा हुआ, तब देश को बाहरी आक्रमणों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की संगठित शक्ति ही भारत की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा कर सकती है। वर्तमान समय में समाज के प्रत्येक वर्ग को एकजुट होकर सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने की आवश्यकता है। दत्तात्रेय होसबाले ने युवाओं से विशेष रूप से आह्वान किया कि वे अपने धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति सजग एवं जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनकी सक्रिय, सकारात्मक सहभागिता से ही देश को नई दिशा मिल सकती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा का उल्लेख करते हुए सरकार्यवाह ने कहा कि ह्वसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की भावना भारतीय संस्कृति की आत्मा रही है, जिसमें पूरे विश्व को एक परिवार माना गया है। इसी सोच के कारण भारत ने कभी आक्रमणकारी बनने का मार्ग नहीं अपनाया, बल्कि सदैव ज्ञान, संस्कृति, शांति और मानवता का संदेश विश्व को दिया है। सम्मेलन में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। आसपास के क्षेत्रों से भी लोगों की भारी भीड़ सम्मेलन में पहुंची। कार्यक्रम के पश्चात दत्तात्रेय होसबाले ने दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) में आयोजित आरएसएस शताब्दी वर्ष संगोष्ठी को भी संबोधित किया। इससे पूर्व लगमा गांव स्थित जेएनवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय परिसर में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में दत्तात्रेय होसबाले का मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग पहनाकर स्वागत किया गया। मंच पर अन्य विशिष्ट विद्वानों के साथ लगमा संस्थान के बाबा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, अन्य प्राध्यापक एवं अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

■ इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब-जब हिंदू समाज में विभाजन की दरार उत्पन्न हुई तब-तब विदेशी आक्रांताओं ने देश पर किया शासन

संबोधित करते दत्तात्रेय होसबाले

समृद्धि यात्रा के क्रम में पूर्वी चंपारण पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

सीएम ने 172 करोड़ की योजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

AGENCY EAST CHAMPARAN : समृद्धि यात्रा के दूसरे दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को मोतिहारी पहुंचेइस दौरान उन्होंने पूर्वी चम्पारण जिले में विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया और अधिकारियों से प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली और कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया इसके साथ ही उन्होंने 138 करोड़ की लागत की 30 योजनाओ का उद्घाटन व 34 करोड़ की लागत की कुल 40 योजनाओ का शिलान्यास किया।

समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने मोतिहारी के महिला राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने टाटा टेक के सहयोग से चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया और छात्राओं से जानकारी ली। छात्राओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि हमलोगों को इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम से काफी फायदा हो रहा है तथा बहुत कुछ सीखने का मौका मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर पूर्वी चम्पारण जिले के लिए सभी योजनाओं का उद्घाटन किया इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने परिसर में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के क्रम में लघु उद्यमी योजना से लाभुक उद्यमियों के उत्पादों को देखा और उनकी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से बातचीत करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 27 हजार 429 जीविका स्वयं सहायता समूहों को विभिन्न बैंक लिंकेज के माध्यम से आर्थिक सहायता हेतु 370 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों से कहा कि आप लोग बेहतर करें इसके बाद मुख्यमंत्री ने शहर से सटे मजुराहाँ में धनौती नदी पर निर्माणाधीन उच्चस्तरीय आरसीसी पुल सह पहुंच पथ का जायजा लिया। जायजा के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे जल्द पूर्ण करें, इससे लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने पूर्वी चम्पारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड स्थित निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर के प्रगति कार्य का जायजा लिया तथा सहस्त्रलिंगम पूजन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मंदिर परिसर का भ्रमण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, युवा, रोजगार एवं कौशल विभाग के सचिव कौशल किशोर, बिहार राज्य पथ विकास निगम के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह, पूर्वी चम्पारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

योजना का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

जहानाबाद की पीड़िता के परिजनों के साथ एसएसपी से मिले पीके

AGENCY PATNA : जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर (पीके) शनिवार को पटना एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उनके साथ पटना के एक गर्ल्स हॉस्टल में रहकर मेडिकल एग्जाम की तैयारी कर रही जहानाबाद की छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में पीड़िता के परिजन मौजूद थे। इस मुलाकात का उद्देश्य प्रदर्शन के बाद जिन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है, उनके साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने और कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक कार्रवाई से बचाने की अपील करना था। इस दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि जैसा कि शुक्रवार को हम पीड़ित परिवार से उनके घर (जहानाबाद) में मिले थे, उसके बाद सरकार ने मामले में संज्ञान लेते हुए एसआईटी का गठन किया है। अब हम लोगों को

अपेक्षा है कि एसआईटी मामले की जांच करे और जिनके साथ अन्याय हुआ है उनको न्याय मिले। आज एसएसपी से मिलने की दो वजहें रही हैं। पहला, परिवार का मानना है कि जो आईओ (इंवेस्टिगेशन ऑफिसर) जो मामले की जांच कर रहे थे, उस महिला पदाधिकारी के प्रति पीड़ित परिवार का आक्रोश है, ऐसे में वे चाहते हैं कि उनपर विभागीय कार्रवाई हो। दूसरा, इस घटना के विरोध में बीते दिनों कारगिल चौक पर पीड़िता के परिजनों और युवाओं ने धरना-प्रदर्शन किया था, जिनपर एफआईआर हो गया है।

मधेपुरा में डंपर व कार के बीच हुई भीषण टक्कर में चार युवकों की गई जान

AGENCY MADHEPURA : बिहार के मधेपुरा जिले से शनिवार सुबह मधेपुरा-वीरपुर नेशनल हाईवे (एन एच 106) पर एक तेज रफ्तार हाइवा और कार के बीच हुई भीषण टक्कर में कार सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिजली कार्यालय (पावर ग्रिड) और बीएन मंडल यूनिवर्सिटी के समीप घटित हुआ। जानकारी के अनुसार, शनिवार तड़के कोहरे और अंधेरे के दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित हाइवा ने कार को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और हाइवा के नीचे जा घुसा। कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चारों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने

बताया कि टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग दहल गए। सुबह-सुबह घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत सदर थाना पुलिस और एंबुलेंस को जानकारी दी गई। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक सभी की पहचान हो गई है। एक मृतक सोनू कुमार पिता अशोक साह गुलजारबाग वार्ड-20 मधेपुरा और दूसरा साहिल राज पिता सुबोध कुमार साह वार्ड-13 मस्जिद चौक मधेपुरा का निवासी था। तीसरा उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र निवासी साजन कुमार और चौथे मृतक की पहचान भराही थाना क्षेत्र निवासी रुपेश कुमार के रूप में हुई है। चारों दोस्त थे।

BRIEF NEWS

ट्रक से 43 गाय-बछड़े बरामद, मवेशी तस्कर की तलाश जारी

KATIHAR : कटिहार जिला के मुफस्सिल थानाध्यक्ष को 16 जनवरी की गुप्त सूचना मिली थी कि भोरीबाड़ी मार्ग होते हुए बंगाल की ओर एक ट्रक में अवैध रूप से मवेशियों को लादकर ले जाया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष ने अपने पुलिस बल के साथ भोरीबाड़ी फोल्ड के समीप पहुँचकर घेराबंदी की। मुफस्सिल थानाध्यक्ष ने बताया कि ट्रक की विधिवत तलाशी ली गई, जिसमें ट्रक से कुल 43 (तैंतालीस) गाय-बछड़ा बरामद किए गए। इस मामले में मुफस्सिल थाना में कांड दर्ज कर अग्रतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अवैध मवेशी परिवहन में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। इस कार्रवाई से अवैध मवेशी परिवहन पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

नालंदा जिले में फार्मर रजिस्ट्री के लिए डीएम ने बढ़ाया समय

NALANDA : नालंदा जिले में एग्री स्टैक परियोजना अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री के पुनः द्वितीय चरण को मिशन मोड में कैंप के माध्यम से तिथि बढ़ा कर 17 जनवरी से 21 तक किया गया है। इसके लिए जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को निर्देशित किया है कि जिले भर में प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से कैम्प आयोजित कर कार्यों में प्रगति लायी जाए। विदित हो कि एग्री स्टैक परियोजना अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री का कार्य जिलेभर में कैम्प मोड में किया जा रहा है। प्रथम चरण का कैम्प 6 जनवरी से 11 जनवरी तक आयोजित किया गया था, जिसमें बहुत सा किसानों की फार्मर आई डी नहीं बन सका जिसके लिए पुनः द्वितीय चरण में तिथी बढ़ा कर निशन मोड में कैम्प के माध्यम से फार्मर आई डी बनाये जाने का आदेश जारी किया गया है।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत में तेज हुई जांच

PATNA : राजधानी पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी जांच तेज कर दी है। घटना को लेकर पटना पुलिस और सरकार पर उठ रहे सवालों के बीच पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने एसआईटी का गठन किया है, जिसकी कमान पटना के आईजी जितेंद्र राणा ने खुद संभाल ली है। गठित एसआईटी में सिटी एसपी (पूर्व) परिचय कुमार के साथ एक महिला डीएसपी, एक महिला इंस्पेक्टर, एक पुरुष इंस्पेक्टर, एक सब-इंस्पेक्टर, एक एएसआई और कांस्टेबल शामिल हैं। एसआईटी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पटना आईजी पूरे अनुसंधान पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही या साक्ष्यों से छेड़छाड़ की गुंजाइश न रहे। शनिवार की सुबह आईजी जितेंद्र राणा खुद शंभू हॉस्टल पहुंचे और घटनास्थल की बारीकी से जांच की।

NEWS BOX

139 लीटर विदेशी शराब बरामद

AGENCY KATIHAR : कोढ़ा थाना पुलिस ने गेड़ाबाड़ी पेट्रोल पंप के पास एक जर्जर मकान से 139.2 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि 16 जनवरी की रात्रि में गुप्त सूचना मिली थी कि गेड़ाबाड़ी पेट्रोल पंप के समीप स्थित एक जर्जर मकान में विदेशी शराब छुपाकर रखी गई है। इस सूचना के आधार पर कोढ़ा थानाध्यक्ष ने अपने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचकर गेड़ाबाड़ी पेट्रोल पंप के समीप छापेमारी की। छापेमारी के क्रम में उक्त जर्जर मकान से कुल 139.2 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई, जिसमें विभिन्न ब्रांड की शराब शामिल है। इस मामले में अग्रतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है और शराब तस्करों की पहचान के लिए जांच जारी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे अपराधों में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए जिला पुलिस कटिबद्ध है। इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया है और पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान जिले में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए चलाया जा रहा है।

संस्कृत सामान्य ज्ञान मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा संपन्न

AGENCY BHAGALPUR : भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार के तत्वावधान में संचालित आनन्दराम ढांढनियां सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर के केंद्र पर प्रांत द्वारा आयोजित संस्कृत सामान्य ज्ञान मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता परीक्षा में भागलपुर विभाग के कुल बारह विद्यालयों से लगभग 400 भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। भागलपुर विभाग के जिला निरीक्षक सह प्रांतीय पर्यवेक्षक सतीश कुमार सिंह ने परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होकर परीक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता परीक्षाएं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, जिनके माध्यम से वे अपने ज्ञान, बौद्धिक क्षमता एवं संस्कृत भाषा के प्रति रुचि का प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परीक्षाएँ विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं तथा उनमें आत्मविश्वास का विकास करती हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमंत कुमार ने कहा कि संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक है।

नालंदा डीएम ने ई-कार्य प्रगति का किया औचक निरीक्षण

AGENCY NALANDA : नालंदा जिलांतर्गत किसान भवन में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री शिविर में किसान आई डी बनाने की कार्य को लेकर शनिवार को जिला पदाधिकारी द्वारा भ्रमण कार्यक्रम के दौरान रहुई प्रखंड अंतर्गत ई - कार्य प्रगति का औचक निरीक्षण किया गया। विदित हो कि नालंदा जिला अंतर्गत किसानों की सुविधा हेतु किसान रजिस्ट्री शिविर जिले के सभी 231 पंचायतों में एक साथ संचालित किया गया है। इस संबंध में जिला पदाधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक किसानों का किसान रजिस्ट्रीकरण सुनिश्चित करना है ताकि उन्हें राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ सुलभ रूप से प्राप्त हो सके। किसान रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों का अद्यतन एवं प्रमाणिक डाटा संकलित किया जाएगा जो भविष्य में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक होगा। उक्त शिविर को सफल बनाने के लिए नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में किसान रजिस्ट्री शिविर का आयोजन किया गया है।

भागलपुर में हथियार और स्मैक के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

AGENCY BHAGALPUR : जिले के सुल्तानगंज थाना अंतर्गत एक अपराधकर्मी को 01 देशी कट्टा, 05 जिंदा कारतूस, 02 मोबाइल एवं 14 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी सिटी एसपी शैलेंद्र कुमार सिंह ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान दी। उल्लेखनीय है कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अवैध शराब, आर्म्स, मादक पदार्थ आदि की बरामदगी के लिए सघन गश्ती एवं चोरी/छिनतई के हॉट-स्पॉट पर छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ की सुल्तानगंज थाना कांड सं 23/2026 के वादी के हत्या की फिराक में एक अपराधकर्मी मृत्युंजय यादव अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी विधि-व्यवस्था के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

समस्याओं का होगा त्वरित निवारण, सोम व शुक्र को सुनीं जाएंगी आम लोगों की शिकायतें

AGENCY KATIHAR : बिहार सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़, संवेदनशील एवं जवाबदेह बनाने के संबंध में सात निश्चय-3 के तहत रसबका सम्मान-जीवन आसानर कार्यक्रम शुरू किया है। जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने शनिवार को बताया कि जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में सोमवार और शुक्रवार को आम लोग अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। संबंधित पदाधिकारी इन दिनों में अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर लोगों की शिकायतों सुनेंगे और उनका त्वरित निराकरण करेंगे। यदि कोई पदाधिकारी इन दिनों में उपस्थित नहीं रहते हैं, तो उनके स्थान पर उनके द्वारा अधिकृत पदाधिकारी लोगों से मिलने के कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला स्तर पर 12 बजे से दो बजे तक तथा अंचल स्तर पर 10:30 बजे से 01:00 बजे तक जनता दरबार आयोजित किया जायेगा।

बड़ी पहल

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत किया गया फैसला

नालंदा जिला में दो हजार छतों पर सोलर संयंत्र लगाने का लक्ष्य

AGECY NALANDA : जिला मुख्यालय स्थित हरदेव भवन सभागार में शनिवार को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में नालंदा जिला द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों का प्रमुखता से उल्लेख किया गया जिसमें विद्युत अधीक्षण अभियंता बताया गया कि जागरूक उपभोक्ताओं एवं कर्मठ संवेदकों के परिश्रम के फलस्वरूप ही नालंदा पूरे बिहार में दूसरा स्थान हासिल किया है। मौके पर जिला पदाधिकारी के द्वारा तीस ऐसे उपभोक्ताओं को पुरस्कृत किया गया जिनके द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर संयंत्र स्थापित कर खपत की जाने वाली ऊर्जा राशि शून्य कर ली गई है। पुरस्कृत उपभोक्ताओं में काशी तकिया निवासी संदीप कुमार, किशन बाग निवासी अनीता देवी, सकुनत कला निवासी अनील कुमार, बड़ी खासगंज निवासी मो० अमियाज जाफरी, कल्याण बिघा निवासी सोनी कुमारी एवं चण्डी निवासी शम्भुलाल विश्वकर्मा इत्यादि प्रमुख रहे। उपभोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र के साथ पुरस्कार प्रदान किये गये। साथ ही जिले में बेहतर कार्य करने वाले पाँच चयनित

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से संबंद्ध संवेदकों को भी पारितोषिक के साथ गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया इस मौके पर नगर आयुक्त बिहारशरीफ, उप विकास आयुक्त नालंदा एवं मुख्य अभियंता (परियोजना), विद्युत भवन, पटना द्वारा बताया गया कि योजना के विस्तृत स्वरूप की जानकारी सभी उपभोक्ताओं को दी गई है। इस संबंध में डीएम ने बताया कि शहरी व ग्रामीण परिवेश में सौर ऊर्जा आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही सूर्य ऊर्जा का अनंत स्रोत है एवं यह स्रोत प्रदूषण रोकने एवं पर्यावरण के उत्थान के लिये सहायक है।

37.39 करोड़ से आधुनिक भवन का किया जाएगा निर्माण : सम्राट चौधरी

PATNA : बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पटना जिलान्तर्गत पुलिस ऑफिसर्स मेस (आईपीएस मेस) के नए भवन के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा आईपीएस मेस का भवन (बी+जी+4 निर्माण) संरचना में निर्मित किया जाएगा, जिसमें फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं शामिल होंगी। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत सैंतीस करोड़ उनचालीस लाख तिरसठ हजार चार सौ रुपये हैं। उन्होंने कहा-बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के लिए आधुनिक, सुरक्षित और सुविधायुक्त आधारभूत संरचना विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पर्याप्त संसाधन जुटाने की अति चाहत

हर कोई अपने लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना चाहता है, ताकि हर स्थिति का मुकाबला किया जा सके और इस बात की दौड़ लगी रहती है कि थोड़ा और हो जाता तो अच्छा होता, पर पर्याप्त की मरीचिका आगे-आगे भागती है और हम पीछा ही करते रहते हैं। आम आदमी की जिंदगी में अक्सर ऐसी परिस्थिति आती रहती है, जब सामने कोई नए मॉडल का फोन या कार, शर्ट या बैग या फिर कुछ भी नया लिए सजा-धजा दिखता है। इसे देख हमें भी लगता है कि वह सब मेरे पास भी हो । एक बार मेरे सामने भी एक युवा एक नए मॉडल के फोन के साथ फोटो खींच रहा था। मेरे मन में भी हिलोर उठी और मुझे लगा कि मेरे पास भी यह फोन होना चाहिए । फिर मैंने अपनी इच्छा पर किसी तरह काबू पाया। मेरे पास दो साल बाद भी आज अपना पहले वाला ही फोन है और वह ठीक काम कर रहा है और मैं खुश भी हूं । अब एक दूसरी घटना लीजिए।पिछले साल मैंने एक आईपैड खरीदा। सोचा था इससे लिखने-पढ़ने का काम और अच्छी तरह और सुविधापूर्वक कर सकूंगा, पर आईपैड के आने के बाद मेरे काम धाम में कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। ज्यादातर समय वह आईपैड पड़ा ही रहा और मैं अपने पुराने लैपटॉप से ही काम करता रहा। आईपैड को दो एक बार पोंछ-पाछ कर चार्ज जरूर किया था। ये महंगा था और अपने खर्चों में किसी तरह कतर-ब्योंत कर ही इसे खरीद पाया था। दरअसल नया फोन, नया सोफा, नया जूता या फिर कोई भी नई चीज लेने के बाद हफ्ते भर बीतते न बीतते वह चीज साधारण, बासी और पुरानी लगने लगती है, तब फिर हम उसे अपने उपयोग में नहीं लाते। ऐसा होने के बाद उसके लिए हमारी इच्छा की तीव्रता भी कम होने लगती है, वह ढलने लगती है । साथ ही बहुतेरी इच्छाओं के बीच से चुनने का अतिभार जैसा भी होने लगता है। हमारे सामने सवाल है कि इसे कैसे कम किया जाय या किफायती कैसे बना जाए। हमारे मस्तिष्क की पुरस्कार प्रणाली को अधिक जीवंत और संतोषप्रद कैसे बनाया जाए। थोड़ा और की प्रवृत्ति बताती है कि हमारा मस्तिष्क नए-नए संसाधनों को इकट्ठा करने में जुटा रहता है। आदिम मनुष्य के जीवन में भोजन इकट्ठा करने और दीर्घ जीवन के लिए यह युक्ति कारगर थी। आज के दौर में पुरस्कार की जगह बदलाव और अप्रत्याशित फायदे हमें अधिक आकर्षित करते हैं। इस व्यवस्था ने हमारे पूर्वजों को इस बात के लिए प्रेरित किया था कि वे बस थोड़ा सा और पाने की जुगत में ही उलझे रहें । तब यह निश्चित ही उपयोगी था क्योंकि इससे वे अस्पष्ट और अनिश्चय की स्थिति में भी जीवन यापन कर सके थे। सुरक्षा की दृष्टि से यह जरूरी था। आज की बात कुछ और है। हमारी दुनिया बहुत बदल चुकी है। अब वैसी असुरक्षा और अनिश्चय की स्थिति नहीं रही। थोड़ा और अर्जित करने के अवसर अब हम पुराने माडल को अपग्रेड करने और अन्य चीजों के विकल्पों में बदल चुके हैं। इस बदली परिस्थिति में हम लोग जो कुछ हमारे पास पहले से है उससे जो ज्यादा है या बढ़-चढ़ कर है उसे चाहने लगते हैं। यह नियति का खेल है कि एक समय जिस बात ने जीवन को खुशहाल बनाया था, वह अब बेकार की फिजूलखर्ची और भयानक असंतोष के दुष्चक्र को जन्म दे रही है। यह तरीका उस दौर के लिए था जब परिवेश में असुरक्षा थी और उपलब्ध साधन सीमित थे। आज के अतिशय और अतिरेक के दौर के लिए वह मौजू नहीं रहा। आज सामाजिक मीडिया का भी तेजी से उभार है। हम सब लगातार किसी को अपने से अलग कुछ और करते या खरीदते देखते हैं। इस तरह का अनुभव करते हुए हम खुद को बड़ा मजबूर महसूस करने लगते हैं। हमारे लिए पर्याप्त का आशय उस चीज को पाने से होता है, जो हमारे पास मौजूद चीज से बाहर होता है। ऐसे में कुछ और या थोड़ा और कभी प्राप्त ही नहीं हो सकता । इच्छाओं के अनुकूलन की प्रवृत्ति के चलते आदमी जल्दी ही एक स्थिर खुशी के स्तर पर वापस लौट आता है। थोड़ा और कभी भी पर्याप्त इसलिए नहीं लगता कि हम इच्छाओं के अनुकूलन के शिकार होते रहते हैं। यानी हमारी प्रवृत्ति है कि हम बहुत जल्द एक अपेक्षाकृत स्थायी सुख के सामान्य स्तर पर आ टिकते हैं। जीवन में बड़ी सकारात्मक या ऋणात्मक घटना के बाद जैसे लाटरी या अशक्तता का खुशी या दुख पर सिर्फ क्षणिक प्रभाव होता है। हम फिर वापस अपने सामान्य स्तर पर वापस आ जाते हैं। यह अनुकूलन हमारी प्रतिरोध क्षमता को तो सुदृढ़ करता है पर नई उपलब्धि के रोमांच का आकर्षण तेजी से घटने लगता है। प्रत्याशा बढ़ी तो यह ऊंचा होता है और धीरे-धीरे सामान्य अवस्था पर लौट आता है। हमारा ध्यान नई खरीद की ओर आकर्षित होने लगता है और अधूरी इच्छाओं को पूरा करने का क्रम चल पड़ता है। फिर एक नया चक्र शुरू हो जाता है। आज की उपभोक्ता संस्कृति में अपग्रेड, नए विकल्प, और अनुकूलन से उपजा असंतोष लगातार बना रहता है। मजेदार बात यह है कि अगली चीज का अनुभव होने पर या अपग्रेड करने के लिए निवेश करने का लाभ लगातार घटता जाता है। आदमी सोचता है कि अगर फलां चीज होती तो खुशी मिलती । नई खरीद से उत्तेजना होती है पर वह जल्दी ही मुरझाने लगती है। अपग्रेड करते ही आपको लगता है कि नया संस्करण या नया मॉडल चाहिए। ऐसा लगने में ज्यादा देर नहीं लगती। वस्तुओं की खरीदी सूची कुछ और है जो संतोष के लिए जरूरी चीजों की सूची कुछ और। संतोष देने की जगह नई खरीदारी अगली चीज के चाहने पर जोर देती है।

पानी के मोर्चे पर होनी है सरकारों की कठिन परीक्षा

ANALYSIS

मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली को प्रकृति ने तीन अनमोल तोहफे दिए, जिससे दिल्ली बार-बार राजधानी बनती रही। उसमें यमुना नदी और दिल्ली के असंख्य तालाब, नहर और बावड़ी इत्यादि को तो विकास के विनाशकारी मॉडल ने बर्बाद कर दिया। अगर भविष्य में भी अरावली पर्वतमाला न बच पाई को दिल्ली में प्रदूषण और जल संकट ही नहीं दिल्ली को उजड़ने से कोई रोक नहीं पाएगा। मौजूदा केंद्र और दिल्ली की सरकार यमुना बचाने का संकल्प दोहराती रही है। इस दिशा में प्रयास तो दिख रहे हैं, सभी को नतीजों का इंतजार है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद अनुपम मिश्र ने अपनी चर्चित पुस्तक-आज भी खरे हैं तालाब, के संदर्भ ग्रंथों के हवाले से बताया है कि दिल्ली के 1930 के दुर्लभ नक्शे में उस समय तालाब और कुओं की गिनती करीब 350 की संख्या छूती थी। उससे भी पहले यह संख्या हजार में थी। आज दिल्ली में गिनती के तालाब बचे हैं। दिल्ली में राज करने वाली सरकारें पुराने तालाबों, झीलों, बावड़ियों और नहरों इत्यादि को पुनर्जीवित करने का दिखावा सा करती है। यह इसलिए भी आसान नहीं लगता, क्योंकि ज्यादातर तालाब, झील आदि पर अवैध कालोनियां बस चुकी हैं।

विकास के नाम देश की राजधानी के विनाश के एक प्रयास पर उच्चतम न्यायालय ने अपने ही फैसले को पलटकर रोक लगा दी। इस फैसले से अब दिल्ली को कुछ हरा-भरा रखने में अपनी भूमिका निभाने वाली अरावली पर्वतमाला के खनन पर पूरी तरह से रोक लगी रहेगी। दिल्ली के पास अपना कुछ भी नहीं है। पहाड़ों पर ठंड बढ़ती है तो दिल्ली ठिठुरने लगती है और राजस्थान के रेगिस्तान तपते हैं तो दिल्ली तपती है। दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) की आबादी भी अपनी नहीं है। देशभर से लोग रोजगार और कारोबार आदि के लिए दिल्ली आकर बसते रहे हैं। दिल्ली को प्रकृति ने तीन अनमोल तोहफे दिए, जिससे दिल्ली बार-बार राजधानी बनती रही। उसमें यमुना नदी और दिल्ली के असंख्य तालाब, नहर और बावड़ी इत्यादि को तो विकास के विनाशकारी मॉडल ने बर्बाद कर दिया। अगर भविष्य में भी अरावली पर्वतमाला न बच पाई को दिल्ली में प्रदूषण और जल संकट ही नहीं दिल्ली को उजड़ने से कोई रोक नहीं पाएगा। मौजूदा केंद्र और दिल्ली की सरकार यमुना बचाने का संकल्प दोहराती रही है। इस दिशा में प्रयास तो दिख रहे हैं, सभी को नतीजों का इंतजार है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद अनुपम मिश्र ने अपनी चर्चित पुस्तक-आज भी खरे हैं तालाब, के संदर्भ ग्रंथों के हवाले से बताया है कि दिल्ली के 1930 के दुर्लभ नक्शे में उस समय तालाब और कुओं की गिनती करीब 350 की संख्या छूती थी। उससे भी पहले यह संख्या हजार में थी। आज दिल्ली में गिनती के तालाब बचे हैं। दिल्ली में राज करने वाली सरकारें पुराने तालाबों, झीलों, बावड़ियों और नहरों इत्यादि

को पुनर्जीवित करने का दिखावा सा करती है। यह इसलिए भी आसान नहीं लगता, क्योंकि ज्यादातर तालाब, झील आदि पर अवैध कालोनियां बस चुकी हैं। यह सार्वजनिक तथ्य है कि दिल्ली महानगर अपनी जरूरत का केवल 15 फीसद पानी अपने स्रोत से नहीं जुटा पाता। पानी के लिए पूरी तरह से गंगा और यमुना नदी पर दिल्ली निर्भर है। दिल्ली में 1993 में विधानसभा बनने के बाद बनी पहली भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना ने अनशन करके यमुना के पानी में राज्यों की तरह हिस्सा लिया था। गंगा नदी से तय पानी आ ही रहा है। यमुना जल समझौता होने के समय दिल्ली में पानी की मांग छह सौ एमजीडी (मिलियन गैलन रोजाना) थी। आज यह मांग करीब 1300 एमजीडी है। पानी की उपलब्धता करीब 800 एमजीडी है। यह भी तब जब काफी इलाकों में पानी की लाइन नहीं है और लोग टैंकरो से बड़ी कठिनाई से पानी ले पाते हैं। यमुना साफ करके दिल्ली का अपना जलाशय बनाना तो सपना है। यमुना को साफ करने के शुरूआती प्रयास में बड़े नालों को साफ करना और इंटरसेप्टर प्लान से जोड़ने का प्रयास हुआ। अब दिल्ली में खेती की जमीन केवल बाहरी दिल्ली यानी हरियाणा के सीमा से लगे गांवों में है। उन इलाकों में भी तेजी से अतिक्रमण हो रहा है। कांग्रेस सरकार में 56 किलोमीटर नजफगढ़ नाले को ढांसा से ककरौला तक तीस किलोमीटर ज्यादा गहरा करके उसमें बरसाती पानी इकट्ठा करने का प्रयास किया गया। यह नाला ढांसा से शुरू होकर वजीराबाद में यमुना में गिरता है। शुरूआती प्रयास से ढांसा के आसपास के आठ किलोमीटर इलाके में धान की फसल अच्छी हुई। इससे जुड़ने वाली तीन नहरें- पालम, मूंगेशपुर और छुटानी-भूपानी में पानी छोड़ने से 60 से70 गांवों को पानी दिया दया। अगर इसकी 10 फीट गहरी खुदाई हो जाए तो पूरे नजफगढ़ इलाके के सारे गांवों को पानी मिलने लगेगा। दिल्ली में सिंचाई के लिए शेरशाह सूरी ने अपने समय में पश्चिमी यमुना नहर बनवाई थी। उसी ने कृषि में राजस्व प्रणाली की शुरूआत की। उस नहर से दो उप नहर निकाली गई, जिनसे उत्तर पश्चिम दिल्ली में अलीपुर और कंझावला विकास खंड के 125 गांवों में सिंचाई होती थी। राजधानी का शहरीकरण होने के बाद सिंचाई का रकबा घटता गया। अब अलीपुर और कंझावला में ही करीब बीस गांवों में खेती होती है। दिल्ली 1911 में देश की राजधानी बनी। तब दिल्ली में 365 गांव थे। ढाका धीरपुर में जार्ज पंचम का दरबार लगा। वहीं दिल्ली को राजधानी बनाने की घोषणा हुई। 1912 में पुराना सचिवालय बना तो चंद्रावल गांव खत्म हो गया। सरकारी कर्मचारियों के लिए तीमारपुर गांव की जमीन पर कालोनी बनी। 1947 में देश का बंटवारा हुआ और शाहजहानाबाद (दिल्ली का पुराना नाम जो चारदीवारी से घिरा हुआ था) ने देहात को निगलना शुरू किया। सरकार ने तो एक योजना बनाकर लोगों को बसाया लेकिन उससे ज्यादा को भू-माफिया और पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत से अवैध कालोनियां बसी। वोट की राजनीति में ऐसे लोगों को विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं का संरक्षण मिलता रहा। इन अवैध निर्माण से उन्हें वोट और नोट दोनों ही मिलते रहे हैं। कई भू -माफिया तो सरकारी जमीन कौन कहे ऐतिहासिक धरोहरों पर कब्जा करके उसपर कालोनी बसा दी। कई माफिया को पैसे के बल पर विभिन्न दलों से टिकट पाकर लोकसभा और विधानसभा में पहुंच गए। अब कहने भर के 200 गांव बचे हैं, लेकिन तालाब गायब हो गए। 1993 में ग्राम पंचायतों के आखिरी चुनाव के समय 199 पंचायतें थीं। अस्सी के दशक तक दिल्ली में छह हजार निजी और 250 सरकारी ट्यूबवैल थे। नजफगढ़ और महरौली इलाके में रहट (कुओं से ऊंट, बैल आदि के माध्यम से पानी निकालना), चरस (आदमी खींचते थे।) और कच्चे कुएं से भी सिंचाई की जाती थी। दिल्ली को भौगोलिक हिसाब से तीन क्षेत्रों में बांटा जाता है। मेहरौली यानी दक्षिणी दिल्ली में पहाड़ी इलाकों को पहाड़, नजफगढ़ यानी पश्चिमी दिल्ली को डाबर और यमुना दी तलहटी यानी उत्तर पश्चिम दिल्ली को बांगड़। नजफगढ़ इलाके का आकार झील जैसा था इसलिए इसके मूल स्वरूप को बचाने के लिए नजफगढ़ नाला बनाया गया। उसके साथ हरियाणा से लगे गांवों में सिंचाई के लिए छुटानी -भूपानी नाला, बवाना इलाके के लिए मूंगेशपुर नाला और पालम इलाके के लिए पालम नाला बनाया गया। इसमें बस्ती का गंदा पानी नहीं जाता था केवल बाढ़ का पानी जाता था। बाद में सारी व्यवस्था अतिक्रमण के सिरे चढ़ती गई। दिल्ली में कांग्रेस की सरकार में विकास मंत्री रहे डॉक्टर योगानंद शास्त्री ने तब 70 बड़े तालाबों के स्थान को चिह्नित करके उसे विकसित करने का प्रयास किया था। तभी भलस्वा झील और संजय झील से अतिक्रमण हटाने के प्रयास हुए। उसके बाद भी बरसाती पानी बेकार न चला जाए इसके लिए प्रयास तो किए गए लेकिन न तो अतिक्रमण हटाए गए और न ही नए स्थानों पर होने वाले अतिक्रमण को रोका गया। परिणाम यही हुआ कि दिल्ली के पानी के स्रोत समाप्त होते गए।

भारतीय समुदाय की आर्थिक, सामाजिक और पेशेवर साख

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साझा की गई इमिग्रेंट वेलफेयर रिसिपिएंट रेट्स की सूची ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारतीय समुदाय की आर्थिक, सामाजिक और पेशेवर साख को उजागर कर दिया है। 120 देशों के नामों वाली इस सूची में भारत का नाम न होना बता रहा है कि दशकों की मेहनत, शिक्षा, अनुशासन और योगदान का ये सुखद परिणाम है। यह तथ्य आज हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। यह बताता है कि अमेरिका जैसे देश की अर्थव्यवस्था में भारतीय समुदाय बोझ नहीं है, वह यहां की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ है। कहना होगा कि अमेरिका में भारतीय प्रवासियों की पहचान हमेशा मेहनती, शिक्षित और आत्मनिर्भर समुदाय के रूप में रही है। ट्रंप द्वारा जारी ये सूची भले ही राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, किंतु आज सभी के समक्ष एक अनकहा सत्य सामने रख देती है कि भारतीय समुदाय अमेरिका की सरकारी मदद पर निर्भर नहीं है। इसके उलट वे टैक्स देने वाले, नौकरियां पैदा करने वाले और नवाचार को आगे बढ़ाने वाले नागरिक हैं। जब पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और चीन जैसे देशों से आए प्रवासियों का बड़ा हिस्सा अमेरिकी वेलफेयर सिस्टम पर निर्भर दिखता है, तब भारत का इस सूची से बाहर होना भारतीय समाज की आर्थिक आत्मनिर्भरता और पेशेवर क्षमता का प्रमाण बन सामने आता है। प्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े जो इस संदर्भ में सभी के सामने आए हैं, ये बताते हैं कि भारतीय-अमेरिकियों की औसत वार्षिक घरेलू आय लगभग 1,51,200 डॉलर है, जोकि अमेरिका के किसी भी अन्य जातीय या प्रवासी समूह से अधिक है। यह आंकड़ा उस मानसिकता को बताता है, जो शिक्षा, कौशल और दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देती है। भारतीय परिवारों में शिक्षा को सबसे बड़ा निवेश माना जाता है। यही कारण है कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका में डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्रोफेसर, टेक लीडर और बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ के रूप में नजर आते हैं। भारतीय समुदाय की यह आर्थिक सफलता अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव डालती है। उच्च आय का मतलब है अधिक टैक्स योगदान, अधिक उपभोग और अधिक निवेश। सिलिकॉन वैली से लेकर वॉल स्ट्रीट तक भारतीय पेशेवरों ने टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, फाइनेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। आज अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों, चाहे वे टेक सेक्टर की हों या कंज्यूमर इंडस्ट्री, उनके शीर्ष पदों पर भारतीय मूल के लोग बैठे हैं। ये लोग यहां कंपनियों को मुनाफा दिलाते हैं, लाखों अमेरिकियों के लिए रोजगार भी पैदा करते हैं। इसके विपरीत, ट्रंप की सूची में शामिल देशों के आंकड़े एक अलग तस्वीर पेश करते हैं। बांग्लादेश के करीब 54.8 प्रतिशत प्रवासी परिवारों का अमेरिकी वेलफेयर पर निर्भर होना, पाकिस्तान के 40.2 प्रतिशत और नेपाल के 34.8 प्रतिशत परिवारों का सरकारी सहायता लेना, चीन (32.9 प्रतिशत), इजरायल/फिलिस्तीन (25.9 प्रतिशत), यूक्रेन (42.7 प्रतिशत) और एशिया (कहीं और वगीकृत या निर्दिष्ट नहीं) के 38.8 प्रतिशत प्रवासियों को आज अमेरिकी सहायता मिल रही है। वस्तुतः यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर इन समुदायों पर अमेरिकी खजाने का दबाव आखिर अधिक क्यों है। इस अंतर का कारण जो सीधे तौर पर समझ आता है वो भारतीयों का वर्क कल्चर और सामाजिक मूल्य हैं। भारतीय प्रवासी आमतौर पर अमेरिका में पढ़ाई या उच्च कौशल वाली नौकरियों के जरिए प्रवेश करते हैं। वे शॉर्टकट या सिस्टम के दुरुपयोग के बजाय लंबी मेहनत में विश्वास रखते हैं। परिवार केंद्रित सोच, बचत की आदत और शिक्षा पर जोर उन्हें जल्दी आत्मनिर्भर बना देता है। यही वजह है कि भारतीय समुदाय में सरकारी सहायता लेने की जरूरत न्यूनतम रहती है। यहां ध्यातव्य यह भी है कि डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से अवैध इमिग्रेशन और वेलफेयर सिस्टम के दुरुपयोग के खिलाफ बयान देते रहे हैं। ऐसे में भारत का नाम इस सूची में न होना एक तरह से यह संदेश देता है कि अगर कोई प्रवासी समुदाय अमेरिकी समाज में घुल-मिलकर योगदान दे रहा है तो वह भारतीय है। भले ही ट्रंप ने सीधे तौर पर भारतीयों की तारीफ न की हो किंतु आंकड़े खुद बोलते हैं। यह एक अनजानी प्रशंसा है जो खुलकर बता रही है कि अमेरिका में भारतीय लेने वाले नहीं, बल्कि देने वाले समुदाय के रूप में स्थापित हैं। आज भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिका की कुल एशियाई आबादी का लगभग 21 प्रतिशत हिस्सा है और दूसरा सबसे बड़ा एशियाई समूह है। संख्या के साथ-साथ गुणवत्ता में भी यह समुदाय आगे है। रिसर्च, इनोवेशन, मेडिकल एडवांसमेंट और टेक्नोलॉजिकल ग्रोथ में भारतीयों का योगदान अमेरिकी अर्थव्यवस्था की गति को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। कोविड-19 जैसे वैश्विक संकट के दौरान भी भारतीय मूल के डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और हेल्थकेयर वर्कर्स ने फ्रंटलाइन पर रहकर अमेरिका को संभाला है। वस्तुतः भारत का नाम ट्रंप की वेलफेयर लिस्ट में न होना आज ये बता रहा है कि यहाँ भारतीय उस सॉफ्ट पावर का संकेत हैं जोकि सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि इस देश के लिए भी मूल्य जोड़ते हैं। इसलिए ही आज अमेरिका की अर्थव्यवस्था जिन मजबूत स्तंभों पर टिकी है, उनमें भारतीय समुदाय एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। टैक्सपेयर्स, इनोवेटर्स, लीडर्स और प्रोफेशनल्स के रूप में भारतीयों ने यह साबित कर दिया है कि वे बोझ नहीं अमेरिकन अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। ट्रंप की सूची ने भले ही राजनीतिक बहस को जन्म दिया हो, पर भारतीयों के लिए यह एक शांत, लेकिन मजबूत प्रमाण है, इस बात का कि मेहनत, शिक्षा और ईमानदारी से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में भी अपनी सफलतम जगह बनाई जा सकती है।

Social Media Corner

सच के हक में...

एमजीआर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। तमिलनाडु की प्रगति में उनका योगदान असाधारण है। तमिल संस्कृति को लोकप्रिय बनाने में उनकी भूमिका भी उतनी ही सराहनीय है। हम समाज के लिए उनके दृष्टिकोण को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

रोहित वेमुला को गए 10 साल हो गए। लेकिन रोहित का सवाल आज भी हमारे सीने में धड़क रहा है : क्या इस देश में सपने देखने का हक सबको बराबर है। रोहित पढ़ना चाहता था, लिखना चाहता था। विज्ञान, समाज और इंसानियत को समझकर इस मुल्क को बेहतर बनाना चाहता था। लेकिन इस व्यवस्था को एक दलित का आगे बढ़ना मंजूर नहीं था। संस्थागत जातिवाद, सामाजिक बहिष्कार, रोज-रोज की बेइज्जती, 'औकात' दिखाने वाली भाषा और अमानवीय व्यवहार- यही वह जहर था जिसने एक होनहार युवा को उस मुकाम तक धकेल दिया जहां उसकी गरिमा छीन ली गई और उसे अकेला कर दिया गया।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

हमारे झारखंड की बेटी, धनबाद जिले के बाघमारा निवासी अनु कुमारी ने चीन में आयोजित पेंटाथलॉन-लेजर रन में कांस्य पदक जीतकर देश का और अपने राज्य का नाम रोशन किया था। राज्य सरकार ने नौकरी और इनामी राशि देने की बड़ी-बड़ी घोषणा की थी, लेकिन आज तक नौकरी तो दुर पुरस्कार राशि भी नहीं मिली ! यदि कोई हिजाब नकाब पहनने वाला हो, तो हेमंत सरकार उसे 3 लाख रुपए प्रति महीने की नौकरी ऑफर कर देती है, लेकिन जब झारखंड की आदिवासी, मूलवासी, दलित, गरीब, पिछड़ा परिवार की बेटी हो तो, सरकार उनका हक भी छीन लेती है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

स्थानीय जनता और नेतृत्व की आकांक्षाओं पर ध्यान नहीं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने गत दिनों अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक और जनसंघ-भाजपा का कार्यकर्ता नेताओं के चरण में बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बना। ये संगठन की शक्ति है। इन शब्दों के मायने तब खुलते हैं, जब इसके साथ चस्पां एक तस्वीर दिखती है। 1995 की उस तस्वीर में नरेंद्र मोदी पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के पास फर्श पर बैठे हैं। दिग्विजय सिंह के ये शब्द कांग्रेस नेतृत्व और संगठन के कामकाज पर एक तरह से टिप्पणी हैं। कांग्रेस नेतृत्व की कार्यशैली और संगठन की लचर हालत पर टिप्पणी करने वाले दिग्विजय पहले शख्स नहीं हैं। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी के उभार के बाद कांग्रेस लगातार फिसल रही है। हाल में उसे और उसके सहयोगी दलों को उस बिहार में भी हार झेलनी पड़ी, जिसे महज दो महीने पहले ही वह जीता हुआ मान चुकी थी। उसकी निराशा महाराष्ट्र और गोवा के निकाय चुनावों ने भी बढ़ाई है। इस बीच केरल के निकाय चुनावों ने उसे जरूर सांत्वना दी है, लेकिन वह इतनी कारगर नहीं है कि पार्टी और उसके जमीनी कार्यकर्ता भविष्य के प्रति व्यापक रूप से आश्वस्त हो सकें। कांग्रेस के अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे हों, लेकिन सबको पता है कि पार्टी की असल कमान किसके हाथ है। पार्टी के असल प्रमुख राहुल गांधी हैं। इस लिहाज से पार्टी उन्हीं के हिसाब से चल रही है। राहुल तेजतर्रार और आक्रामक हैं, लेकिन उनकी यह आक्रामकता नतीजों में नहीं बदल रही। उनकी शैली एक हद तक वामपंथी वैचारिकी और राजनीति की तरह है। वामपंथी नैरेटिव गढ़ने में कामयाब रहते हैं, लेकिन नतीजों के मोर्चे पर नाकाम रहते हैं। 2019 के चुनाव में उन्होंने चौकीदार चोर का नैरेटिव तैयार किया। 2024 में खतरे में संविधान का आख्यान खड़ा किया। हाल में वोट चोरी का आरोप चस्पां किया। वामपंथी इकोसिस्टम के जरिए ये सारे इस कदर स्थापित हुए कि लगा कि इनकी चक्करघिन्नी में भाजपा फंस गई। भाजपा कई बार चिंतित भी दिखी, लेकिन उसके नेतृत्व ने होश नहीं खोया। नतीजे सामने हैं। कांग्रेस के कई नैरेटिव उलटे भी पड़ते हैं, क्योंकि वे जमीनी समझ के बिना गढ़े जाते हैं। बिहार के संदर्भ में पार्टी नेतृत्व के एक वर्ग का मानना है कि जब राहुल ने वोटर जागरूकता यात्रा निकाली, तब मिथिला समेत उत्तर बिहार में सवर्ण, विशेषकर सवर्ण मतदाताओं का कांग्रेस को लेकर रुख बदल रहा था, लेकिन बाद में उन्हीं ब्राह्मणों और सवर्णों को आततायी बताने का नैरेटिव गढ़ा गया, लिहाजा मतदान में हालात बदल गए। अपने वामपंथी सोच के चलते कांग्रेस से समूचे देश का सवर्ण मतदाता दूर होता जा रहा है। और तो और जब देश और संसद में ज्यादा जरूरत होती है, तब राहुल विदेश में भाषण दे रहे होते हैं। इसके चलते संगठन की लगातार अनदेखी हो रही है। कांग्रेस के कई अहम सूत्र एकमत हैं कि संगठन को दुरुस्त करने पर पार्टी नेतृत्व का ध्यान नहीं है। उदाहरण के लिए, लोकसभा चुनाव के वक्त हरियाणा में न तो सचिव था, न ही पार्टी की जिला कमेटियां काम कर रही थीं। ऐसा ही हाल बिहार का भी था। जिला स्तरीय कमेटियां थी नहीं। कई राज्य ऐसे हैं, जहां अध्यक्ष तो बना दिए गए हैं, लेकिन वहां कमेटी ही नहीं है। मुंबई में तो बीएमसी चुनाव के नामांकन के आखिरी दिन तक पता ही नहीं रहा कि कांग्रेस का गठबंधन किसके साथ है और कौन कहां से लड़ेगा। मनरेगा का नाम और चेहरा बदलने के खिलाफ कांग्रेस राज्यों की राजधानियों में रैलियां करने जा रही है। इस पर पार्टी के एक बड़े नेता का कहना है कि दूसरी रैलियों की ही तरह इन रैलियों का भी हश्र होगा। उनके हिसाब से ब्लाक स्तर पर मनरेगा के जाब कार्डधारकों का विरोध-प्रदर्शन आयोजित होना चाहिए था, फिर जिला स्तर पर उन्हें जुटाया जाता। बाद में राज्यों की राजधानी और दिल्ली में उनका जुटान होता। इससे पार्टी की बात निचले स्तर तक पहुंचती और नए वोटर भी बनते। भाजपा आज अगर चुनाव जीत रही है तो इसकी वजह यह नहीं है कि वह सिर्फ अपने राष्ट्रीय नैरेटिव के सहारे चुनाव लड़ती है। राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के अपने केंद्रीय विचार के साथ ही वह स्थानीय हालात के लिहाज से रणनीति बनाती है और उस पर अमल करती है।

सीमा से परे

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न (पूर्व में ट्विटर) द्वारा विकसित जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट ग्रोक में एक घिनौना लेकिन आकर्षक अनूठा सेवा संबंधी पहलू निहित है- यह सहज बुद्धि और सतर्कता पर आधारित उन सुरक्षा उपायों को दरकिनार करता है, जिन्हें ओपन एआई और गूगल जैसी अन्य बड़ी कंपनियों ने अपने बड़े लैंग्वेज मॉडल में लागू किया है। इस खुले और गैरजिम्मेदार रवैए के चलते कई नई चीजें सामने आई हैं। मसलन, इस चैटबॉट का राष्ट्रीय राजनेताओं और मशहूर हस्तियों का खुलकर अपमान करना। लेकिन, हाल के दिनों में सामने आया इसका एक खास व्यवहार बेहद चिंताजनक है। उपयोगकताओं के अनुरोधों का जवाब देते हुए ग्रोक बिना सहमति के महिलाओं के यौन रूप से उत्तेजक एवं अशोभनीय तस्वीरें उकेर रहा है। नए साल की पूर्व संध्या के कुछ दिनों बाद जब ग्रोक के एक्स अकाउंट पर इस तरह के अनुरोधों की बाढ़ आई, तो भारत और फ्रांस से आई स्तब्ध प्रतिक्रियाओं और सुरक्षा संबंधी उपायों की मांगों के बावजूद यह व्यवहार जारी है। जवाबदेही तय करने की मांगों के जवाब में, एक्स के अरबपति मालिक एलोन मस्क ने ठोस आश्वासन देने के बजाय मजाक में चैटबॉट से उन्हें भी कम कपड़ों में दिखाने का अनुरोध किया है मानो खुद के साथ ऐसा करना और अजनबियों को इस किस्म के अपराध का शिकार होने देना क्योंकि इस किस्म की तस्वीरें बनाना अपराध है किसी भी तरह से तुलना के लायक हो। मस्क के अन्य कारोबारी प्रतिष्ठानों ने भी अपने-अपने अंदाज में मजाक करते हुए उपयोगकताओं के हाथों में दी गई सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इन क्षमताओं की गंभीरता को खारिज कर दिया है। केंद्र सरकार ने बिल्कुल सही ही एक्स से इस किस्म की तस्वीरें बनाना बंद करने की मांग की है और खासतौर पर इस तरह से महिलाओं की यौन रूप से अशोभनीय तस्वीरों को उकेरने की आपराधिक प्रकृति का उल्लेख किया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Sunday, 18 January 2026

Donroe Doctrine: A chronicle of magic realism foretold

During the past 10 days that shook the world, two fault lines have appeared in international politics—principally, the regime change project of the US President Donald Trump in Venezuela and, two, a potential break-up of the Western alliance.

If only the celebrated Latin American literary giant Gabriel García Márquez were alive today, this would have been a fitting moment in his tumultuous career—marking the entry of magical realism, a literary genre blending the mundane with the fantastic, into the realm of geopolitics.

Herein lies a paradox. While Trump may have missed the Nobel Peace Prize, he can still claim a legacy of making magical realism a global phenomenon in politics—a potentially more enduring legacy for some. He has succeeded in situating us onlookers in a predominantly realistic setting while his fantasies are rolling out in an unreal world, with unreal characters. He brings alive García Márquez's powerful metaphor of cows wandering through and eating the curtains inside a deposed dictator's home.

The regime change in Venezuela had an easy explanation—it is a vivid display of the Trump administration's prioritisation of the Western hemisphere in its foreign policy strategies, as outlined in the recent National Security Strategy released by the White House. This hypothesis was articulated, albeit somewhat crudely, by Secretary of State Marco Rubio, the most experienced top diplomat in the entire Trump team, when he spoke to a TV network on Sunday, "This is the Western hemisphere. This is where we live—and we're not going to allow it to be a base of operations for adversaries, competitors and rivals of the United States."All sorts of atavistic fears appear to be swirling in Rubio's subconscious mind, vaguely hinting that the US, like an ageing lion losing its mane, is coming home for better cooling and hunting in a thorny terrain, but where it also has to contend with predators who appeared to settle old scores—Russia, China and Iran in particular.

Venezuela is synonymous with energy security. If China accounts for around 80 percent of Venezuela's oil exports in recent years, Russia and Iran are Caracas's team-mates in the Great Game over the petrodollar. If China has quietly 'de-dollarised' its oil trade with Venezuela, Russia and Iran are world champions in beating American sanctions. All this has been going on right under the nose of the Americans, who couldn't do anything about it.To be sure, there's a long haul ahead for Trump. Mexico, for instance, is a challenge equivalent to Venezuela multiplied by at least five—with a 2,000-mile long land border with the US, its political economy rests firmly on a bizarre institutionalised bonding between its leftist ruling elite and the mafiosi (with collaborators in the US). President Claudia Sheinbaum is seeking a settlement with Trump, had a "good conversation" with him and even ruled out a US invasion.On the other hand, Cuban President Miguel Díaz-Canel remains defiant, unimpressed by the shock and awe of the US's secret strategic weapon (sourced from microwave generators) generating ultra-high-frequency electromagnetic radiation.

Trump cannot emulate Ali Baba and the Forty Thieves by simply chanting the magical phrase 'Open Sesame' to lure the regional states to come over to his side. Ever since the US transitioned in the mid-20th century to a more proactive international strategy—with the state department officially declaring the end of the Monroe Doctrine era—the Western hemisphere has transformed beyond recognition. Trump himself admitted as much when, on January 3, he rechristened it as the 'Donroe Doctrine'.Simply put, it is impossible to make a chastity belt to lock the elected leaders of such a vast, uncontrollable continent teeming with poets and guerrillas.

A sangam of faith, language and memory

Participation of youngsters at the Kashi-Tamil Sangamam illustrates the passion among our yuva shakti to deepen their connect with our roots.

A FEW days ago, I was in the sacred land of Somnath to be part of the Somnath Swabhiman Parv, marking a thousand years since the first attack on Somnath, which took place in 1026. People from all across India had come to be part of this moment of remembrance, united by a shared reverence for history, culture and the enduring spirit of the people of India. I met a few people who had previously come to Somnath during the Saurashtra-Tamil Sangamam and had been to Kashi during the Kashi-Tamil Sangamam. Their words of appreciation for such platforms touched me, and so I thought of sharing a few thoughts on this subject.During a Mann Ki Baat programme, I had said that not learning Tamil is a major regret of my life. Fortunately, over the last few years, our government has had several opportunities to further popularise Tamil culture across India and to deepen the spirit of 'Ek Bharat, Shreshtha Bharat'. A prime example of such an effort is the Kashi-Tamil Sangamam. In our ethos, sangam or confluence has a special place. Seen in this light, the Kashi-Tamil Sangamam stands out as a distinctive initiative, one that celebrates the living unity of India's many traditions while honouring their unique identities.

And what can be a better place than Kashi to host such a sangamam? The same Kashi, which has remained a civilisational anchor from time immemorial, where, for thousands of years, people from all over have come in search of knowledge, meaning and moksha.Kashi's connection with Tamil people and culture is very deep. It is in Kashi that Baba Vishwanath resides, while Tamil Nadu has Rameswaram. Tenkasi in Tamil Nadu is known as the Kashi of the South or Dakshin Kashi. Saint Kumaraguruparar Swamigal forged a lasting link between Kashi and Tamil Nadu through his spirituality, scholarship and institution-building. Mahakavi Subramania Bharati, one of Tamil Nadu's greatest sons, found in Kashi a space of intellectual growth and spiritual awakening. It was here that his nationalism deepened, his poetry sharpened and his vision of a free, united India took clearer shape. There are several such instances that highlight this close bond.

The first edition of Kashi-Tamil Sangamam took place in 2022. I recall attending the inauguration programme. Scholars, artisans, students, farmers, writers, professionals and many others from Tamil Nadu travelled to Kashi, Prayagraj and Ayodhya. Subsequent editions expanded the scale and depth of this effort. The aim was to introduce fresh themes, innovative formats and deeper engagement, thus ensuring that the sangamam continued to evolve while remaining rooted in its core spirit.In the second edition in 2023, technology was used on a larger scale to ensure that language does not become a barrier for people. In the third edition, the focus was on the Indian knowledge systems. At the same time, academic discussions, cultural performances, exhibitions and interactions witnessed greater participation. Thousands of people have taken part in these events.The fourth edition commenced on December 2, 2025. The theme was interesting — Tamil Karkalam — Learn Tamil. It presented an opportunity for people in Kashi and other parts to learn the beautiful Tamil language. Teachers came from Tamil Nadu and the students of Kashi had a very memorable experience!

There were many other special events this time. 'Tholkappiyam', the ancient Tamil literary classic, was translated into four Indian and six foreign languages. A unique event, Sage Agasthya Vehicle Expedition (SAVE), was undertaken from Tenkasi to Kashi. On the way, various initiatives, such as eye camps, health awareness camps, digital literacy camps, were held. The expedition paid homage to King Adi Veera Parakrama Pandiyan, the great Pandya ruler who spread the message of cultural oneness. There were exhibitions at Namo Ghat, academic sessions at Banaras Hindu University and cultural programmes.

One of the things that makes me happy about the Kashi-Tamil Sangamam is the participation of thousands of youngsters. It illustrates the passion among our 000000000000000000000 to deepen their connect with our roots. It is a brilliant platform for them to showcase their talent and creativity during the various cultural programmes.In addition to the sangamam, efforts have been made to make the journey to Kashi memorable for the participants. The Indian Railways operated special trains to take people from Tamil Nadu to Uttar Pradesh. In many railway stations, particularly in Tamil Nadu, they were cheered, and the train journey was marked by melodious songs and conversations.I would also like to appreciate my sisters and brothers of Kashi and Uttar Pradesh for their warmth and hospitality shown to the delegates of the various Kashi-Tamil sangamams. Several people opened the doors of their homes for the guests from Tamil Nadu. The local administration worked round the clock to ensure the guests had a seamless experience. As the MP from Varanasi, I could not be prouder!This time, the valedictory function of the Kashi-Tamil Sangamam was held in Rameswaram and it was graced by the Vice-President, Thiru CP Radhakrishnan, who is a proud son of Tamil Nadu. He delivered an inspiring address, emphasising India's spiritual greatness and how such platforms deepen national integration.

The Kashi Tamil Sangamam has delivered meaningful outcomes, like strengthening cultural understanding, fostering academic and people-to-people exchanges and creating lasting bonds between parts of the country that share a civilisational ethos. We want to make this platform more vibrant.Most importantly, it has furthered the spirit of 'Ek Bharat, Shreshtha Bharat.' This spirit has flourished for centuries through our festivals, literature, music, art, cuisine, architecture and systems of knowledge.This time of the year is auspicious for people across India. People are celebrating various festivals, like Sankranti, Uttarayan, Pongal, Magh Bihu, which are, among other things, associated with the Sun, nature and farming. These festivals bring people together and deepen the spirit of harmony in our society. I convey my best wishes for these festivals and hope they continue to inspire us to deepen national unity through our shared heritage and collective participation.

End of 10-minute delivery offer is a breakthrough

The Tribune Editorial: This is not merely a law-and-order issue; plastic manjha is an environmental hazard

A chilling video from Bidar district in Karnataka on Wednesday captures the horror of what a banned kite string can do: Sanjukumar Hosamani (48) was riding his motorcycle when a taut nylon kite thread across the road slit his neck. By the time medical help arrived, he was dead. Poorly enforced regulations turn festive traditions into fatal hazards every year across the country: lives lost, birds mutilated, animals injured and administrations scrambling for damage control. In Punjab, district authorities have reiterated that the manufacture, sale, storage and use of synthetic kite string are illegal. They have even sought public cooperation, while police claim to have netted vendors. Yet manufacturers and suppliers escape arrest and the string remains freely available, both offline and online. The result: razor-sharp threads slicing throats of unsuspecting motorcyclists, injuring children and killing birds in large numbers.The menace thrives because enforcement is episodic and reactive.

Crackdowns peak around festivals, then fade. Vendors reappear, penalties remain modest and prosecutions rarely reach their logical end. Worse, social acceptance of the banned string continues. Parents allow children to use it, organisers look the other way and consumers treat prohibition as advisory rather than binding.

This is not merely a law-and-order issue. Plastic manjha is an environmental hazard — non-biodegradable, persistent and destructive to ecosystems. Courts have repeatedly described it as a "man-made weapon". Yet responsibility is diffused across departments, allowing accountability to slip through the cracks. The ban must be backed by year-round surveillance, tougher criminal liability for manufacturers and sellers and strict action against parents and event organisers who encourage its use. Online marketplaces, too, must be held accountable for listings disguised under misleading labels. Until enforcement becomes consistent and deterrent, the skies will remain deadly.

Human cost of the gig economy's need for speed

As companies are rethinking 10-minute deliveries, we must understand the result of such promises. Opaque, algorithm-based incentives compel workers to imperil themselves to improve ratings and earnings. The new labour codes do not help. We need an independent fairness index for gig platforms

When delivery workers in several major cities logged out of their apps in a coordinated manner near the end of last year, it forced India to confront an uncomfortable truth. While business circles continue to celebrate the emergence of business models that promise speed through technological prowess, the 10-minute delivery proposition must also be seen for what it is: a social experiment whose costs are disproportionately borne by those with the least power to refuse.

For many young urban migrants and new entrants in the labour market, platform work has become a default option rather than a short-term stopgap. Yet, research by the International Labour Organization has consistently noted that this growth has been accompanied by a fundamental reorganisation of work itself, where stable employment is replaced by task-based engagements governed by algorithms.In this system of management, performance is continuously monitored through delivery times, customer ratings and acceptance rates, while the decision-making remains opaque to workers. Studies under the Oxford Internet Institute's Fairwork Project show that such opacity generates income volatility and heightens workers' dependence on platform-determined incentives. The health and cost implications are borne by the workers rather than the firms that profit from these systems.

Against this backdrop, the recent log-outs must be understood as a sign of structural strain. They raise pressing questions about how India's platform economy is governed, who absorbs the costs of speed, and whether the current regulatory frameworks are equipped to deal with the form of work.Much of the sector's defence of ultra-fast delivery rests on technical explanations. They argue that delivery times are determined not by rider behaviour but by dense networks of neighbourhood warehouses, optimised routing and short distances. In theory, this frames speed as a logistical outcome rather than a labour issue.

However, studies by the International Transport Workers' Federation and Fairwork India highlight that time pressure is experienced not simply in terms of distance but through the cumulative micro-delays resulting from traffic congestion, access barriers in apartment complexes, weather disruptions and order batching that remain invisible to algorithmic systems. Our cities are not spreadsheets, and the friction that defines everyday urban life is rarely captured in neat delivery-time calculations.

Platforms rely on automated metrics, not human supervision, to monitor workers' access to future orders. Thus, they shape worker behaviour while denying employer obligations. The lack of transparency makes it difficult for workers to contest penalties or understand how to improve their standing.

This opacity has material consequences. Research by the Centre for Sustainable Employment and the ILO shows that platform workers often experience income instability even during periods of high demand, as incentive structures shift unpredictably and penalties are imposed retroactively. In such conditions, workers may prioritise speed over safety as a rational response.

In India, the Code on Social Security, 2020 recognises gig and platform workers as a distinct category—an important conceptual step. Yet, the recognition has not translated into robust protection. By linking eligibility for insurance and benefits to minimum engagement

thresholds—90 days on one platform or 120 days across several—the State has inadvertently mirrored the logic of the platforms themselves.

In a system marked by high churn, unpredictability and frequent account deactivations, many workers will never remain visible long enough to qualify. The continued classification of workers as independent contractors further allows platforms to shift operational risks outwards. Fuel price volatility, insurance gaps and the absence of paid leave are treated as individual problems rather than systemic features. This fragmentation weakens collective voice even as dependence on platform income deepens. What emerges is a new kind of urban buffer class—present when demand surges, absent when liabilities arise. Flexibility, once framed as empowerment, increasingly resembles instability by design.If India is to preserve both innovation and dignity, the next phase of platform regulation must prioritise transparency over speed. One practical step would be the creation of a publicly-visible fairness index for gig platforms—an independently governed rating system that evaluates companies on labour integrity rather than delivery velocity. Much like energy efficiency labels or food safety standards, it would allow consumers, regulators and investors to see what currently remains hidden.

The index's key dimensions could include income viability (net earnings meeting local living wages), time realism (delivery promises adjusted dynamically for traffic, weather and peak congestion), due process (a human-led mechanism to contest suspensions and penalties), and social protection (insurance and accident cover from the first day of work).

AI to obesity drugs: McKinsey identifies 18 sectors for next wave of global growth

Kolkata(Agency)

Where can growth come from? Growth worshippers from industrialists to government to economists to policymakers are all in search of growth areas of the future. Global management consultancy firm McKinsey has identified 18 industries which could generate $29-48 trillion in annual revenue by 2040. Let's have a look at what these are and which are the areas where India can profit from.

While drawing up this chart, the consultancy firm has focussed on exceptional growth. It has found that e-commerce can expand to represent the biggest growth sector in the world. McKinsey has also noted how e-commerce revenues jumped from $15 billion in 2005 to more than $1 trillion in 2023.18-34% of global growth

McKinsey has highlighted breathtaking numbers to underscore the potential of these following sectors. It has said, "The 18 future arenas could generate $29-$48 trillion in revenues, or 18-34 percent of total GDP growth." An interesting mention in this list is that of autonomous vehicles, which are self-driving or driverless cars. Another in drugs for obesity and related conditions.

WEF economists expect global economic conditions to weaken in 2026 over mounting debt, geopolitics

New Delhi.(Agency)

Around 53 per cent of World Economic Forum chief economists who were surveyed expect global economic conditions to weaken in the year ahead, down from 72 per cent in September 2025, even as they acknowledge the relative resilience of the global economy amid turbulence.The global economic outlook has improved modestly but remains uncertain, with asset valuations, mounting debt, geoeconomic realignment and rapid artificial intelligence deployment creating both opportunities and risks, according to the World Economic Forum's latest Chief Economists' Outlook, published on January 16.Although 53 per cent of chief economists expect global economic conditions to weaken in the year ahead, this marks a significant improvement from the 72 per cent who held this view in September 2025.

Uncertainty around technology remains high, with 52 per cent expecting AI-related stocks to decline and 40 per cent expecting gains.When it comes to the potential expected returns from AI, there is wide variation across regions and sectors. Roughly four in five chief economists expect productivity gains within two years in the US and China. Chief

economists expect the information technology sector to adopt AI fastest, with nearly three-quarters anticipating imminent productivity gains. Financial services, supply chain, healthcare, engineering and retail follow as "fast-movers", with one to two-year timelines.On growth, expectations diverge by region, with economists expecting strong momentum in South Asia and East Asia and weak to moderate growth in Europe.On macroeconomics, nearly a third of respondents are concerned about sovereign debt crises in advanced economies and nearly half in emerging economies; over 60 per cent expect governments to rely on higher inflation and tax revenues to manage elevated debt.

EPF Withdrawal Via UPI By April EPFO Subscribers To Get Direct Bank Transfers Without Filing Claims

New Delhi.(Agency)

In an effort to ease living for salaried employees, subscribers of the Employees' Provident Fund will soon be able to withdraw their EPF money directly into their bank accounts using the Unified Payment Interface (UPI), doing away with the time-consuming claim-filing process.

According to a PTI report citing a top source, the new facility is expected to be rolled out by April this year, allowing members to access their provident fund balances through a UPI payment gateway.According to the report, the labour ministry is working on a system under which a certain portion of the EPF balance will be frozen, while a substantial part will be made available for withdrawal directly into members' bank accounts using UPI. The subscribers will be able to see the eligible EPF balance available for transferring into their seeded bank accounts.Explaining how the system will work, the source told PTI that members will be allowed to use their linked UPI PIN to complete transactions, ensuring a secure transfer of money. Once credited to bank accounts, the funds can be freely used for digital payments or withdrawn through ATMs using debit cards.The source said the Employees' Provident Fund Organisation is currently resolving software-related issues to ensure smooth implementation of the UPI-based withdrawal system, which is expected to benefit nearly eight crore EPFO members.

Capital gains tax was meant to be simpler. Here's why it feels harder now

Selling a long-held asset used to be a fairly predictable exercise. Inflation was factored in through indexation, the tax rate was known, and the final bill rarely came as a shock. That sense of certainty has faded.

New Delhi.(Agency)

Long-term capital gains taxation was meant to become simpler. Instead, it has left many investors second-guessing their decisions. Selling a house, redeeming gold or exiting a long-term investment should be a milestone decision.For many investors today, it has become a source of anxiety. As Budget 2026 approaches, long-term capital gains taxation remains one of the most misunderstood parts of India's tax system.Selling a long-held asset used to be a fairly predictable exercise. Inflation was factored in through indexation, the tax rate was known, and the final bill rarely came as a shock. That sense of certainty has faded.Financial advisers say investors are delaying decisions, second-guessing calculations and, in some cases, walking away from sales simply because they are not confident about the tax impact.

REAL-LIFE CONFUSION ON THE GROUND

Abhishek Kumar, Sebi-registered investment adviser and founder of Sahaj Money, says the confusion is not limited to one asset class."This confusion is primarily around real estate, gold, debt mutual funds and bonds, because these were traditionally the categories where indexation gave a clear and often substantial tax advantage over time," he says.Investors, he adds, are struggling to understand when the new 12.5% long-term capital gains rate without indexation applies, when they can still choose 20% with indexation for older property, and how to compare post-tax outcomes across different holding periods and purchase dates.The uncertainty is

affecting real decisions. Kumar says many clients are holding back sales simply because they do not want to make a costly mistake.

"Many clients are indeed postponing sales of property and gold because they worry about making an irreversible decision without fully understanding the tax cost," he says.One example he cites is of homeowners who bought property decades ago."For example, a client with an apartment bought in the early 2000s often assumes the new 12.5% rate is automatically better, but only after running both calculations do they realise indexation plus 20% can still lead to a lower tax bill in their specific case," Kumar explains.While many investors associate the changes with Budget 2025, the structural shift actually began a year earlier.SR Patnaik, Partner and head of taxation at Cyril Amarchand Mangaldas, explains that Budget 2024 altered the framework of capital gains taxation in a significant way."Budget 2024 saw a real shift in the manner of taxation of capital gains. The holding period for various assets were unified and simplified, and the indexation benefits earlier available for long-term assets were removed. Further, the tax rates were rationalised," he says.Budget 2025, he adds, only introduced clarifications on rates and scope rather than fresh structural changes.

Budget 2026: Will Markets Be Open On February 1 Full Details Inside

New Delhi.(Agency)

Good news for investors and market watchers! Even though February 1 falls on a Sunday this year, the Indian stock markets will remain open for trading on Budget Day. Both the BSE and NSE announced on January 16 that trading will take place as per normal market hours on February 1 for Budget 2026. This special arrangement ensures that investors can react to Budget announcements in real time, without waiting for the next trading session.

The NSE clarified the special trading arrangement in a circular, stating, "On account of the presentation of the Union Budget, members are requested to note that Exchange shall be conducting live trading session on February 01, 2026, as per the standard market timings (9:15 am-3:30 pm)," said NSE in a circular.The Union Budget for 2026 will be presented at 11 am on Sunday, February 1, the Lok Sabha Speaker confirmed on January 12. In recent years, February 1 has become the fixed date for the annual Budget presentation, a trend that continued with the 2025 Budget as well. The upcoming Budget will also be a significant milestone for Finance Minister Nirmala Sitharaman, as it will

be her ninth consecutive Union Budget, placing her among finance ministers with the longest uninterrupted Budget tenures.Trading details for Budget Day explained

While most core market segments will remain open during regular trading hours on Budget Day, some services will stay shut. The BSE has clarified that the T+0 settlement session and the auction session meant for settlement defaults will not be operational. At the same time, the NSE confirmed that trading in capital markets and derivatives will continue as usual.

Stock market holiday list remains the sameThe stock market holiday calendar for 2026 remains unchanged, with Indian exchanges observing 16 public holidays apart from weekends. The next scheduled market closure this month will be on January 26. In the first half of the year, markets will remain shut on key occasions such as Holi (March 3), Ram Navami (March 26), Mahavir Jayanti (March 31) and Good Friday (April 3). Trading will also be suspended on Ambedkar Jayanti (April 14), Maharashtra Day (May 1) and Bakri Id (May 28).In the second half of the year, markets will close on Muharram (June 26), Ganesh Chaturthi (September 14), Gandhi Jayanti (October 2), Dussehra (October 20), Diwali Balipratipada (November 10) and Guru Nanak Jayanti (November 24). Christmas, on December 25, will be the final market holiday of 2026.

Trump sanctions fail to stop inflow! Some Indian refiners step up Russian crude oil intake; Indian Oil, Nayara boost purchases

New Delhi.(Agency)

State-run Indian Oil Corp and Rosneft-backed Nayara Energy have increased their purchases of Russian crude in January. This comes even as India's overall imports from Russia have declined under US sanctions.Reliance Industries, India's largest buyer over the past year, along with several other refiners, has not received any supplies this month. This leaves Indian Oil, Nayara and Bharat Petroleum Corporation (BPCL) as the main importers so far, according to ET.

India's imports of Russian oil averaged 1.18 million barrels per day in the first half of January, down about 30 per cent from both the same period last year and the 2025 average, according to Kpler, a global real-time data and analytics provider. Imports were roughly 3 per cent lower compared with December 2025.

US sanctions have significantly narrowed the buyer pool for Russian crude, restricting shipments to just a few Indian refiners. Indian Oil received about 500,000 barrels per day, accounting for nearly 43 per cent of total Russian crude shipped to India. This was Indian Oil's highest average intake since May 2024 and 64 per cent higher than its 2025 average.

Nayara Energy, which has become fully reliant on Russian oil since being sanctioned by the European Union last year, was the second-largest buyer in January. Its imports of approximately 471,000 barrels per day—about 40 per cent of Russian volumes shipped to India this month—were the highest in at least two years and 56 per cent above its 2025 average intake. BPCL received around 200,000 barrels per day, slightly above its average of 185,000 barrels in 2025.

Other major refiners, including Hindustan Petroleum Corporation, HPCL-Mittal Energy Ltd, Mangalore Refinery & Petrochemicals Ltd and Reliance Industries, did not receive any Russian cargoes in the first half of January.Reduced demand from some Indian and Chinese buyers has prompted Russian suppliers to increase discounts on crude. Industry executives said discounts on Russia's flagship Urals crude for delivery to Indian ports now trades at $5-6 per barrel, up from $2 before US sanctions on Rosneft and Lukoil last October.Indian Oil has increased its intake this month to take advantage of these discounts.Indian refiners began recalibrating their strategy on discounted Russian crude after the US criticised India's purchases last year and threatened additional tariffs. Some refiners moderated imports after an additional 25 per cent tariff took effect in late August on Indian exports to the US.

Mutual Fund: Sebi's new rules to kick in rom April 1; know how it affects you

Kolkata.(Agency)

Come April 1, and the new rules of Sebi n mutual funds will kick in. SEBI has notified the SEBI (Mutual Funds) Regulations, 2026, making major regulatory changes for the mutual fund industry. In short, the new rules are aimed at reducing the burden of expenses on investors, increasing transparency of costs and establish accountability for asset management companies and also trustees. The changes got the nod of the Sebi board on Dec 17 and the notification has now come for the implementation to take place.

Reducing cost for investors via TER

From the point of the view of the investors, the most significant aspect of the new rules is related to the Total Expense Ratio or TER. In future only those expenses which are permitted by the regulator can be charged to investors under TER and these are base expense ratio, permitted brokerage costs, transaction costs related to trade execution, statutory levies, and exit loads. Apart from these no other expenses should be borne by the investor. All other expenses have to be bore by the AMC.More responsibility for trustees, independent directors

The old regulatory framework for mutual funds has been virtually discarded paving the way for an expanded role for trustees and independent directors who will need to keep a close vigil on the investment management agreement, remuneration paid under the scheme, service contracts entered into with related parties and fees charged to investors. Trustee have to identify deficiencies and inform the AMC in writing and ensure their timely rectification.

Trustees and independent directors have been handed over another important governance-related function. They must ensure that the remuneration structure does not create conflicts of interest with investors. Annual reports have to mandatorily include detailed commentary from the trustees on the scheme's performance, historical data per unit, and clear information related to expenses and valuation. The AMC has to provide scheme-wise digital annual reports to unitholders within a stipulated time window.Investor-friendly steps

The new measures have been drawn up keeping the interest of the investor at the centre of the exercise.

Revamped Foreign-Exchange Management Rules To Promote Ease Of Doing Biz

The RBI retained the existing 15-month timeline for realisation and repatriation of export proceeds. It extended the window to 18 months where exports are invoiced or settled in Indian rupees.

New Delhi.(Agency)

The Reserve Bank of India (RBI) has said that the recently issued Foreign Exchange Management (Export and Import of Goods and Services) Regulations, 2026 will come into force from October 1 — easing compliance for smaller traders and strengthening digital monitoring.

"The regulations are primarily principle based and intended to promote ease of doing business, especially for small exporters and importers. They are also intended to empower Authorised Dealers

to provide quicker and more efficient service to their customers," an official statement said.The regulations, announced on January 13, will replace the 2015 export rules empowering authorised dealer banks to manage routine trade matters under their internal policies. As per the RBI notification, exporters of goods will continue to declare shipment values through the Export Declaration Form (EDF) embedded in shipping bills at (Electronic Data Interchange) EDI ports.EDI ports support customs clearance and trade documentation electronically rather than through manual paperwork. Service exporters must file declarations within 30 days of invoice issuance, with flexibility for consolidated monthly filings and bank-approved extensions. Software exports were brought under the definition of services under the new rules, with authorised dealers and Software Technology Parks of India (STPI) recognised as specified authorities.

The RBI retained the existing 15-month timeline for realisation and repatriation of export proceeds. It extended the window to 18 months where exports are invoiced or settled in Indian rupees. For smaller transactions up to Rs 10 lakh, exporters and importers can close outstanding entries in the RBI's monitoring systems through self-declaration, including quarterly bulk submissions, easing procedural burdens for MSMEs and service exporters.

"An Authorised Dealer shall ensure that the charges levied for handling transactions and associated processes are reasonable and proportional to the services rendered," it said. The RBI further said that the authorised dealer must not levy any charges or penalty on its constituent (exporter or importer or merchant trader) for any regulatory delay or violation by the constituent.

Dense Fog Blankets Delhi-NCR Amid Cold Wave, Air Quality 'Severe'

Minimum temperatures across the national Capital dipped well below seasonal norms, deepening the chill. Delhi recorded a low of 4.3 degrees Celsius.

New Delhi.(Agency)

Delhi and the National Capital Region (NCR) woke up to another harsh winter morning on Saturday, with icy temperatures, dense fog and hazardous air quality combining to intensify discomfort across North India.

The cold wave continued unabated for the sixth consecutive day, while pollution levels breached the "severe" category, prompting authorities to reimpose stringent restrictions under Stage-III of the Graded Response Action Plan (GRAP).

Minimum temperatures across the national Capital dipped well below seasonal norms, deepening the chill. Delhi recorded a low of 4.3 degrees Celsius, while Safdarjung and Ayanagar weather stations reported 4.7 degrees Celsius a day earlier.The weather conditions were further compounded by dense fog, which significantly reduced visibility during the early morning hours.

At Indira Gandhi International Airport, visibility dropped to around 350 metres at approximately 6:30 am, leading to operational challenges and flight delays. Airport authorities had issued a travel advisory earlier in the morning, confirming that low-visibility procedures were in place for both arrivals and departures.

In a post on social media platform X, Delhi Airport said, "Low Visibility Procedures are in progress at Delhi Airport. All flight operations are presently normal. Passengers are requested to contact the airline concerned for updated flight information."

Meanwhile, air quality deteriorated sharply, with the Air Quality Index (AQI) crossing the 350 mark in several areas. In response, the Commission for Air Quality Management (CAQM) enforced Stage-III GRAP measures to curb further environmental and health damage.

Under these restrictions, non-essential

construction and demolition activities have been halted, including welding, plastering, painting, piling, trenching and flooring work.

Data from the Central Pollution Control Board (CPCB) showed that AQI levels at ITO touched 402, firmly placing it in the "severe" category. According to CPCB standards, AQI readings above 401 indicate severe pollution, posing serious health risks, particularly to children, the elderly and those with respiratory ailments.Several neighbourhoods reported even higher pollution levels. Anand Vihar emerged as the most polluted area with an AQI of 437, followed by Patparganj at 429, Chandni Chowk at 426, Nehru Nagar at 421 and Vivek Vihar at 418.Thick smog was visible along major traffic corridors, reducing visibility and worsening commuting conditions.Authorities have urged residents to limit outdoor activities, especially during early morning and late evening hours, as the twin impact of extreme .

Yamuna gets GPS-based dredger for sludge and weed clearance

New Delhi.(Agency)

In a step towards cleaning the Yamuna river, the Irrigation and Flood Control Department on Friday commissioned an amphibian multipurpose dredger Watermaster along with three hopper barges at the Najafgarh drain, which accounts for nearly 70% of the total pollution load entering the Yamuna.

The dredger, sourced from Finland, is a highly versatile machine capable of operating efficiently from dry land to 6-metre deep water. It can be deployed for dredging, raking, piling, sludge removal, and aquatic weed clearance, making it particularly suitable for complex and congested drain systems like the Najafgarh drain.

Delhi Irrigation and Flood Control Minister Parvesh Verma said that the initiative marks a decisive shift towards technology-driven, large-scale and sustained action to clean major drains. The dredger also includes GPS-based tracking with a fuel sensor, ensuring transparency and operational efficiency.

"Najafgarh drain is the biggest contributor to Yamuna pollution. If we are serious about cleaning the river, this drain has to be treated with the best available technology and continuous monitoring. This dredger represents a global standard. Our approach is outcome-based. If the performance of this machinery meets expectations, more such advanced machines will be deployed at different locations across the Yamuna river and its drains," Parvesh Verma said.

"No Internet, Dangerous Protests": First Flights From Iran Land In Delhi

New Delhi.(Agency)

The first two commercial flights carrying Indians from Iran landed in Delhi late last night, since violent protests erupted against the Khamenei regime. These were regular flights and not part of any evacuation effort.The Indian government, however, remains prepared for any eventuality. It had earlier cautioned its citizens against non-essential travel to Iran.

Some flights from India had been impacted on January 15 due to a brief closure of the Iranian airspace amid escalating tensions. The situation now appears to be moving towards normalcy, though several Indians chose to return as air traffic resumes over Iran.

Back in India, the nationals thanked the government for its assistance during the crisis. India's Embassy in Tehran had issued advisories and had been in touch with Indian pilgrims, tourists, students, and businessmen for

evacuation from Iran.An MBBS student who returned from Iran said she had heard about the protests but never saw any agitation herself and that there was no internet.

Another Indian national, who was in Iran for a month, said he had been facing problems only over the last couple of weeks. "When we went outside, protesters would come in front of the car. They would cause a little trouble. There was no internet. Therefore, we couldn't inform our families, and we were a little worried. We couldn't even contact the embassy," he added.

An electrical engineer who had gone to Iran for work purposes said the situation has now improved, with network issues being the only problem he faced during his brief stay."People were worried, but now the scenario in Tehran is now normal. There was fire; the protests were dangerous. However, there were fewer protesters compared to those supporting the regime," said another national, thanking.

After three-day deadlock over Sikh Gurus remark, Delhi Assembly may call session on Atishi row

New Delhi.(Agency)

Delhi Assembly Speaker Vijender Gupta on Friday said a special session of the House will be convened, "if required", following the "unfortunate incident" of alleged disrespect towards Sikh Gurus that disrupted proceedings for three days.

The controversy stems from allegations of disrespect towards Sikh Gurus during a discussion in the Assembly on January 6 related to the Delhi government's programme held last year to mark the 350th martyrdom anniversary of Guru Tegh Bahadur.The issue has since escalated into a major political row involving the BJP in Delhi and the AAP-ruled Punjab.

Addressing a press conference here, Gupta said that on January 7, the verbatim transcript of the January 6 proceedings was read out in the House, after which Atishi was given an opportunity to clarify her position. He said she was also given a chance to explain herself on January 6 itself. The Speaker said that when the issue was first raised, Atishi left the House without responding, even though she could have clarified her stand at that moment.

Gupta said the Assembly Secretariat has issued a notice to the Director of the Forensic Science Laboratory (FSL), Punjab, seeking a detailed response along with the basis of its report, with time granted till January 22. He said the House would not permit any dilution of truth or interference with due process.The Speaker said replies have been received from the Director General of Police, Punjab, and the Commissioner of Police, Jalandhar, while additional time has been granted to both to submit detailed responses due to personal and official reasons.

On the forensic examination, Gupta said the Special Director General of Police (Cyber Crime), Punjab, has submitted a written reply stating that the cyber crime wing had no operational or investigative role in the matter.

He said the reply is under examination and the officer may be asked to appear for further clarification. Gupta also said the Committee on Privileges of the Delhi Legislative Assembly has initiated proceedings in the matter and issued a notice to Atishi over an alleged breach of privilege, seeking her written reply by January 19.

"If required, the House will convene again to uphold its dignity and the democratic will of the people," he added.

'No Role In Such Ventures': MEA Distances Itself From 'Battle Of Galwan'

New Delhi.(Agency)

Ahead of the release of Salman Khan's movie "Battle of Galwan", based on the 2020 clash between Indian and Chinese troops in the Galwan Valley, the Ministry of External Affairs on Friday said issues regarding film-making in India are looked after by "relevant authorities", and the MEA has "no role" in this or such ventures.At his weekly media briefing, External Affairs Ministry Spokesperson Randhir Jaiswal said this in response to a query from a reporter.

Produced by Salman Khan and his mother Salma Khan, "Battle of Galwan" releases on April 17.

Jaiswal was asked to comment on some reports claiming that the MEA has 'raised objections' to the film depicting the clash between Indian and Chinese troops in the Galwan Valley six years ago.

"We understand that a film of this nature is being planned. Issues regarding film-making in India, as you are well aware, are looked after by the relevant authorities. And as far as we are

concerned, MEA has no role in this or such ventures," he said.

The film, directed by Apoorva Lakhia, has Salman playing the role of Bikkumalla Santosh Babu, who laid down his life along with 19 other soldiers of the 16 Bihar Regiment in the 2020 battle while defending Indian territory.

He was posthumously given India's second-highest wartime gallantry award, the Maha Vir Chakra.A 1.12-minute teaser of the film, which has created buzz on the Internet, was released on Salman's 60th birthday on December 27.Several Indian media outlets have reported on the teaser and the criticism it drew from various Chinese media.The military standoff in eastern Ladakh began in May 2020. Clashes at the Galwan Valley in June that year resulted in a severe strain in ties between India and China. Twenty Indian Army personnel laid down their lives in the Galwan Valley clashes on June 15, 2020.In February 2021, China officially acknowledged that five Chinese military officers and soldiers were killed in the clashes, though it is widely believed that the death.

As Ayushman centres expand, Delhi shuts 137 mohalla clinics, only 30 left

New Delhi.(Agency)

Amid the rapid expansion of Ayushman Arogya Mandirs (AAMs), the Delhi government has ordered the closure of 137 mohalla clinics across the city, significantly scaling down a flagship primary healthcare initiative of the previous decade. With this move, the total number of mohalla clinics in the capital has dropped sharply from 167 to just 30, health officials said on Thursday.The decision was communicated to Chief District Medical Officers (CDMOs) of all districts by the mohalla clinic cell of the Directorate General of Health Services (DGHS).

Officials said the closures are part of a broader restructuring of Delhi's primary healthcare network to avoid duplication of services. Of the 137 clinics slated for shutdown, 101 were operating from porta cabins, 30 from rented premises, five from government buildings, and one from a private building provided rent-free.According to officials, 41 of these clinics were already non-functional as they did not have doctors. The remaining 96 clinics were located in close proximity to newly established Ayushman Arogya Mandirs, making them redundant. At its peak, Delhi had more than 540 mohalla clinics, which were introduced to provide accessible neighbourhood-level healthcare. Authorities indicated that even the remaining 30 clinics could be shut in the future as the AAM network continues to expand across the city.

Meanwhile, Chief Minister Rekha Gupta on Wednesday inaugurated 81 new Ayushman Arogya Mandirs, taking the total number of such centres in Delhi to 319. The government plans to establish around 15 AAMs in each Assembly constituency to strengthen local healthcare access.

Designed as comprehensive primary healthcare centres, AAMs are expected to provide 12 essential service packages. These include free distribution of 161 types of medicines, 12 diagnostic tests, and all vaccinations for pregnant women and newborns. Screening for common non-communicable diseases such as cervical, breast and oral cancer will also be a core component.Also, the centres will be equipped with video conferencing facilities, enabling patients to consult specialists at government hospitals remotely.

41 of these clinics already non-functional, say officials

According to officials, 41 of these mohalla clinics were non-functional as they did not have doctors. The remaining 96 clinics were located in close proximity to newly established Ayushman Arogya Mandirs, making them redundant. At its peak, Delhi had more than 540 mohalla clinics to provide accessible neighbourhood-level healthcare.

Rs 1,000-Crore Illicit Funds Routed Via Mule Accounts, CBI Charges 19

New Delhi.(Agency)

The CBI has registered an FIR against a branch head of Punjab & Sind Bank and 18 others for allegedly opening mule accounts which were used to conceal and layer funds over Rs 1,000 crore generated from cybercrime and other illicit activities, officials said Friday.The agency has taken action on the basis of its preliminary enquiry, which exposed 13 mule accounts opened in the names of non-existent companies using forged documents, they said.

The agency found that several individuals arranged forged and fabricated KYC documents, false rent agreements and other fabricated supporting documents used for opening the accounts in the bank's Government Girls Senior Secondary School Branch in Rajasthan's Sriganganagar. Vikas Wadhwa was the head of that branch.

"The said accounts were allegedly opened with the connivance and criminal conspiracy of unknown bank officials, violating KYC norms, due diligence requirements and standard operating procedures," the agency has alleged in the FIR.A mule account - set up using falsified identification documents - is primarily used to move or launder illicit money, with or without the knowledge of the individuals whose details have been used to open the account.

"Fake site visit reports and business verification were created by the bank officials to facilitate opening of these current accounts in the names of fictitious firms," the agency FIR alleged.

The central probe agency said all the 13 firms in whose names the said current accounts were opened were non-existent and created solely to open and operate these current accounts using forged and

fabricated documents.

It is further revealed that significant transactions worth thousands of crores of rupees were routed through these mule accounts through various banking channels and digital platforms, the FIR alleged."These accounts were subsequently used to route, layer and transfer proceeds of cyber-crime and other illicit activities. The transaction amount involved...is about Rs. 1084.00 crore," the agency alleged.

The CBI said accused persons, including Wadhwa, made illicit gain for themselves and corresponding "wrongful reputational loss" to the Punjab & Sind Bank.

"Besides this, if the allegations of money laundering are made out, the accused persons have also exposed the bank to the risk of penalties, thereby placing the bank in a position where it is likely to suffer financial loss on account of such penalties as well," the CBI FIR alleged.

NEWS BOX

Pak Determined To Beat Terrorism, Throw It In Indian Ocean: Shehbaz Sharif

Islamabad. (Agency)

Prime Minister Shehbaz Sharif on Friday said that Pakistan was determined to defeat terrorism, asserting that the menace of militancy would be "thrown into the Indian Ocean". He made the comments during a meeting with senior clerics, representing the National Paigham-i-Aman Committee."We are determined to defeat terrorism, and with the support of the people, we will throw it into the Indian Ocean," he said.He said that militants were supported by the "enemies of Pakistan".Noting that more than 100,000 Pakistanis have been killed due to terrorism, Shehbaz said that the international

community should acknowledge Pakistan's immense sacrifices.He also said that Pakistan demonstrated its strength in May 2025 during a four-day conflict with India.Shehbaz said Pakistan was blessed with vast natural resources worth trillions of dollars, which, if explored effectively, could help overcome challenges such as poverty and unemployment. He said if we use the hidden treasures, all our problems will end.

The committee comprising clerics was set up last year to counter extremism, hate speech, terrorism and sectarianism in the country. It has strongly condemned the Tehreek-e-Taliban Pakistan as well as the Afghan Taliban, stressing that terrorism has no justification under any circumstances.PM Shehbaz hoped that the committee would play a pivotal role in strengthening the national narrative against extremism and terrorism.

US Warns Of "Military Activities" Over Mexico, Central America

World. (Agency)

US aviation authorities issued notices Friday warning airlines to "exercise caution" in the airspace over Mexico and Central America due to "military activities."The Federal Aviation Administration posted a series of messages cautioning about a "potentially hazardous situation," citing the chance for interference to the Global Navigation Satellite System.

"The FAA issued flight advisory Notices to Airmen for specified areas of Mexico, Central America, Panama, Bogota, Guayaquil and Mazatlan Oceanic Flight Regions, and in airspace within the eastern Pacific Ocean," an FAA spokesperson said.

The advisory remains in effect for 60 days.

The announcement comes amid continued reverberations of a US special forces raid and airstrike on January 3 that captured Venezuelan president Nicolas Maduro and his wife, Cilia Flores to face trial on drug-trafficking and other charges.

President Donald Trump has also suggested he is planning land strikes on drug cartels in Mexico, in what would mark a provocative military action against a US neighbor and major trading partner.

We are going to start now hitting land, with regard to the cartels. The cartels are running Mexico," Trump told Fox News last week.

EU Advises Airlines To Avoid Iranian Airspace Amid Unrest

London. (Agency)

The European Union Aviation Safety Agency on Friday advised airlines to avoid Iranian airspace, after threats of US attacks that have put the Islamic republic on guard."Given the ongoing situation and the potential for US military action, which has placed Iranian air defence forces on a heightened state of alert, there is currently an increased likelihood of misidentification," the regulator said.

"The presence and possible use of a wide range of weapons and air-defence systems, combined with unpredictable state responses and the potential activation of SAM (surface-to-air) systems, creates a high risk to civil flights operating at all altitudes and flight levels."

rotests linked to the cost of living broke out in Iran on December 28, spiralling into one of the largest protest movements against the clerical leadership since the Islamic republic was founded in 1979.

At least 3,428 protesters have been killed, according to the latest toll from the Norway-based NGO Iran Human Rights, which described this as "an absolute minimum", and reported more than 10,000 arrests.

Until Wednesday, the United States had threatened military action if Iran did not abandon plans to execute arrested protesters.But after warnings from its Gulf allies of regional repercussions, Washington has since stepped back, although on Thursday it repeated that "all options remain on the table".US President Donald Trump on Thursday thanked the Iranian government for cancelling "all scheduled hangings" after threatening Tehran with "serious consequences" if the crackdown continued.

Kurdish-led SDF to withdraw from Aleppo as hundreds flee amid Syrian military strikes

World. (Agency)

" The leader of Kurdish-led forces in Syria announced on Friday that they will withdraw from a contested area in northern Syria, potentially heading off a major clash with government forces.The announcement by Mazloum Abdi, the leader of the Kurdish-led Syrian Democratic Forces, came as the Syrian military announced it had begun striking SDF positions, while the SDF reported "intense artillery shelling" in the town of Deir Hafer east of the city of Aleppo.

Hours earlier, a US military designation had visited Deir Hafer and met with SDF officials in an apparent attempt to tamp down tensions.The US has good relations with both sides and has urged calm. A spokesperson for the US military did not immediately respond to a request for comment.Abdi said in a statement posted on X that "based on calls from friendly countries and mediators and in a demonstration of good faith," the SDF would redeploy its forces to areas east of the Euphrates River on Saturday morning.

Shortly before Abdi's announcement, interim President Ahmad al-Sharaa had announced issuance of a decree strengthening Kurdish rights.

A wave of displacement

Earlier in the day, hundreds of people carrying their belongings arrived in government-held areas in northern Syria ahead of the anticipated offensive by Syrian troops on territory held by Kurdish-led fighters.Many of the civilians who fled were seen using side roads to reach government-held areas because the main highway was blocked at a checkpoint in the town of Deir Hafer controlled by the SDF.

The Syrian army said late Wednesday that civilians would be able to evacuate through the "humanitarian corridor" from 9 am to 5 pm on Thursday and then extended the evacuation period another day, saying the SDF had stopped civilians from leaving.

There had been limited exchanges of fire between the two sides in the area before that.Men, women and children arrived on the government side of the line in cars and pickup trucks that were packed with bags of clothes, mattresses and other belongings. They were met by local officials who directed them to shelters. In other areas, people crossed canals on small boats and

crossed a heavily damaged pedestrian bridge to reach the side held by government forces. The SDF closed the main highway but more than 11,000 people were still able to reach government-held areas on other roads, Syrian state TV reported.Abu Mohammed said he came from the town of Maskana after hearing the government had opened a safe corridor, "only to be surprised when we arrived at Deir Hafer and found it closed."

SDF fighters were preventing people from crossing through Syria's main east-west highway and forcing them to take a side road, he said.Kortay Khalil, an SDF official at the Deir Hafer the checkpoint, said they had closed it because the government closed other crossings. "This crossing was periodically closed even before these events, but people are leaving through other routes, and we are not preventing them," he said.US military visit

The US military convoy arrived in Deir Hafer in the early afternoon accompanied by SDF officials. Associated Press journalists saw SDF leaders and American officials enter one of the government buildings, where they met inside for more than an hour before departing the area.

Inside Deir Hafer, many shops were closed Friday and people stayed home.

UK police arrest, charge man for hate crime after meat thrown outside gurdwara in West Bromich

BEIJING. (Agency)

In a racially motivated hate crime, a 42-year-old man has been arrested and charged by the West Midlands Police in the United Kingdom for allegedly throwing a bag of meat outside a gurdwara in the Black CountryIn a statement issued recently, the West Midlands Police said that a man had been charged after emptying a bag of meat outside a gurdwara in West Bromwich last month.Tomasz Bruch (42), who has no fixed address, was arrested and charged on January 15. He was produced before the Wolverhampton Magistrates' Court."On December 22, we received a report that a man walked past the Guru Nanak Gurdwara on Edward Street and emptied a bag of raw meat outside. Following an investigation, which included lengthy CCTV trawls by the West Bromwich Neighbourhood Team, Tomasz Bruch, aged 42, of no fixed address, has been charged with a hate crime offence. He has been remanded in custody to appear at Wolverhampton Magistrates' Court today," the statement read.It added, "We will not

tolerate any forms of hate crime, and we will continue to bring hate crime offenders to justice."

The police also urged the public to report hate crimes."If you witness a hate crime or an incident, make sure to report it. Not only will this help us deal with the incident, but reporting to the police will help us understand the extent of hate crime in your local area, so we can improve how we tackle and prevent future incidents," it said.

Thanking the West Midlands Police, Labour MP for West Bromwich, Sarah Coombes, who had earlier raised the issue in the UK Parliament, wrote on X and attached a video, "Recently Guru Nanak Gurdwara was attacked in a racially motivated hate crime. I'm glad that the police have identified, arrested and charged someone in connection with this instance of horrible hatred."The committee of Guru Nanak Gurdwara said in a statement that following investigations, the gurdwara had been informed that on January 14, a man was arrested on suspicion of carrying out the hate crime."The Crown Prosecution Service (CPS) has approved the charges against the individual, and he has been remanded in police custody awaiting the next available court date. We take this opportunity to thank the sangat, councillors, local law enforcement officers and Sarah Coombes MP for West Bromwich for highlighting the seriousness of this issue and taking necessary steps," it said.Earlier, the gurdwara committee had stated that on December 23, its representatives held meetings with the police, MPs and local councillors and were assured that the incident had been taken seriously. They had also urged people to provide any information they

Judge rules Trump's immigration agents in Minneapolis can't detain or tear gas peaceful protesters

World. (Agency)

Federal officers in the Minneapolis-area participating in its largest recent US immigration enforcement operation can't detain or tear gas peaceful protesters who aren't obstructing authorities, including when these people are observing the agents, a judge in Minnesota ruled Friday.

US District Judge Kate Menendez's ruling addresses a case filed in December on behalf of six Minnesota activists. The six are among the thousands who have been observing the activities of Immigration and Customs Enforcement and Border Patrol officers enforcing the Trump administration's immigration crackdown in the Minneapolis-St. Paul area since last month.Federal agents and demonstrators have repeatedly clashed since the crackdown began. The confrontations escalated after an immigration agent fatally shot Renee Good in the head on Jan. 7 as she drove away from a scene in Minneapolis, an incident that was captured on video from several angles. Agents have arrested or briefly detained many people in the Twin Cities.The activists in the case are represented by the American Civil Liberties Union of Minnesota, which says government officers are violating the constitutional rights of Twin Cities residents.After the ruling, US Department of Homeland Security Assistant Secretary Tricia McLaughlin issued a statement saying her agency was taking "appropriate and constitutional measures to uphold the rule of law and protect our officers and the public from dangerous rioters."

She said people have assaulted officers, vandalized their vehicles and federal property, and attempted to impede officers from doing their work. "We remind the public that rioting is dangerous — obstructing law enforcement is a federal crime and assaulting law enforcement is a felony," McLaughlin said.

The ACLU didn't immediately respond to requests for comment Friday night.The ruling prohibits the officers from detaining drivers and passengers in vehicles when there is no reasonable suspicion they are obstructing or interfering with the officers.

Safely following agents "at an appropriate distance does not, by itself, create reasonable suspicion to justify a vehicle stop," the ruling said.Menendez said the agents would not be allowed to arrest people without probable cause or reasonable suspicion the person has committed a crime or was obstructing or interfering with the activities of officers.

Menendez is also presiding over a lawsuit filed Monday by the state of Minnesota and the cities of Minneapolis and St. Paul seeking to suspend the enforcement crackdown, and some of the legal issues are similar. She declined at a hearing Wednesday to grant the state's request for an immediate temporary restraining order in that case.What we need most of all right now is a pause. The temperature needs to be lowered," state Assistant Attorney General Brian Carter told her.

Norovirus Infects Over 100 Students At South China School

BANGKOK. (Agency)

A total of 103 students at a senior high school in Foshan, south China's Guangdong Province, have been infected with norovirus, local health authorities said on Saturday, noting that no critical or fatal cases were reported.Norovirus, a common pathogen leading to acute gastroenteritis, typically causes symptoms such as vomiting and diarrhea. The students from Xinghui Middle School recently fell ill with symptoms preliminarily confirmed as caused by norovirus infections.All 103 students are in stable conditions. The school campus has been disinfected, and students are subject to health monitoring and attendance checks. An epidemiological survey is also underway.According to the Guangdong provincial disease control

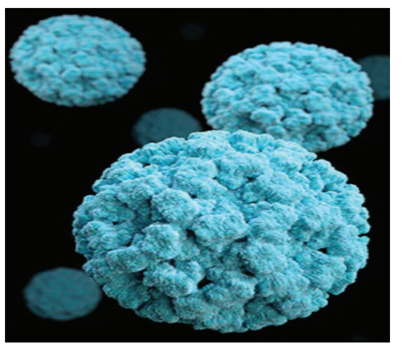

authorities, the province enters its annual norovirus epidemic season from October to March of the following year, Xinhua news agency reported.Norovirus is a group of viruses that causes severe vomiting and diarrhea. It's a very common illness and it's very contagious. Norovirus outbreaks usually happen seasonally in colder months. The infection is the Number 1 cause of foodborne illness in the United States.

An estimated 685 million cases of norovirus are seen annually, including 200 million cases amongst children under 5. The burden of norovirus is significant; norovirus causes an estimated 200,000 deaths per year, including 50,000 child deaths, primarily impacting low-income countries. Norovirus has been estimated to cost $60 billion globally as a result of healthcare costs and economic losses.The first norovirus outbreak occurred in Norwalk, Ohio, USA, in a school in 1968. For this reason, the first strain of norovirus was known as the Norwalk virus.

Norovirus causes gastroenteritis, which some people may call the "stomach flu.

Trump names Rubio, Blair and others to Gaza 'board of peace' as Palestinian committee meets

CAIRO. (Agency)

The White House released the names of some of the leaders who will play a role in overseeing next steps in Gaza after the Palestinian committee set to govern the territory under US supervision met for the first time on Friday in Cairo.

The committee's leader, Ali Shaath, an engineer and former Palestinian Authority official from Gaza, pledged to get to work quickly to improve conditions. He expects reconstruction and recovery to take about three years and plans to focus first on immediate needs, including shelter.

"The Palestinian people were looking forward to this committee, its establishment and its work to rescue them," Shaath said after the meeting, in a television interview with Egypt's state-owned Al-Qahera News.US President Donald Trump supports the group's efforts to govern Gaza after the two-year war between Israel and Hamas. Israeli troops withdrew from parts of Gaza after the ceasefire took effect on Oct. 10, while thousands of displaced Palestinians have returned to what is left of their homes.

Now, there will be a number of huge challenges going forward, including the deployment of an international security force to supervise the ceasefire deal and the difficult process of disarming Hamas.

Under Trump's plan, Shaath's technocratic committee will run day-to-day affairs in Gaza under the oversight of a Trump-led "Board of Peace," whose members have not yet been named.White House names some officials to oversight boardsThe White House said an executive board will work to carry out the vision of the Board of Peace.The executive board's members include US Secretary of State Marco Rubio, Trump envoy Steve Witkoff, Trump's son-in-law Jared Kushner, former British Prime Minister Tony Blair, Apollo Global Management CEO Marc Rowan, World Bank President Ajay Banga, and Trump's deputy national security adviser

Robert Gabriel.Nickolay Mladenov, a former Bulgarian politician and UN Mideast envoy, is to serve as the executive board's representative overseeing day-to-day matters. The White House also announced the members of another board, the "Gaza Executive Board," which will work with Mladenov, the technocratic committee and the international stabilization force.

Witkoff, Kushner, Blair, Rowan and Mladenov will also sit on that board. Additional members include: Turkish Foreign Minister Hakan Fidan; Qatari diplomat Ali Al-Thawadi; Hassan Rashad, director of Egypt's General Intelligence Agency; Emirati minister Reem Al-Hashimy; Israeli businessman Yakir Gabay; and Sigrid Kaag, the Netherlands' former deputy prime minister and a Mideast expert.Death of boy mourned in the West BankIn the West Bank, friends and relatives gathered Friday to mourn the death of a 14-year-old Palestinian boy killed by Israeli forces.The Palestinian Health Ministry, which confirmed his death, said Mohammad Na'san was the first child killed by the army in the occupied West Bank in 2026.Residents said Israeli forces fired stun grenades and tear gas in an unprovoked attack. Israel's military said in a statement that the incursion came after Palestinians had hurled rocks at Israelis and set tires aflame."There was gunfire directed at citizens and farmers.

NEWS BOX

India vs Bangladesh, U19 World Cup Live Streaming: All you need to know

New Delhi. (Agency)

India U19 and Bangladesh U19 clash in a pivotal Group B encounter of the ICC U19 World Cup 2026 on Saturday, January 17, at Queens Sports Club, Bulawayo. This high-stakes match could prove decisive in setting the tone for both teams' campaigns as they aim to assert early dominance in the tournament.India began their campaign strongly, overpowering USA U19 in a rain-curtailed match. USA were restricted to 107, with Nitish Sudini top-scoring with 36. Henil Patel starred with a five-wicket haul for just 16 runs, while RS Ambrish and Khilan Patel provided crucial support.

In reply, India paced their chase carefully, anchored by an unbeaten 42 from Abhigyan Kundu. Contributions from captain Ayush Mhatre and Vihaan Malhotra ensured a

comfortable six-wicket win with 118 balls to spare, showcasing both their bowling depth and batting resilience.

BANGLADESH IN GOOD FORM

Bangladesh U19 arrive with strong momentum, having produced disciplined performances in the ACC U19 Asia Cup. They reached the semi-final, including a thrilling three-wicket win over Afghanistan U19, and won back-to-back U19 Asia Cup titles in 2023 and 2024, defeating India by 59 runs in the 2024 final.These achievements highlight their consistency, depth, and ability to perform under pressure. Both teams will be eager to secure a top spot in Group B, making this match a crucial early test.India will look to reinforce their dominance, while Bangladesh will aim to continue their winning form and establish themselves as serious contenders. Fans can expect an intense and competitive encounter with significant implications for the rest of the tournament.

The Michael Phelps protocol: Swimmer reveals how he programmed himself for success

NEW DELHI. (Agency)

Michael Phelps spent most of his life inside systems. Systems of training, recovery, sleep and repetition. Systems that turned a talented teenager from Baltimore into the most decorated Olympian of all time. Long after his final race, Phelps has laid out the framework that powered his career, a philosophy rooted in discipline, accountability and daily habits rather than motivation or inspiration.The principles he followed were not limited to swimming. They are transferable to any area of life, whether it is building a career, mastering a skill, managing a business, or raising a family. Anyone could apply the same approach of defining a dream, making a plan, and following through with consistent daily actions.At the heart of it is a simple

three-step process he lived by: dream, plan, reach."One of the things that I really live by is dream plan reach," Michael Phelps said on Raj Shamani's Figuring Out podcast. "We all have a dream. It's something that we're trying to accomplish. And if you don't have a plan that goes along with that dream, then you're gonna be lost."For Phelps, ambition without structure was meaningless. Dreams only mattered if they were backed by action, and action had to begin immediately. "It's what can you do right now," he said. "It's not yesterday, it's not tomorrow. It's right now."That mindset shaped his earliest career decisions. As a teenager, Phelps dropped all other sports to focus solely on swimming, a choice he admitted came with fear. "Was I afraid to drop all of my other sports and just focus on swimming? Of course," he said. "But I also was able to learn that it was the best decision for me."

Rahul by name and nature: It's time to retire KL's Unsung Hero tag

It would hardly be overstating things to suggest that KL Rahul is trying to recreate, in a far more impatient and unforgiving era, what Rahul Dravid once stood for in Indian cricket. Quietly dependable and easy to overlook, Rahul has become a cricketer Indian cricket takes for granted.

New Delhi. (Agency)

"Even a spare tyre is not used as much as Rahul," Navjot Singh Sidhu joked in his trademark tongue-in-cheek style during the Champions Trophy in 2025.In one line, he summed up the kind of cricketer KL Rahul has become. A five-in-one solution. An emergency opener. An anchor when the top order collapses. A middle-order floater. A wicketkeeper. A stand-in captain when required.Versatality has always been Rahul's greatest strength. It is also the reason he is so easy to overlook.He does not complain. He does not demand clarity. He does not publicly push back when roles change. He simply does what the team asks, often without fuss and without acknowledgement. That trait, inevitably, brings back memories of another stalwart with the same first name, from the same city.

TWO RAHULS TWO DESTINIES

It would not be an exaggeration to say that what Rahul Dravid once represented for Indian cricket, his namesake now attempts to replicate in a modern, far more impatient era.

When KL Rahul bats, the similarities are subtle. Dravid's drives were defined by a pronounced backlift and a wristy flourish. Rahul's bat moves in a smaller, gentler arc. He does not lean as low over the ball. The result is a minimalist elegance, particularly when he drives straight down the ground.Dravid, of course, was part of the Fab Four alongside Sachin Tendulkar, Sourav Ganguly and VVS Laxman. His career was woven into a golden era of Indian Test cricket. While he was often underappreciated in his playing days, history has been kind to him.Rahul, quietly, is walking a similar path. Performing without noise. Without fuss. Without demanding the spotlight.

It is remarkably easy to take KL Rahul for granted. Indian cricket has done exactly that for years.Discussions around the Indian team tend to orbit around superstars. Players who

dominate headlines and social media trends. In that churn, Rahul often slips through unnoticed. He is rarely the headline act. But whenever the team needs stability, he is the one they turn to.Technically sound. Tactically aware. Willing to take responsibility regardless of role. Opening the batting. Shuffling into the middle order. Keeping wickets. Leading the side when required. Rahul has done it all.

His batting tempo is dissected. His intent is questioned. His failures are magnified. His successes are explained away as "doing his job". Trolling is inevitable for any Indian cricketer, but Rahul seems to shoulder more than his share.

What stands out is how he responds. Or rather, how he does not. No angry rebuttals. No cryptic social-media posts. No public sulking. He absorbs it all and moves on.

That restraint says as much about his temperament as his batting does.

THE WEIGHT OF NOVEMBER 19

Any conversation about blame inevitably circles back to November 19, 2023.

The World Cup final. Ahmedabad. A night that still stings.Rahul's 66 off 107 balls became the symbol of India's failure. He was criticised, abused and, in many cases, bullied. Almost overnight, he became the villain.What tends to get lost is context. India's batting collapsed. Wickets fell around him. Conditions were tricky. Rahul chose to hold one end, read the situation and avoid reckless risks.

Virat Kohli prays at Ujjain temple day before ODI series finale vs New Zealand. Watch

NEW DELHI. (Agency)

Star India batter Virat Kohli offered prayers at the Shree Mahakaleshwar Temple in Ujjain ahead of the third ODI against New Zealand. Kohli has been in rich form over the past few years, and he carried his consistency into the ongoing series in style with a match-winning knock of 93 in the first ODI in Vadodara.

With the series now level at 1-1, following New Zealand's emphatic seven-wicket victory in the second fixture, Kohli went to seek divine blessings ahead of the series decider scheduled to be played on January 18 at the Holkar Cricket Stadium in Indore. In a viral video circulating on social media, Kohli can be seen inside the temple walking alongside the priests as he hails the almighty Lord Shiva by chanting 'Jai Shree Mahakal'.Meanwhile, Kohli has been plundering runs with his bat, and his outstanding run of form has taken him back to the top of the ICC Men's ODI Batting Rankings for the first time since July 2021. He overtook team-mate Rohit Sharma following his match-winning innings in the opening ODI in Vadodara.

It is the 11th occasion that Kohli has risen to the No.1 position in the ODI batting rankings, driven by a series of commanding

performances at the highest level. The former India captain has crossed the fifty-run mark five times in his last six innings. Kohli has accumulated 492 runs in his last six matches at an exceptional average of 123 and a strike rate of 107.18, registering two centuries and three half-centuries.His recent scores include 23, 93, 135, 102 and an unbeaten 65 during the home series against South Africa in November–December, along with a fluent 74 not out against Australia in the third ODI in Sydney in October.

Courtesy of his remarkable form, Kohli now sits at the top of the rankings with 785 rating points to his name. Kohli first climbed to the summit of the rankings in October 2013 and has now accumulated a total of 825 days at No.1 — the most by any Indian batter. He currently ranks 10th on the all-time list, which is headed by West Indies legend Vivian Richards, who spent an extraordinary 2,306 days at the top.

Kohli endured a rare failure during the second ODI against New Zealand, where he was dismissed for 23 off 29 balls by Kristian Clarke. The right-handed batter struck two boundaries during his stay at the crease but was eventually dismissed after chopping a delivery back onto his stumps.

With the series on the line in Indore, India will be hoping for another match-winning innings from Kohli's bat. The star batter, who has been a pillar of consistency for the side, will next be seen in India colours later this year in June after the conclusion of the current series.

Novak Djokovic at the crossroads: Why 2026 could define his legendary career

NEW DELHI. (Agency)

For nearly two decades, men's tennis was a kingdom ruled by the Big Three. Roger Federer and Rafael Nadal defined eras, shattered records, and then bowed out, content with legacies carved in stone. Today, they exist mostly in exhibition lights and farewell tributes. One name, however, still refuses to fade into nostalgia — Novak Djokovic.

At 38, with his 39th birthday approaching, Djokovic remains very much alive and kicking. The fire that fuelled his rise has not dimmed, even as time has tightened its grip. He has already conquered everything the sport can offer: 100 ATP titles, a record 24 Grand Slams, and the one medal that once eluded him — Olympic gold. There is nothing left to prove, and yet, everything left to defend.In 2026,

Djokovic finds himself fighting a battle of existence — not against rivals, but against age, expectation, and inevitability. He may no longer possess the relentless physical edge of a 20-year-old, but what he still owns is belief, experience, and an unmatched competitive mind.And what better stage to begin than Melbourne, his personal fortress. 10 Australian Open titles stand as proof of his mastery there. Whether 2026 becomes another chapter of defiance or the start of a graceful sunset remains uncertain. But one thing is clear: counting Djokovic out has never been wise.THE HUGE HURDLES

Going into 2026, Djokovic faces one of the defining phases of his career, confronted by the twin challenges of Jannik Sinner and Carlos Alcaraz. As Djokovic approaches 40, the physical gap between him and the new generation has become increasingly evident. While his skill, experience and mental strength remain unmatched, modern tennis now demands relentless athleticism, recovery and endurance — areas where younger rivals hold a natural edge.

Doping controversy behind, Sinner sets his eyes on 3-peat at Australian Open

New Delhi. (Agency)

Defending champion Jannik Sinner said he arrived at the Australian Open stronger in body and mind after navigating what he described as the most difficult period of his career, with the Italian now focused on winning a third successive title at Melbourne Park.Sinner entered last year's Australian Open under the cloud of an unresolved doping case, with uncertainty following him on and off the court. Despite the situation, the 24-year-old defended his title but later admitted the strain had weighed heavily on him.Last year was definitely a much more difficult situation," Sinner said on Friday. "At that moment last year I didn't know exactly what was going to happen. I tried still to enjoy it when going out on the court, but you still have it in your head.The Italian said the period had been challenging not just for him but also for those close to him. "It was difficult for me, but also for the family," he said. "I tried to stay with the people I really love, which at times worked

very well. At times it was a bit disappointing too."Sinner later served a three month ban, which gave him time away from the tour. He returned to produce the most successful season of his career, winning his maiden Wimbledon title and lifting the ATP Finals crown to cap the year.The four-time Grand Slam champion said the experience had helped him mature and change the way he viewed the sport.

"It got me even stronger as a person," Sinner said. "The person I've become is much more mature because I see things, when they're not going in the right direction, in different ways."He added that results no longer defined him in the same way. "Whatever comes on court, result-wise, that's all an extra," he said. "I live the sport in a very different way now, which is relaxed, but I give everything I have. It's a balance of everything."Australian Open: Alcaraz's warning for SinnerSecond seed Sinner opens his campaign against France's Hugo Gaston in the first round and is favourite among bookmakers to complete a third successive Australian Open title, slightly ahead of Carlos Alcaraz.

Axar way ahead of Jadeja, don't know why he's not in ODI squad: Former India batter

Former India cricketer-turned commentator Mohammad Kaif has questioned the selectors for not picking Axar Patel in the squad for the ongoing ODI series against New Zealand. Kaif hailed Axar's batting and bowling prowess better than Jadeja.

NEW DELHI. (Agency)

Former India cricketer-turned-commentator Mohammad Kaif has lashed out at the selectors for not picking all-rounder Axar Patel for the ongoing ODI series against New Zealand, calling him a better player than Ravindra Jadeja. Jadeja last played the 50-over format during the Australia tour in October 2025 and has since been overlooked for the subsequent South Africa and New Zealand series.As he finds himself out of the ODI team, veteran all-rounder Ravindra Jadeja's form has come under scrutiny due to his diminishing returns with both bat and ball. Jadeja has failed to justify his place in the team over the past few months because of his inability to take wickets and finish innings. Amid his poor form, Mohammad Kaif questioned the selectors for not picking Axar, hailing his ability to hit sixes and bowl effectively in the powerplay."If you have to choose one of the two, Axar is way ahead of Jadeja, even in one-day cricket. His strike rate, batting ability and ability to hit sixes — Jadeja does not have that. We have seen this in the IPL as well. In white-ball cricket, Axar is way ahead in batting. Even in bowling, he is ahead. Axar can bowl in the powerplay as well. I do not know why he is not even in the squad. Why are you backing Reddy against New Zealand, who are weak against spin? Anyway, you already have Arshdeep sitting out, so there are four pacers already," Kaif said on his YouTube channel.I want Jadeja

and Axar to play together. If Axar was there in the last game instead of Reddy, there would have been more balance. There is a difference in the bowling styles of Jadeja and Axar. People say both are left-arm spinners — they are — but both have different styles of bowling. Jadeja comes on after the powerplay. Axar can take the new ball. He is the best bowler with the new ball. He took wickets with the new ball in the Champions Trophy as well," he added.

In his last five ODIs, Jadeja has managed just one wicket, averaging a staggering 257 with the ball while conceding runs at an economy rate of 6.11. With the bat, he has scored 87 runs from four innings at a modest strike rate of 90.62. On the other hand, Axar fulfilled his duties as an all-rounder during his last series in Australia, scoring 75 runs from two innings at an average of 37.50 and chipping in with three crucial wickets at an impressive economy rate of 4.45.However, with the T20 World Cup just a month away, he has been rested from the ongoing series. With India not playing many matches in the lead-up to the 2027 ODI World Cup, Jadeja is in a race against time to prove his worth in the ODI side.

Janhvi Kapoor

Calls Rani Mukerji's Mardaani 3 Character 'Strongest', Says 'Can't Wait'

Janhvi Kapoor has joined the list of celebrities praising Rani Mukerji's Mardaani 3. The makers dropped a trailer that grabbed attention. Janhvi Kapoor called the actress the best and also mentioned that she is eagerly waiting for the film to release. Mardaani 3 is all set to release on January 30.Taking to her Instagram stories, Janhvi Kapoor shared the trailer and wrote, "30 years of iconic Rani Mukerji! Thank you for the movies, the magic and the iconic inspiring performances, can't wait to see one of you strongest characters back on the big screen #Mardaani3"

What celebrities said

Ananya Panday shared the trailer and wrote, "Queen there is no one like you. What a trailer, you are the best thanku for 30 years of treating us….Can't wait to watch 300 more years of you ruling the screen #ranimukerji." Katrina Kaif also praised the trailer and wrote, "#30Yearsof Queen #RaniMukerji irreplaceable, unstoppable undefinable." Kiara Advani wrote, "30 years. One Rani, Endless power. From timeless grace to fearless Mardaani. She still rules the screen. Can't wait to watch #Mardaani3." Earlier, Kareena Kapoor also shared the trailer, "Dynamite..Rani meri jaan love you always..killing it." Alia Bhatt also wrote, "30 years of unforgettable performances and now one more. Cannot wait to watch Mardaani 3." And guess what? Filmmaker Siddharth Anand has also turned to social media to praise the 'FANTASTIC' trailer. Impressed by the powerful clip, the filmmaker shared the link on X (formerly Twitter) and called it a must-watch. He wrote, "#Mardaani3Trailer is FANTASTIC! Hits you like a bolt of lightning! Rani is GOLD! And Mallika Prasad playing Amma is terrifying! Abhiraj, you've nailed this one! Mohit, what a trailer you've cut, again!! Guys, watch it now!"

Mardaani 3 Trailer

The makers of Rani Mukerji's hard-hitting cop franchise Mardaani have unveiled the trailer of its third instalment, bringing back the actor as the relentless and fearless IPS officer Shivani Shivaji Roy. Staying true to the franchise's uncompromising tone, Mardaani 3 promises another disturbing, socially rooted narrative that places Shivani in the middle of a race against time. This time around, Shivani is seen joining the National Investigation Agency (NIA) and taking charge of a chilling case involving the kidnapping of two young girls. As Shivani digs deeper into the investigation, the case spirals into something far more sinister. The trailer reveals a nationwide human trafficking network run by an elderly woman named Amma, played by Mallika Prasad.

Ananya Panday

Drops Unseen 2016 Throwback Pics With Ahaan Panday And Suhana Khan

Ananya Panday recently took fans on a nostalgic trip down memory lane as she shared a set of unseen throwback photos from 2016 featuring her cousin Ahaan Panday and close friend Suhana Khan. The pictures instantly caught attention and sparked excitement among fans, offering a rare glimpse.

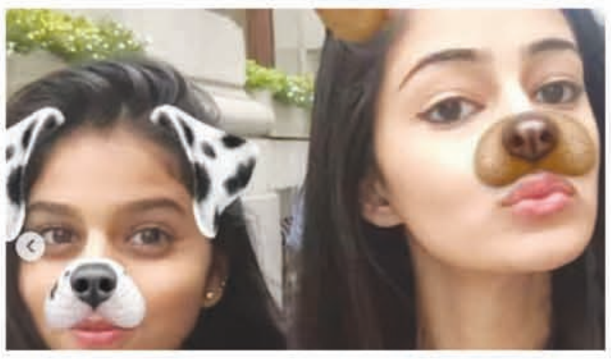

Taking to her Instagram handle, Ananya Panday shared a series of photos from the year 2016. The photos feature her school days, celebrating Rakhi with Ahaan Panday and also goofy photo with Suhana Khan. "2016 was really it man," read the caption. Fans also commented. One of the fans wrote, "she just like us". Another wrote, "miss this age."

Ananya Panday Spotted In No-Makeup Look During City Outing

Ananya Panday recently caught everyone's attention as she stepped out in the city sporting a fresh no-makeup look, and the video of her outing has since gone viral on social media. The actress impressed fans by embracing a natural, effortless vibe during her casual day out.In the video, shared by Filmygyan, we can see Ananya Panday in a no makeup look coming out of a building. She is wearing casual clothes and looking stylish. The actress also noticed paps. The video went viral.

Ananya has not started shooting for her next and her last release, Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri, with Kartik Aaryan, received mixed response.

Ananya Seeks Blessings At Gurudwara

Ananya's spiritual visits are often shared on Instagram. Recently, the actress shared a glimpse of her visit to Bangla Sahib Gurudwara in Delhi with Kartik Aaryan through a collaborative post. The duo was seen posing together in front of the Gurudwara and the post crossed over 2 million likes.

Karan Johar Buys Rs 8.05 Crore Apartment In Mumbai's Khar West; Deal Registered In November 2025

Filmmaker and producer Karan Johar has invested in a premium residential apartment in Mumbai's Khar West, shelling out ₹8.05 crore for the property. According to property registration documents accessed by Square Yards from the Maharashtra Inspector General of Registration (IGR) website, the transaction was officially registered in November 2025.

Inside the Property: Size, Building and Registration Details

The apartment is situated in the Pali Vintage building, a residential development in Khar West. As per official records, the unit has a carpet area of 1,060.13 sq ft (98.49 sq metres) and includes two exclusive car parking spaces. The purchase attracted a stamp duty of ₹48 lakh, along with registration charges amounting to ₹30,000.

Why Khar West Continues to Attract Premium Buyers

Khar West remains one of Mumbai's most established and desirable residential neighbourhoods, known for its blend of connectivity and urban lifestyle. The area is well-connected through major arterial roads including Linking Road, SV Road and the Western Express Highway, enabling easy movement across the city.

Connectivity to Business Hubs and Neighbouring Areas

The locality is served by the Khar Road railway station on the Western Line, offering suburban rail access. Its strategic positioning allows convenient travel to nearby areas such as Bandra, Santacruz and Andheri. Additionally, the Bandra–Worli Sea Link provides smoother connectivity to South Mumbai as well as business districts like Bandra Kurla Complex (BKC) and Lower Parel.

A Mature Residential Ecosystem

Over the years, Khar West has evolved into a sought-after residential address featuring a mix of premium apartments and boutique developments. The neighbourhood is surrounded by retail outlets, restaurants, entertainment spaces, reputed educational institutions and healthcare facilities, making it a preferred choice for professionals and families alike.

Dhanush To Marry Mrunal Thakur On Valentine's Day? Here's What We Know

Dhanush and Mrunal Thakur, who have been dating each other for a long time now, are planning to get married soon. If a latest report is to be believed, the couple is planning to tie the knot on Valentine's Day (February 14) this year. As reported by the Free Press Journal, Dhanush and Mrunal's alleged wedding would be a private ceremony, attended by close family members and friends.While the rumours of Dhanush and Mrunal's wedding have left fans excited, it should be noted that neither of the actors has issued an official statement yet, either confirming or denying the rumours.

Is Mrunal Thakur Dating Dhanush?

Rumours of Mrunal Thakur and Dhanush's romantic relationship have been making headlines for a long time now. It all started in August 2025 when the two actors were spotted at the premiere of Mrunal's film Son Of Sardaar 2. Prior to this, Mrunal's presence at the wrap party of Dhanush's film, Tere Ishq Mein, also raised eyebrows.

Interestingly, Mrunal also follows Dhanush's sisters, Dr Karthika Karthik and Vimala Geetha, on Instagram.Previously, a well-placed source exclusively confirmed News18 Showsha about Dhanush and Mrunal's dating and said, "Yes, it's true that they are dating. But it's too new and they've no plans of making their relationship official before the public or the media. At the same time, they're unfazed about going out and about and being spotted.

Friends are truly rooting for them as they're quite similar and compatible when it comes to their values, choices and thoughts."

However, Mrunal addressed their dating speculations last year when she clarified that Dhanush is "just a good friend".

Dhanush's Previous Marriage

As for Dhanush, he was previously married to Aishwaryaa Rajinikanth for 18 years before they announced their separation in 2022. The former couple met on the set of his 2003 film, Kadhal Kondaen. They share two sons – Yatra and Linga.